सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
YouTube

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 314, नई दिल्ली । मंगलवार, 21 जनवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अपने मिशन में सफल होने के लिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति एक चित भाव से समर्पित होना पड़ेगा।

03 'अनब्रेकेबल' फ़िल्म मेरे लिए बेहद भावुक है: केजरीवाल
06 चॉकबोर्ड से चैटबॉट तक: शिक्षा प्रौद्योगिकी का विकास
08 नंदनकानन में टॉय ट्रेन रोकी गई

भारतीय बस एवम्कार ऑपरेटर्स परिसंघ पंजीकृत (BOCI) की प्रबंधक निकाय बैठक संपन्न

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिनांक 18 एवं 19 जनवरी 2025 को होटल ललित में बस एंड कार ऑपरेटर्स कनफेडरेशन आफ इंडिया की प्रबंधक निकाय (गवर्निंग बाडी) बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में चेयरमैन जगदेव सिंह खालसा, अध्यक्ष प्रसन्ना पटवर्धन, महासचिव ए अफजल, गुरमीत सिंह तनेजा अध्यक्ष (सीएमवीआर कमेटी), डी आर धर्मराज, बाबू पाणिकर, डी मारण, कठोर बॉक्स, हरीश सभरवाल, छिक्कारा एवम् अन्य सभी राज्यों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस बैठक में आगे करने वाले मुख्य कार्यों पर फैसला लिया गया।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

दिल्ली मेट्रो से सफर करने वाले ध्यान दें! स्टेशनों के बाहर लग रही लंबी कतार, घर से एक्सट्रा टाइम लेकर निकलें, जानिए

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली और एनसीआर में गणतंत्र दिवस के चलते सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है, जिससे दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर लंबी कतारें लग रही हैं। इस स्थिति के कारण ऑफिस या अन्य जरूरी काम के लिए मेट्रो का उपयोग करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त समय लेकर निकलने की सलाह दी गई है।

नईदिल्ली: दिल्ली और एनसीआर इलाकों में रहने वालों के लिए जरूरी खबर है। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के चलते दिल्ली-एनसीआर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इसका असर मेट्रो स्टेशनों पर भी देखा जा रहा है। स्टेशन के अंदर लोगों की सुरक्षा जांच के चलते बाहर लंबी लाइनें लग रही हैं। ऐसे में अगर आप घर से ऑफिस या किसी भी जरूरी काम के लिए मेट्रो का सहारा लेते हैं, तब कुछ एक्स्ट्रा टाइम लेकर ही निकलें। बता दें कि इस बार 26 जनवरी को मनाए जाने वाला गणतंत्र दिवस कई मायनों में खास होने वाला है।

मेट्रो के बाहर लंबी लाइनें

दिल्ली मेट्रो लोगों के लिए लाइफलाइन है। रोजाना लाखों लोग इससे सफर करते हैं। ऐसे में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस से पहले ही सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। हर मेट्रो स्टेशन के बाहर लंबी लाइनें देखने को मिल रही हैं। ऐसे में घर से आप अतिरिक्त समय लेकर ही चलें वरना आप दफ्तर या किसी भी जरूरी काम के लिए लेट हो सकते हैं। हमारी टीम ने आज मेट्रो स्टेशनों के बाहर का नजारा अपने कैमरे पर कैद किया। उपर की तस्वीरों में आप साफ देख सकते हैं।

यात्री हो रहे परेशान

दिल्ली मेट्रो के बाहर लही लंबी लाइनें यात्रियों का भी सब्र का बांध तोड़ रही हैं। लोग अपनी परेशानी सोशल मीडिया के बहाने बयां कर रहे हैं। एक एक्स यूजर ने लिखा कि दिल्ली मेट्रो हम पीक टाइम को नहीं झेल सकते। हम दिल्ली मेट्रो का इस्तेमाल ट्रैफिक से बचने के लिए कर रहे हैं। कॉर्पोरेट जीवन के लिए यात्रा करने का यह पीक आवर है। हम सभी जानते हैं कि 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) निकट है लेकिन हम उस समय ऐसा जोखिम नहीं ले सकते। एक ने तस्वीर पोस्ट कर लिखा कि मेट्रो स्टेशन के बाहर लंबी लाइनें। एक ने लिखा कि देखिए गणतंत्र दिवस आने के कारण दिल्ली मेट्रो में भीड़ बढ़ गई है, क्योंकि सुरक्षा व्यवस्था बहुत सख्त है।

हरियाणा का ये नेशनल हाईवे सफर को बना देगा बिल्कुल आसान, लोगों को मिलेगा बड़ा फायदा

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। हरियाणा वासियों के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। मिली जानकारी के अनुसार, जल्द ही NH-352A पर वाहन फराटा भरते दिखाई देंगे। यह हाईवे GT रोड (NH-44) से शुरु होकर सोनीपत और गोहाना से होते हुए जींद तक जाता है। इस हाईवे का निर्माण दो चरणों में पूरा होगा और इसके निर्माण पर करीब 1380 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

सवा घंटे में सफर

जानकारी के मुताबिक, 80 किलोमीटर लंबे इस हाइवे के पहले चरण में गोहाना से जींद तक सड़क निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। वहीं, सोनीपत से गोहाना के बीच इसी साल मार्च महीने तक हाईवे का निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद अप्रैल में वाहन चालक नये हाईवे पर सोनीपत से जींद तक का सफर सवा घंटे में पूरा कर सकेंगे।

रखें जाएंगे गार्डर

जानकारी के मुताबिक, सोनीपत शहर से दिल्ली- अंबाला और जींद-सोनीपत रेल लाइन गजरती है। रेलवे से पावर ब्लॉक मिलने के बाद दिल्ली-अंबाला रेलवे लाइन के ऊपर गार्डर रख दिए गए हैं। अब सोनीपत-जींद रेल लाइन पर गार्डर रखने का काम बाकी है। गार्डर रखने के बाद पुल का काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद वाहनों की आवाजाही शुरु हो जाएगी।

मिलेगी कनेक्टिविटी

जानकारी के मुताबिक, NH-352A को गांव ईशापुर खेड़ी के पास दिल्ली- कटरा एक्सप्रेसवे से कनेक्ट कर दिया गया है। नये हाईवे के चालू होने के बाद जींद से दिल्ली जाने का सबसे छोटा रास्ता होने वाला है।

अभी जींद से दिल्ली जाने के लिए लोगों को गोहाना व सोनीपत या फिर रोहतक से बहादुरगढ़ होते हुए दिल्ली जाना पड़ता है। वाहन चालकों की सुविधा का ख्याल रखते हुए इस हाइवे को गांव बड़वासनी के पास पश्चिमी यमुना नहर के समानांतर बने NH-334P से भी जोड़ा गया है।

दुर्घटना रोकने के लिए परिवहन विभाग की अनूठी पहल, सीनियर सिटीजन के वाहनों लगाया जायेगा यह स्टीकर

बिहार में 60 साल से ज्यादा उम्र के 514 लोगों की मौत 2023 में हुई थी। जबकि 262 घायल हो चुके हैं। जिसे देखते हुए वरिष्ठ नागरिकों ने एक विशेष स्टीकर गाड़ी पर लगाने का अनुरोध परिवहन सचिव से किया था। अब संजय कुमार अग्रवाल ने इसकी स्वीकृति दी है।

नई दिल्ली। परिवहन विभाग ने वरिष्ठ नागरिकों के सुरक्षित वाहन चालन के लिए अनूठी पहल शुरू की है। दुर्घटना रोकने के लिए अब सीनियर सिटीजन के गाड़ियों पर स्टीकर लगाया जाएगा। स्टीकर में धैर्य रखें, वाहन चालक वरिष्ठ नागरिक हैं, सावधानी ही सुरक्षा है लिखी होनी चाहिए।

दरअसल वरिष्ठ नागरिकों के एक समूह ने परिवहन सचिव से मिलकर वरिष्ठ नागरिक का विशेष स्टीकर अपने वाहन के पीछे लगाने का अनुरोध किया था। परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि सीनियर सिटीजन के वाहनों के पीछे स्टीकर लगे होने से अन्य वाहन चालक अवेयर होकर गाड़ी चला सकेंगे। इससे सड़क दुर्घटना में कमी आ सकेगी एवं सीनियर सिटीजन सुरक्षित वाहन चला सकेंगे। सड़क सुरक्षा माह के दौरान परिवहन विभाग द्वारा विशेष अभियान के तहत सीनियर सिटीजन के वाहनों में यह स्टीकर लगाया जायेगा।

सीनियर सिटीजन को सड़क पर वाहन चलाते समय अधिक सुरक्षा और सहूलियत प्रदान करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग ने एक नई पहल शुरू करने का निर्णय लिया है। अब वरिष्ठ नागरिकों के वाहनों के पीछे एक विशेष स्टीकर लगाए जाएंगे, जिस पर ''धैर्य रखें (keep patience), वाहन चालक वरिष्ठ नागरिक हैं।'' लिखा रहेगा।

वरिष्ठ नागरिकों के अनुरोध पर विभाग ने लिया निर्णय

दरअसल, हाल ही में वरिष्ठ नागरिकों के एक समूह ने परिवहन सचिव से मिलकर वरिष्ठ नागरिक का एक विशेष स्टीकर अपने वाहनों के पीछे लगाने का अनुरोध किया था। उनके अनुरोध पर परिवहन सचिव ने जनहित में वाहनों के पीछे वरिष्ठ नागरिक का स्टीकर लगाने की स्वीकृति दी है।

सड़क दुर्घटनाओं में लायी जा सकेगी कमी

परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि सीनियर सिटीजन को वाहन चलाते समय अन्य वाहन चालकों द्वारा बेवजह हार्न, ओवरटेकिंग इत्यादि परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में वरिष्ठ नागरिक असहज महसूस करते हैं। स्टीकर लगे होने से अन्य वाहन चालकों को उनकी उपस्थिति की जानकारी आसानी से हो सकेगी और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकेगी।

60 वर्ष से अधिक 514 लोगों की सड़क दुर्घटना में हो चुकी है मौत

राज्य में वर्ष 2023 में 60 वर्ष से अधिक उम्र के 514 लोगों की मौत सड़क दुर्घटना में हुई है। जबकि 262 लोग सड़क दुर्घटना में घायल हो चुके हैं। इन दुर्घटनाओं में वाहन चालक, पैसेंजर, पेडिस्ट्रीयन आदि शामिल हैं।

सीनियर सिटीजन के प्रति धैर्य और सम्मान का बनेगा वातावरण

परिवहन सचिव ने बताया कि यह स्टीकर न केवल सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि सड़क पर अन्य चालकों के बीच सीनियर सिटीजन के प्रति जागरूकता भी बढ़ाएगा। इससे सड़क पर उनके प्रति धैर्य और सम्मान का वातावरण बनेगा।

सड़क सुरक्षा माह के दौरान लगाया जायेगा स्टीकर

राज्य में सड़क सुरक्षा माह चल रहा है। इसके तहत सड़क सुरक्षा जागरुकता हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सड़क सुरक्षा माह के दौरान परिवहन विभाग द्वारा विशेष अभियान के तहत सीनियर सिटीजन के वाहनों पर स्टीकर लगाया जायेगा। सीनियर सिटीजन का स्टीकर प्रिंट कर खुद भी अपनी सुविधानुसार वाहन चालक (वरिष्ठ नागरिक) लगा सकते हैं।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं के डिजिटल अनुभव, हरित परिवहन को आसान बनाने में जुटी ओला

परिवहन विशेष न्यूज

नयी दिल्ली, भाषा। ऑनलाइन कैब सेवा प्रदाता एवं इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनी ओला ग्रुप ने सोमवार को कहा कि वह प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को डिजिटल और हरित परिवहन का अनुभव करा रही है।

ओला ने बयान में कहा कि उसका लक्ष्य महाकुंभ मेले के दौरान कृत्रिम मेधा (एआई), हरित परिवहन और यात्रा के लिए बेहतर विकल्पों को एकसाथ जोड़कर तीर्थयात्रियों को एक सहज एवं टिकाऊ अनुभव देना चाहती है।

ओला के संस्थापक भविष अग्रवाल ने कहा कि महाकुंभ 2025 भारत की समृद्ध परंपराओं और तकनीक से प्रेरित भविष्य की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।

अग्रवाल ने कहा, ''हम मानते हैं कि एआई, हरित परिवहन और डिजिटल-फर्स्ट समाधानों का रणनीतिक संयोजन लाखों श्रद्धालुओं के लिए महाकुंभ के अनुभव को बेहतर बनाएगा। महाकुंभ के साथ हमारी साझेदारी इस बात का उदाहरण है कि नवाचार और सहयोग बड़ी सभाओं के कुशल प्रबंधन को स्मार्ट एवं टिकाऊ समाधानों के साथ किस तरह सक्षम बना सकते हैं।''

अग्रवाल ने कहा, ''हमें भविष्य में भी ऐसी साझेदारियों का इंतजार रहेगा। हम भारत को भविष्य की प्रौद्योगिकियों में वैश्विक अगुवा बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

प्रयागराज में संगम तट पर विशाल क्षेत्र में लगे महाकुंभ में देश-विदेश के करीब 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई गई है। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए ओला ने भी पूरी तैयारी की है।

कंपनी की इलेक्ट्रिक दोपहिया इकाई ओला इलेक्ट्रिक ने तीर्थयात्रियों के लिए आवागमन में सुगमता के लिए 1,000 ई-स्कूटर तैनात किए हैं।

वहीं ओला कंज्यूमर ने हवाई अड्डे एवं रेलवे स्टेशनों से मेला क्षेत्र के लिए किफायती कैब सेवाएं देने का काम किया है जिससे महाकुंभ मेले के दौरान यात्रा सहज हो गई है।

इसके अलावा ओला ने मेला परिसर के भीतर भी इलेक्ट्रिक शटल सेवाएं तैनात की हैं जो पूरे मेला क्षेत्र में आगंतुकों की सुविधा और पहुंच बढ़ाने का काम कर रही हैं।

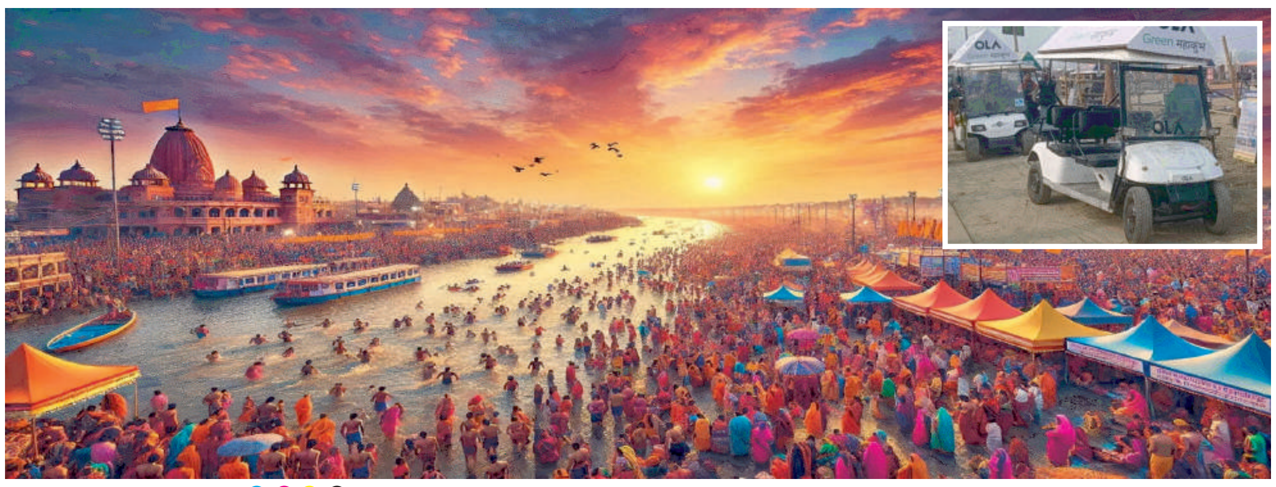

'वर्तमान के साथ जीना, पूर्णता के साथ जीना है

इसमें बाधक हैं तीन-
लोभ, ईर्ष्या और आत्मनिंदा।'

मूल/ वर्तमान में जो है वह कभी भूत या भविष्य में नहीं हो सकता। वह पूर्ण है। पूर्ण सदा वर्तमान में है। उसका भूत, भविष्य में होना अर्थहीन है। वह असंभव है। यह अपूर्ण ही है जो भूत, भविष्य से जुड जाता है।

अपूर्ण असंतुष्ट है असंतोषी, लोभी है।

लोभ और असंतोष में क्या फर्क है? एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। जहां लोभ है वहां असंतोष है, जहां असंतोष है वहां लोभ है। यह भविष्य में रखता है।

अभी अपूर्णता है जो ठीक नहीं है। इस अपूर्णता को दूर करने के प्रयास में अपूर्ण का ही सहारा लिया जाता है। इससे पूर्णता कभी घटित नहीं होती। ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदं वास्तव में जो पूर्ण है केवल उसी से अपूर्णता की समस्या समाप्त होती है हमेशा के लिए और वह पूर्णता नित्य वर्तमान है। उसे पाना हो तो भविष्य की ओर भागने वाली वृत्ति को रोककर वापस वर्तमान की ओर, अभी यहां की ओर लौटना पडे। जाहिर है भविष्य में पूर्णसुख पाने के लोभ की बाधा को समझना पडेगा। किसी से भी पूछें - तुम्हें अपूर्ण, अस्थायी सुख चाहिए या पूर्ण, स्थायी? तो कोई नहीं कहेगा उसे अपूर्ण, अस्थायी सुख चाहिए। सभी को पूर्ण व स्थायी सुख चाहिए।

पूर्ण, स्थायी है। स्थायी, पूर्ण है।

अपूर्ण अस्थायी है, अस्थायी, अपूर्ण है।

बुद्धि से समझ में आ जाता है, सत्य की दृष्टि से क्यों समझ में नहीं आता या फिर आदमी आदत से लाचार है जैसे नशा करने वाले से नशा नहीं छूटता।वह उसे जानता है फिर भी वश में रहता है। इस तरह आदमी अपूर्णसुख की व्यर्थता समझकर भी फिर उसी की ओर दौड़ता है।उसका लोभ रहता है और लोभ, भविष्य में रखता है। वर्तमान में जो संतोष का अनुभव करता है वह भविष्य संबंधी लोभ के तनाव खिंचाव से मुक्त रहता है।

वह आ जाता है अपने घर और पूर्णता का सुख अनुभव करता है। दूसरी बाधा ईर्ष्या की है। अपूर्ण, अस्थायी सुख को लेकर ही लोग प्रतिस्पर्धा में पडे रहते हैं। क्या पूर्ण, स्थायी सुख को लेकर कभी कोई प्रतिस्पर्धा होती है? इसके विपरीत जो स्थायी रुप से सुखी है उसके सानिध्य में प्रतिस्पर्धा की मानसिकता रखने वाला भी उस मानसिकता को छोड देता है। आम खाने से मतलब है या आम गिनते रहने से। सुख अनुभव हो रहा है तो दौड समाप्त हो जाती है। प्रतिस्पर्धा करने वाला वर्तमान में आ जाता है। उसकी प्रतिस्पर्धा तो उन लोगों के साथ चलती है जो भविष्य में रहते हैं। जिन्हें कुछ पाना है। इसे भी पाना है। तो द्वंद्व हुए बिना रहेगा नहीं। ईर्ष्या का संबंध इसी से है कोई दूसरा प्रथम स्थान पर न आ जाय ऐसी चिंता, ऐसा भय रहता है।

वह प्रथम स्थान पर आ जाय तो ईर्ष्या होती है कोई चाहे तो स्थायी सुख को जो उपलब्ध है उससे भी वह ईर्ष्या कर सकता है। लेकिन उसे समझना चाहिए कि यह प्रतिस्पर्धा की बात नहीं है। सभी लोग पूर्णतया सुखी हो सकते हैं। होने भी चाहियें तभी वास्तविक ठहराव आता है, राहत होती है, नहीं तो बेचैनी बनी रहती है। यह बेचैनी बुरी लगती है। वास्तव में यह बुरी है नहीं।

पूर्णसुख इसी के तो पीछे है।

वह हो तो हमेशा के लिए चैन मिल जाय। झंझट छूटे। बेचैनी बताती है कुछ करने की जरूरत है। जैसे भूख बताती है भोजन की जरूरत है। कोशिश भोजन पाने की करनी चाहिए, भूख को दोष देने से कोई लाभ नहीं। किसी का पेट भर जाय और कोई उससे ईर्ष्या करे तो उसका क्या औचित्य है? यहां अस्थायी भोजन की नहीं, स्थायी भोजन की बात हो रही है। इसकी कोशिश हर एक को अवश्य करनी चाहिए, नहीं तो बेचैनी शांति से नहीं बैठने देगी।

कोई अत्यधिक आलसी, प्रमादी हो तो अलग बात है। उसे उसी में सुख है लेकिन वह सुख तमोगुणी है। तमोगुणी सुख खतरनाक है, जडता उत्पन्न करता है। फिर हमेशा तमोगुण रहता नहीं, दूसरे गुण भी सिर उठाते हैं। इससे आलस्य सुख में भी बाधा आती है। कोई ऐसे ही कब तक पडा रह सकता है, उसे भोजन के लिए उठना ही पड़ता है। उसके लिए आवश्यक प्रबंध करने पड़ते हैं।

आलस्य सुख जिस शरीर के माध्यम से प्राप्त किया जाता है उस शरीर की और

आवश्यकताएं भी होती हैं या आलसी आदमी जिसका पेट भर गया हो उससे ईर्ष्या करे। आलसी आदमी मूर्ख नहीं होता। मूर्ख हो तो उसे भी उसकी मजबूरियां बाध्य करती ही हैं। प्रकृति को कौन जीत पाता है? उसकी अपनी व्यवस्था है।

उस व्यवस्था को समझकर उसके साथ व्यवस्थित रहने में भलाई है। प्रयत्न करने ही पड़ते हैं लेकिन इसके लिए किसी से ईर्ष्या करने की क्या जरूरत?

'अपने हाथ जगन्नाथ' कहावत प्रसिद्ध है। या जगन्नाथ ने सबको हाथ दिये हैं।एक मित्र के दोनों हाथ नहीं है फिर भी वे बड़े उत्साही, बडे निश्चिंत हैं। व्यवस्थाएं होती रहती हैं। मानसिक सहयोग भी तो सहयोग है। एक दिव्यांग बंधु संबंधित लोगों को मानसिक सहयोग तो दे ही सकते हैं।

दुखी, असंतुष्ट आदमी तो भार लगता है सबको।

तीसरी बाधा है-आत्मनिंदा। अपूर्ण आदमी आत्मनिंदा से भर जाता है। वह पूर्णता के लिए भविष्य की ओर देखता है।

अधिकांश को भविष्य दिखता है। भविष्य के गुण अनेकों ने गाए हैं।

पूर्णता सदा वर्तमान में ही संभव है इसलिए भविष्य से दृष्टि लौटाकर वर्तमान पर केंद्रित करनी पडे। जब भी पूर्णता अनुभव होगी, वर्तमान में ही होगी। कोई कह सकता है ₹होगी₹ शब्द भी तो भविष्य सूचक है।

बात ठीक है लेकिन इसके लिए वर्तमान ही तो माध्यम बनेगा। और वर्तमान, भविष्य नहीं है।

इसका मतलब सतत वर्तमान में ही रहने की कोशिश करनी होगी।तब पूर्णता जब घटेगी वही वर्तमान होगा जिसका सहारा अभी लिया जा रहा है। सदा वही वर्तमान का ही साम्राज्य। वर्तमान अभी भी पूर्ण ही है परंतु भूत, भविष्य में रहने के कारण इसके स्थायी अनुभव में बाधा उत्पन्न होती है। इससे आत्मनिंदा से भर जाता है आदमी। यह अहंकार है।

अहंकार अस्थायी पूर्ति का ही महत्व जानता है। स्थायी पूर्ति चाहिए तो वर्तमान की ओर लौटना पडे और तब अहंकार का कोई काम नहीं है। वर्तमान में पूर्ण अस्तित्व बोध सभी को सहज उपलब्ध है बिना एक भी अपवाद के, बिना किसी तुलना के। यह 'होना' है। यह परमात्मा है। वर्तमान में हर आदमी पूर्ण है।

भूत, भविष्य में रहने वाला अपूर्णता का अनुभव करता है

या अपूर्णता का अनुभव करने वाला भूत, भविष्य में रहता है।

अच्छा कहलाने, बुरा न कहलाने की आकांक्षा इससे जुडी है।

अच्छा कहलाने से क्या होता है? वास्तव में अच्छा हो इसकी बात है। यह वही है जो वर्तमान में पूर्णता से अपने आपको जीता है। पर संबंधी इच्छा, अनिच्छा से मुक्त आत्मनिंदा से मुक्त होता ही है, वह दूसरों को भी आत्मनिंदा से मुक्त करता है। वह कहता है- भविष्य में पूर्णता मत खोजो।तुम अभी जैसे भी हो, पूर्ण ही हो।

'तत्त्वमसि।' आत्मदृष्टि ही इस समस्या का समाधान है। अहंकार की दृष्टि बाधक है। एक क्रोधी आदमी, दूसरे क्रोधी की निंदा करता है। उसे खुद का क्रोध दिखाई नहीं देता। वह खुद को नहीं संभाल पाता तो दूसरे पर दोष लगाना व्यर्थ है। एक आदमी पशुओं की हिंसा करता है, मगर वह उसके साथ, उसके परिवार के साथ हिंसा नहीं होने देगा।

पशुओं का भी तो परिवार है।

घृणा करने वाला, दूसरों से घृणा कर सकता है लेकिन उससे कोई घृणा करे तो यह उसे सहन नहीं होता। घृणा करने वाला, आत्मनिंदा से भी भर सकता है।

यह तीसरी बाधा है जो वर्तमान के साथ, पूर्णता के साथ नहीं जीने देती। जो वर्तमान के साथ, अभी यहां के साथ जीने की कोशिश करता है उसका ध्यान दूसरों से, उनसे संबंधित राग-द्वेष से हट जाता है। तुलना की अनुपस्थिति में आत्मनिंदा भी अनावश्यक हो जाती है। आत्मनिंदा में तुलना का बडा हाथ है। हर आदमी पूर्ण है, हर आदमी विशिष्ट है फिर तुलना कैसी? कहीं भी बडी भीड हो तो हर आदमी को स्वयं को छोडकर बाकी सब भीड के रूप में दिखाई देते हैं। जो इसे समझ जाता है फिर उसके लिए कोई भीड नहीं है। हर आदमी विशिष्ट है। हर आदमी गरिमा युक्त है। यह ऐसा ही है जैसे एक स्थान पर सौ देशों के सौ राष्ट्रपति इकट्ठे हुए हों। हर एक अपनी महिमा से युक्त है, अपने गौरव से गौरवान्वित है। वहां भीड कहां है? उसे 'भीड' नहीं कहा जा सकता। कृष्ण भी सभी जीवों को गौरवान्वित करते हैं यह कहकर-

'ममैवांशो जीवलोके जीवभूतः सनातनः।' ₹सभी जीव मेरे अंश हैं।₹ परमात्मा स्वयं गौरवान्वित कर रहा हो सभी जीवों को तो क्यों वे तुलना के द्वंद्व में फंसें, क्यों ईर्ष्या, द्वेष या घृणा करें? या क्यों आत्मनिंदा से भरें? वे पूर्ण ही हैं। उन्हें भविष्य में ईश्वर अंश होने के लिए क्या करना है? वे अभी हैं ही और यही बात हो रही है। वर्तमान के साथ जीना, पूर्णता के साथ जीना है।

बाकी जहां तक प्रकृति की व्यवस्था के साथ व्यवस्थित होने की बात है तो पूर्णता का अनुभव करते हुए तत्संबंधी प्रयास किये जा सकते हैं लेकिन इसके लिए स्वयं को अपूर्ण अनुभव करने की जरूरत नहीं। पूर्ण तो है ही वर्तमान में हर आदमी। इसलिए पूर्णता का अनुभव करते हुए कर्म में प्रवृत्त होना ठीक है। यह कर्मयोग है। यहां कर्म भी योग में बाधा नहीं बनता। 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' का आशय भी यही है। हर कर्म पूर्णता के साथ करें। स्वयं को पूर्ण अनुभव करते हुए फलाकांक्षा करने वाले बड़े दीन हैं। उनकी दृष्टि फल पर है, कर्मयोगी की दृष्टि कर्म पर है। वह जब जो भी करता है, पूर्णता के साथ करता है। वह स्वयं सदैव पूर्ण है।

उपयोग विवेक

किसी भी वस्तु अथवा पदार्थ के उपयोग में विवेक की अहम भूमिका होती है। विष की अल्प मात्रा भी दवा का काम करती है और दवा की अत्यधिक मात्रा भी विष बन जाती है।

संसार का विरोध करके कोई इससे मुक्त नहीं हुआ। बोध से ही इससे ज्ञानीजनों ने पार पाया है। संसार को छोड़ना नहीं, बस समझना है।

अस्तित्व में निरर्थक कुछ भी नहीं है। यहाँ प्रत्येक वस्तु का अपना महत्व है बस कब, कैसे, कहाँ, क्यों और किस निमित्त उसका उपयोग करना है इतना विवेक जागृत हो जाए।

परमात्मा ने जो दिया है, वह बंद है, छिपा है। एक आप हैं जो मांगे जा रहे हैं। जीवन की अकूत संपदा जो परमात्मा ने आपको दी है, क्या उसे आपने कभी खोलकर देखा? जो मिला है.. वह आपकी मांग से लाख गुना अधिक है। लेकिन मांग से ध्यान हटे, तो दिखायी पड़े.. वह जो मिला है।

संसार के माया जाल में हम इतनी बुरी तरह फँसे हुए हैं कि इतना भटकने के बाद भी कुछ नहीं मिला और कुछ मिलेगा भी नहीं।

!!!'प्रसन्नता के पुष्प उन्हीं के झोली में गिरते हैं जो अपनों से अपनों की तरह मिलते हैं' !!!

हम बदलें तो दुनिया बदले

डिटॉक्स रेसिपी

अगर आपके शरीर में बैड टॉक्सिन है, और आप बॉडी डिटॉक्स करना चाहते हैं तो रेसिपी के लिए जरूरी सामान 4 लीटर पानी, 2 खीरे, 1 नींबू, 10 पुदीना की डंडियां पते समेत, 5 टुकड़े अदरक।

बनाने की विधि एक कांच के जग में 4 - 5 लीटर पानी लो उसमें 2 खीरे छील कर के लंबे टुकड़े करके डाल दें और उसमें 1 नींबू के छोटे टुकड़े करके डालिए या निचोड़ लें उसके बाद 10 पुदीना की पत्ती या डंडी सहित पुदीना इसमें डाल दे उसके बाद 4 - 5 छोटे अदरक के टुकड़े भी डाल दें और उसे 3-4 घंटे के लिए रख दें। एक रात को ऐसे ही छोड़ दे।

रेसिपी के सेवन की विधि दूसरे दिन से एक एक ग्लास करके पीते रहें और जब पानी समाप्त हो जाए तो एक बार और उसमें पानी डालकर 3 - 4 घंटे के लिए छोड़ कर फिर से पानी पी लें ।

लाभ इससे शरीर की अम्लता कम हो जाएगी और शरीर भी डिटॉक्स हो जाएगा।

मेथी के लड्डु

महिलाओं और पुरुषों में कमर दर्द महामारी की तरह फैल चुका है, रात में जरा सी कूलर की हवा लग जाए या ठंडक हो जाए तो सुबह उठना बैठना मुश्किल हो जाता है , वायु के कारण होने वाले जोड़ो, हाथ पैरो के दर्द , साइटिका आदि सब में यह फायदा करेगा. महिलाओं की एक आम समस्या श्वेत प्रदर (सफ़ेद पानी) की यह ख़ास दवा है. मासिक के समय में भयंकर कमजोरी आ जाती है सारा दिन निढाल पड़े बीत जाता है तो यह लड्डू ठीक कर देगा, हाथ पैरों का कांपना झुनझुनी, सुन्नपन , ऐठन आदि सब ठीक हो जाता है. गर्भाशय के कई रोगों में यह काम करता है.

निर्माण विधि आधा किलो गाय के दूध में दो चम्मच पिसी सोंठ मिलाकर उबालें और ठंडा हो जाने पर इसमें साफ़ किये हुए आधा किलो मेथी दाना भिगो दें जब मेथी दाना ठीक से फूल जाए तो इसको तेज धूप में सुखा लें, भलीभाति सूख जाने पर महीन पीसकर देसी घी में हल्का भून लें.

छोटीपिप्पर, सोंठ, कालीमिर्च, दालचीनी सब 15-15 ग्राम लेकर महीन कूट पीसकर रख लें

डेढ़ किलो देसी शक्कर (लाल वाली) या खांड महीन पीसकर रख ले.

250 ग्राम बबूल गोंद साफ़ करके देसी घी में भून कर कूट कर तैयार कर लें.

खसखस 50 ग्राम मध्यम आंच पर भून लें.

सिंघाड़े का आटा एक किलो लेकर इसे भी देसी घी में हलकी आंच पर तब तक भूने जब तक रंग हल्का लाल और सुगंध न आने लगे. अब इसी गरम आटे में सब चीजे मिला कर ठीक से घुटाई कर लें और लड्डू बनाकर रख लें.

इसको बनाते समय पानी का इस्तेमाल नहीं करना है कुछ लोग चाशनी बनाकर उसमे लड्डू बनाते है जो बाद में इतना सूख जाता है की खाते नही बनता. गरम आटे में सब सामग्री मिलाने से लड्डू बंद जाते है फिर भी कोई परेशानी हो तो थोड़ा सा घी मिला लें. मैंने जब बनाया तो लड्डू बाँधने की बजाय पंजीरी जैसा बनाया वह भी खाने में अच्छा लगता है.

मात्रा एवं सेवन विधि लगभग 20 ग्राम तक मात्रा में प्रातः सायं नाश्ते के समय लें. इसको खाने के बाद दूध पीना अधिक उपयोगी है।

जो जितनी सुविधा में है वो उतनी ही दुविधा में हैं : वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ खान

आगरा, संजय साग़र सिंह। जो जितनी सुविधा में है वो उतनी ही दुविधा में हैं, जरूरतें और नींद जिंदगी में कभी भी पूरी नहीं होती है। वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ खान के यह महत्वपूर्ण वाक्य जीवन के एक गहरे सत्य को व्यक्त करते है।

इस सन्दर्भ में वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ खान ने आगे कहा,₹जो जितनी सुविधा में है वो उतनी ही दुविधा में हैं, यह विचार इस तथ्य को उजागर करता है कि अधिक सुविधाओं और भौतिक संसाधनों के साथ व्यक्ति की इच्छाएँ भी बढ़ती जाती हैं, और साथ ही चिंता और दुविधाएँ भी। साधारण जीवन जीने वाले लोग अक्सर कम समस्याओं और तनावों का सामना करते हैं, जबकि अधिक संपन्न और सुविधा-प्रेमी लोग अपनी बढ़ती इच्छाओं और अपेक्षाओं के कारण मानसिक तनाव और दुविधाओं में उलझे रहते हैं।

उन्होंने कहा, ₹जरूरतें और नींद जिंदगी में कभी भी पूरी नहीं होती है। यह वाक्य जीवन के अंतहीन संघर्ष और असंतोष को दर्शाता है। हमारी जरूरतें, चाहे भौतिक हों या मानसिक, कभी पूरी नहीं होतीं क्योंकि जैसे ही एक आवश्यकता पूरी होती है, दूसरी आवश्यकता या इच्छा जन्म ले लेती है। इसी तरह, नींद का भी हाल है—हमारी शांति और संतोष की खोज कभी पूरी नहीं होती, और हम हमेशा कुछ और पाने की इच्छा रखते हैं। यह जीवन की निरंतरता और परिवर्तनशीलता को समझाने का एक तरीका है।₹

अंत में श्री खान ने कहा, ₹जितनी अधिक सुविधाएं और इच्छाएं होती हैं, उतना ही अधिक व्यक्ति दुविधाओं और अनिश्चितताओं में फंसता है। क्योंकि हमारी जरूरतें और इच्छाएं कभी पूरी नहीं होतीं, और हम हमेशा कुछ और पाने की तलाश में रहते हैं। यही कारण है कि असंतोष और शांति की खोज निरंतर जारी रहती है।

साइनस रोग क्या हैं

नाक की हड्डी बढ़ जाती है या तिरछी हो जाती है, जिसकी वजह से सांस लेने में परेशानी होती है। जो व्यक्ति इस रोग से ग्रसित होता है उसे ठंडी हवा, धूल, धुआं आदि में परेशानी महसूस होती है। साइनस दरअसल मानव शरीर की खोपड़ी में हवा भरी हुई कैविटी होती है, जो हमारे सिर को हल्कापन व श्वास वाली हवा लाने में मद्द करती है। श्वास लेने में अंदर आने वाली हवा इस थैली से होकर फेफड़ों तक जाती है। यह थैली, हवा के साथ आई गंदगी यानि धूल और दूसरी तरह की गंदगियों को रोकती है। जब व्यक्ति के साइनस का मार्ग रूक जाता है, तो बलगम निकलने का मार्ग भी रूक जाता है, जिससे साइनोसाइटिस नामक बीमारी होती है। साइनस का संक्रमण होने पर इसकी झिल्ली में सूजन आ जाती है, जिसके कारण झिल्ली में जो हवा भरी होती है उसमें मवाद या बलगम आदि भर जाता है और साइनस बंद हो जाते हैं। ऐसा होने पर मरीज को परेशानी होनी लगती है। इस बीमारी का मुख्य कारण झिल्ली

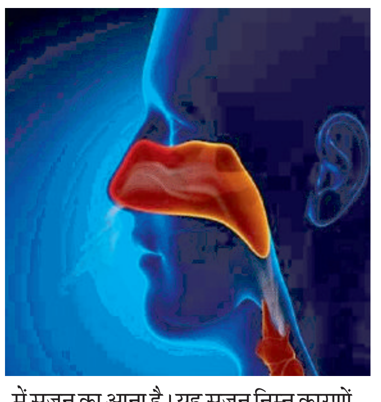

में सूजन का आना है। यह सूजन निम्न कारणों से आ सकती है -

1. बैक्टीरिया
2. फंगल संक्रमण
3. नाक की हड्डी का ढ़ेडा होना।

जानिए साइनस के यह 9 प्रमूख लक्षण

1. सिर का दर्द होना
2. बुखार रहना
3. नाक से कफ निकलना और बहना
4. खांसी या कफ जमना
5. दांत में दर्द रहना
6. नाक से सफेद हरा या फिर पीला कफ निकलना
7. चेहरे पर सूजन का आ जाना
8. कोई गंध न आना
9. साइनस की जगह दबाने पर दर्द का होना आदि इसके लक्षण हैं।

इसके लिए आप आयुर्वेदिक औषधियों के रूप में

1. सितोपलादि चूर्ण शहद में मिलाकर दिन में दो बार आधा-आधा चम्मच ले सकते हैं इसे तब तक लेना चाहिए जब तक कफ शरीर में पैदा होता है उसके बाद इसका सेवन बंद कर देना चाहिए।

2. लक्ष्मी विलास रस का सेवन कम से कम एक एक गोली दिन में दो बार चाय के साथ छह महीनों तक सेवन करना चाहिए।

3. रात को सोते समय एक चम्मच बड़ा दूध के साथ चवनप्राश लेना शुरू करें कम से कम 1 साल तक यह सभी निरापद योग है।

क्या है भुने चने और गुड़ खाने से फायदे

भुने चने खाने से हमारे शरीर को बहुत लाभ होता है ! वही जब भुने चने के साथ गुड़ का सेवन किया जाता है तो इसका फायदा कई गुना अधिक हो जाता है ! खासकर पुरुषों के लिए इसे खाना काफी फायदेमंद होता है !अक्सर पुरुष बॉडी बनाने के लिए जिम जाकर घंटों पसीने बहाते हैं !ऐसे में उन्हें गुड़ और चने का सेवन करना चाहिए ! इसके सेवन करने से मसल्स मजबूत होते हैं और शरीर को नई ऊर्जा प्राप्त होती है !

भुने चने और गुड़ खाने से फायदे

1. मसल्स गुड़ और चने में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन मौजूद होता है जो मसल्स को मजबूत बनाने में मददगार होता है !इसलिए यदि आप मसल्स को मजबूत बनाना चाहते हैं तो प्रतिदिन आपको गुड और भुने चने का सेवन करना चाहिए !

2. चेहरा * गुड़ और भुने चने का सेवन करने से चेहरे की चमक बढ़ती है क्योंकि इसमें जिंक मौजूद होता है जो त्वचा पर निखार लाने का काम करता है और नियमित इसके कुछ दिनों तक सेवन करने से आप पहले से ज्यादा स्मार्ट लगने लगते हैं !

3. मोटापा * यदि आप मोटापे को कम करना चाहते हैं तो गुड़ और चना आपके लिए बेहतर साबित हो सकता है ! कई लोग वजन कम करने के लिए जिम जाकर एक्सरसाइज करते हैं ! उन्हें गुड़ और चना का सेवन करना चाहिए ! क्योंकि गुड़ और चने एक साथ खाने से शरीर का मेटाबॉलिज्म आता है जो मोटापा को कम करने में मददगार होता है !

4. कब्ज गुड़ और चने में फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है जो पाचन शक्ति को ठीक रखता है और कब्ज, गैस, एसिडिटी की समस्या से राहत दिलाता है !

5. दिमाग होता है तेज गुड़ और चने का सेवन एक साथ करने से याददाश्त शक्ति तेज होती है क्योंकि इसमें विटामिन बी6 प्रचुर मात्रा में होता है जो याददाश्त को बढ़ाता है !

6. दांतो के लिए इसमें फास्फोरस होता है जो दांतों के लिए काफी लाभदायक होता है ! इसकी नियमित सेवन करने से दांत मजबूत होते हैं और जल्दी नहीं टूटते हैं !

7. हड्डियों के लिए गुड़ और चने में कैल्शियम की मात्रा अधिक होती है जो हड्डियों के लिए बहुत लाभदायक होता है ! यह हड्डियों को मजबूत बनाता है और इसके सेवन से हड्डियों से जुड़ी बीमारियों से राहत मिलता है !

8. खून की कमी को करे दूर जिन लोगों में खून की कमी होती है या जो एनीमिया के शिकार है उनको गुड़ और चने का सेवन जरूर करना चाहिए।

9. गर्भवती महिलाओ के लिए गर्भवती महिलाओं को एक मुट्ठी भुना चना और थोड़ा सा गुड का इस्तेमाल करने से बच्चे को पीलिया रोग नहीं होता है।

काली खांसी से बचाव के घरेलू उपाय

1. सुहागा, कलमीशोरा, फिटकरी, काला नमक और यवक्षार को पीसकर चूर्ण तैयार कर लें। इसे तवे पर भूनकर 2-2 ग्राम की मात्रा में शहद को मिलाकर बच्चों को चटाने से कालीखांसी दूर हो जाती है। इसके अलावा तवे पर भुना हुआ सुहागा व वंशलोचन को मिलाकर शहद के साथ रोगी बच्चे को चटाने से भी कालीखांसी दूर होती है।

2. पीपल, काकड़ासिंगी, अतीस और बहेड़ा सभी औषधियों को 20-20 ग्राम की मात्रा में लेकर बारीक कूट-पीसकर चूर्ण तैयार कर लें। इसमें 10 ग्राम नौसादर, 10 ग्राम भुना हुआ सुहागा मिलाकर पीस लें। इसके 3 ग्राम चूर्ण को दिन में 2-3 बार चाटने से काली खांसी दूर हो जाती है।

3. अडूसा के सूखे पत्तों को मिट्टी के बर्तन में रखकर, आग पर गर्म करके उसकी राख को तैयार कर लें। उस राख को 24 से 36 ग्राम तक की मात्रा में लेकर शहद के साथ रोगी को चटाने से काली खांसी दूर हो जाती है।

4. मूली का 50 मिलीलीटर रस और गन्ने का रस मिलाकर दिन में 2 बार पिलाने से कुकर खांसी में लाभ मिलता है।

5. 3 मिलीलीटर नारियल का तेल हल्का गर्म करके बच्चे को पिलाने से खांसी का प्रकोप कम हो जाता है। नारियल की जटा की भस्म करके लगभग 1 ग्राम का चौथा भाग शहद में मिलाकर या पानी से खाएं। इससे 2-3 बार में ही खांसी का वेग व खांसी खत्म हो जाती है।

6. अदरक के रस को शहद में मिलाकर 2-3 बार चाटने से काली खांसी का असर खत्म हो जाता है।

7. 3 बादाम रात को पानी में डालकर रख दें। सुबह उठकर बादाम के छिलके उतारकर लहसुन की एक कली और मिश्री के साथ मिलाकर पीस लें। इस मिश्रण को बच्चों को खिलाने से काली खांसी दूर हो जाती है।

8. बच्चों को कुकर खांसी होने पर लहसुन की माला पहनाते हैं जिससे इसकी गंध खांसने के साथ-साथ अन्दर चली जाती है और इसी का रस आधा चम्मच शहद के साथ भी पिलाएं। इससे काली खांसी दूर हो जाती है। दस बूंद या एक चम्मच लहसुन का रस (उम्र के अनुसार) शहद मिलाकर प्रतिदिन दो-तीन बार सेवन करने से खूब लाभ मिलता है।

9. तवे को आग पर रखकर लौंग को भून लें, फिर उस लौंग को पीसकर शहद में मिलाकर चाटने से काली खांसी ठीक हो जाती है। बच्चों को काली खांसी में एक चौथाई ग्राम से कम गोलोचन को सुबह-शाम शहद के साथ चटाने से लाभ मिलता है।

10. तुलसी के पत्तों के 3 ग्राम रस में शहद मिलाकर चाटने से कालीखांसी में बहुत अधिक लाभ मिलता है।

11. तुलसी के पत्ते और कालीमिर्च समान मात्रा में पीस लें। इसकी मूंग के बराबर की गोलियां बना लें। एक-एक गोली को चार बार देना चाहिए। इससे काली खांसी नष्ट हो जाती है।

12. काली खांसी होने पर बच्चों को बिस्तर पर सुलाने से पहले उसके सीने और कमर पर कपूर को तेल में मिलाकर मालिश करें, काली खांसी बन्द हो जाएगी।

13. हल्दी की 3-4 गांठों को तोड़कर तवे पर भूनें और पीसकर चूर्ण बना लें। इस चूर्ण को 3-3 ग्राम सुबह-शाम पानी से लेने से कालीखांसी में आराम आता है।

सभी सुखी और निरोगी रहे

महिला सम्मान राशि और बुजुर्गों के मुफ्त इलाज के लिए दिल्लीवाले चुनें केजरीवाल की सरकार: सीएम आतिशी

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री और कालकाजी विधानसभा से आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी आतिशी ने कालकाजी एक्सटेंशन पॉकेट ए-14 में जनसभा कर समर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि ''आप'' की सरकार बनने के बाद हर महिला को 2100 रुपए की सम्मान राशि और बुजुर्गों का सारा इलाज मुफ्त होगा। इसलिए दिल्ली की जनता इस बार फिर अरविंद केजरीवाल को चुने। आपको तय करना है कि मुफ्त और 24 घंटे बिजली चाहिए या फिर भाजपा शासित राज्यों की तरह महंगी बिजली चाहिए। अगर गलती से भी भाजपा को वोट दे दिया तो वह शानदार सरकारी स्कूलों को बर्बाद कर देगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता जब दिल्ली की महिला मुख्यमंत्री को गाली दे सकते हैं तो एक आम महिला को कैसे सुरक्षा दे सकते हैं? दिल्ली में कांग्रेस का कोई वजूद नहीं है। इसलिए उसको वोट देने का मतलब अपना वोट बर्बाद करना है। भाजपा और कांग्रेस वाले पैसे, जूते, कंबल, कपड़े बांटें तो ले लेना, लेकिन वोट सिर्फ ''आप'' को देना।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कालकाजी विधानसभा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव का दिन बहुत जरूरी दिन होता है क्योंकि जनता वोट एक दिन डालती है, लेकिन उस वोट का असर 5 साल तक चलता है। इसलिए सही जगह पर वोट डालना जरूरी है जिससे 5 साल तक हमारी जिंदगी में सुधार हो। लेकिन चुनाव के वक्त हर तरह के लोग आकर कई तरह की बात करते हैं। कोई बहलाता है, कोई फुसलाता है तो कोई भड़काता है। अगर

हमने गलती से गलत पार्टी को वोट दिया तो 5 साल तक वोट का फैसला नहीं बदला जा सकता।

मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि 5 साल पहले जनता ने मुझे वोट देकर विधायक बनाया। 5 साल पहले जनता ने अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाया था। जब से अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री बने, उन्होंने दिल्ली के आम और गरीब लोगों को सुविधा देने का काम किया। भाजपा वाले मुझे, अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को गालियां देते हैं। अरविंद केजरीवाल को गालियां देना बहुत आसान है, लेकिन उनके जैसे काम करना बहुत मुश्किल है। आम आदमी पार्टी की सरकार बनने से पहले हजारों रुपए के बिजली के बिल आते थे। हर 6 महीने के बाद बिजली की कीमत बढ़ जाती थी और लंबे-लंबे पावर कट लगते थे। लेकिन अब लोगों के घर में 24 घंटे और मुफ्त बिजली आती है।

मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि भाजपा की 20 राज्यों में सरकार है। मैं भाजपा के प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी को चैलेंज देती हूं कि तुम्हारी 20 राज्यों में सरकार है, लेकिन एक राज्य बता दो जहां 24 घंटे और मुफ्त बिजली आती है। इनकी महाराष्ट्र में सरकार है। वहां 200 यूनिट बिजली का बिल 4,800 रुपए आता है। अब जनता को फैसला करना है कि उन्हें जीरो बिजली का बिल देना है या 4 हजार रुपए का बिल देना है। अगर जनता कमल का बटन दबाएगी तो हर महीने 4 हजार रुपए बिजली का बिल आएगा।

मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिकों के जरिए लोगों को मुफ्त इलाज व दवाइयां देने का काम किया है। महिलाओं के लिए बसों में फ्री यात्रा की सुविधा दी है। जबकि गुरुग्राम में बसों में एक तरफ की यात्रा का किराया 50 रुपए है। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में बुजुर्गों को मुफ्त तीर्थयात्रा की सुविधा दी है और अभी तक 1 लाख बुजुर्गों को इस सुविधा का लाभ मिला है। अब अरविंद केजरीवाल ने 2 और वादे किए हैं। पहला, आम आदमी पार्टी की फिर से सरकार बनने पर दिल्ली की महिलाओं को 'महिला सम्मान राशि योजना' के तहत हर महीने 2100 रुपए मिलेंगे। दूसरा, 60 साल से ऊपर के बुजुर्गों का 'संजीवनी योजना' के तहत सरकारी और प्राइवेट अस्पताल में सारा इलाज मुफ्त होगा। अरविंद केजरीवाल जो कहते हैं, वह पूरा करके दिखाते हैं। इसलिए अगर जनता इन दो योजनाओं का भी लाभ उठाना चाहती है तो उन्हें 5 फरवरी को झाड़ू का बटन दबाना

मुख्यमंत्री आतिशी ने रमेश बिधूड़ी के साथ उनके कई भतीजे आते हैं। वह बड़ी-बड़ी काली गाड़ियां चलाते हैं। महिलाओं को उल्टी-सीधी बातें बोलते हैं, गाली-गलौज और गुंडागर्दी करते हैं। ज़रा सोचो कि अभी रमेश बिधूड़ी चुनाव लड़ रहे हैं तो अभी यह हाल है। अगर वह चुनाव जीत जाएंगे तो क्या होगा? क्या जनता अपने इलाके में गुंडागर्दी चाहती है?

उन्होंने कहा कि कालकाजी के पॉकेट ए 14 में पानी की समस्या है। मैंने अभी तक जनता के सारे काम किए हैं। इसलिए चिंता करने की जरूरत नहीं है, आप मुझे जीताकर भेजो, फिर यहां मीठा पानी देना का काम मेरा है। कालकाजी भूमिहीन कैंप में कई लोगों को घर नहीं मिला है। हम लोग उनके घर का केस लड़ रहे हैं। जब तक लोगों को घर नहीं मिलता है, हम कोई कैंप नहीं टूटने देंगे। यह मेरा वादा है।

पांच साल में प्रवेश वर्मा की चल संपत्ति 3.20 करोड़ से बढ़कर 96.50 करोड़ हुई : सौरभ भारद्वाज

सुषमा रानी

नई दिल्ली। पार्टी मुख्यालय में हुई एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हर चुनाव से पहले दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी अपने किसी न किसी पोस्टर बाय को एक आदर्श नेता के रूप में दिल्ली की जनता के सामने प्रस्तुत करती रही है। उन्होंने कहा कि इस बार भारतीय जनता पार्टी के वह आदर्श पोस्टर बॉय जिनके लिए पूरा का पूरा पुलिस प्रशासन और पूरा चुनाव आयोग अपनी आन बान शान दाव पर लगा कर बैठा है, वह है भाजपा के नेता प्रवेश वर्मा। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मैं कल प्रवेश वर्मा द्वारा चुनाव आयोग के समक्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में दिए गए संपत्ति ब्यूरो के हलफनामे और इस बार दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए उनके द्वारा दिए गए संपत्ति ब्यूरो के हलफनामे को पढ़ रहा था। उन्होंने कहा कि जिस दर से प्रवेश वर्मा की संपत्ति में पिछले 5 सालों में बढ़ोतरी हुई है, यह अपने आप में किसी चमत्कार से कम नहीं है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यदि विश्व की बड़ी-बड़ी यूनिवर्सिटी को प्रवेश वर्मा के 5 साल में संपत्ति में हुई बढ़ोतरी के ब्यौरे की जानकारी दे दी जाए, तो शायद ही कोई विश्व का ऐसा विश्वविद्यालय होगा जो इन्हें अपने विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को यह गुरु मंत्र जो प्रवेश वर्मा के पास है, यह सिखाने के लिए लेक्चर देने के लिए ना बुलाए।

प्रवेश वर्मा की संपत्ति के ब्यौरे की जानकारी आंकड़ों सहित मीडिया के सामने प्रस्तुत करते हुए सौरभ भारद्वाज ने बताया कि अप्रैल 2019 में लोकसभा चुनाव के लिए जब प्रवेश वर्मा ने चुनाव आयोग में संपत्ति ब्यौरे का हलफनामा दाखिल किया था, तो उसमें उनकी अचल संपत्ति 12.30 करोड़ रुपए थी। जबकि 2025 में दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए प्रवेश वर्मा जी ने जो अचल संपत्ति का ब्यौरा चुनाव आयोग को दिया है, उसमें उनकी संपत्ति 19.10 करोड रुपए बताई गई है। अर्थात यदि पिछले 5 साल में आप अचल संपत्ति में बढ़ोतरी का आकलन करें तो लगभग 55% की बढ़ोतरी अचल संपत्ति में हुई है। इसी प्रकार से 2019 में जो चल संपत्ति 3.20 करोड रुपए थी, वह इस बार 2025 के हलफनामे में 96.50 करोड रुपए बताई गई है। अर्थात 2915% की बढ़ोतरी चल संपत्ति में हुई है।

इसी प्रकार से 2019 के हलफ़नामे में 2017-18 की इनकम टैक्स रिटर्न में वार्षिक आय 17 लख रुपए बताई गई है, वहीं 2025 के हलफ़नामे में 2023-24 की वार्षिक आय 19.17 करोड रुपए बताई गई है। अर्थात पिछले 5 सालों में वार्षिक आय में 11,488% की बढ़ोतरी हुई है।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मैं भारतीय जनता पार्टी के आदर्श पोस्टर बॉय प्रवेश वर्मा जी से यह अनुरोध करता हूं, कि वह देश की करोड़ गरीब जनता को अपना यह गुण, वह गुरु मंत्र बताएं, जिसके जरिए से मात्र 5 साल में उनकी कमाई में हजारों प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि इस देश में सालों से व्यापार कर रहे बड़े-बड़े व्यापारियों की कमाई में भी 5 साल के भीतर इतना बड़ा उछाल नहीं आ पाता है, जितना बड़ा उछाल 5 साल के भीतर भाजपा के नेता प्रवेश वर्मा की कमाई में आया है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह बड़े ही दुख और आश्चर्य की बात है, कि एक तरफ केंद्र में बैठी भाजपा सरकार देश में 85 करोड लोगों को मुफ्त राशन बांट रही है, क्योंकि वह 85 करोड़ परिवार राशन खरीदने में भी सक्षम नहीं है, वहीं दूसरी ओर भाजपा के नेताओं की 5 साल में संपत्ति हजारों प्रतिशत में बढ़ जा रही है।

बीएसपी प्रत्याशी ने लक्ष्मी नगर में किया

सुषमा रानी

लक्ष्मीनगर पूर्वी दिल्ली 20 जनवरी बहुजन समाज पार्टी लक्ष्मी नगर से विधानसभा उम्मीदवार वक़ार चौधरी ने लक्ष्मी नगर में चुनाव प्रचार का आगाज किया और घर घर जाकर वोट माँगे।

बीएसपी प्रत्याशी वक़ार चौधरी ने आज पर्चा वापिस लेने का समय समाप्त होते ही अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ अपने चुनाव प्रचार का आरम्भ किया लक्ष्मी नगर की गलियों में घूम घूम कर वोट मांगे, और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर इस बार आप सरकार बनी तो हर गली में एक एक शराब का ठेका खुल जाएगा इसलिय इस चुनाव में किसी के बहकावे में ना आए बल्कि एक ऐसी पार्टी को वोट दे जो सभी समाज को साथ लेकर चलती है।वक़ार चौधरी ने समर्थकों के साथ नारे लगाते हुए जनसंपर्क किया

भाजपा सांसद भोला सिंह ने राहुल केजरीवाल को सबसे बड़ा झूठा दलितों विरोधी बताया

सुषमा रानी, नई दिल्ली / दलित समाज के बब्बर शेर भाजपा बुलंदशहर के सांसद भोला सिंह का दलित समाज के सम्मान सम्मेलन चुनावी जनसभा में दलित समाज ने बड़े ही गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत करते हुए भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के कार्यालय मंत्री सुमेश* *लिलोठिया कहा कि यही है हमारा बब्बर शेर जो समाज का भविष्य तय करेगा और समाज का उत्थान करेगा इस मौके पर समाज के वरिष्ठ** *नेताओं ने बोलते हुए* *कहा कि आज दलित की आवाज को हमारे बब्बर शेर सांसद लोकसभा संसद में बड़े ही गर्म जोशी के साथ उठते हैं और दलित समाज के अधिकारों को लेकर हमेशा* *चिंतन करते हैं ऐसे निर्भीक और साहसिक दलित समाज की आवाज उठाने वाले हमारे सेना नायक भाजपा के बब्बर शेर लोकसभा सांसद भोला सिंह ही हैं *आज दलित समाज के हमारे सांसद* *भोला सिंह को एक उम्मीद की किरण के रूप में देखा जा रहा है जो दलित समाज का उत्थान करेगा*

इस मौके पर सांसद भोला सिंह ने मॉडल टाउन के संगम विहार में अपार भीड़ समूह को संबोधित करते हुए कहा कि अपने *दलित समाज के तमाम बुजुर्ग माता बहनों को मैं अस्वस्थ करना चाहता हूं कि हमारा दलित समाज किसी से काम नहीं है और समाज के बच्चे बुजुर्ग आज जितनी बड़ी संख्या में यहां आए हैं उससे लगता है कि हमारे यहां का प्रत्याशी भारी बहुमत से विजय होकर भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने में एक अहम* *भूमिका निभाएंगे और मैं अपने यहां आए उत्तर प्रदेश हरियाणा राजस्थान के निवासी अपने दलित समाज के माता बहनों का दिल की गहराइयों से अभिनंदन करता हूं और उम्मीद करता हूं कि वह है बढ़-चढ़कर के भारतीय जनता पार्टी के कमल के* *निशान के हमारे प्रत्याशी* अशोक गोयल देवरा *को कमल पर बटन दबाकर भारी बहुमतों से विजयी बनाएं।

''अनब्रेकेबल'' फिल्म मेरे लिए बेहद भावुक है, यह हमारे पिछले दो साल के संघर्ष की कहानी है : अरविंद केजरीवाल

सुषमा रानी

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी के संघर्षों पर बनी ''अनब्रेकेबल'' डॉक्यूमेंट्री फिल्म यू-ट्यूब पर उपलब्ध हो गई है। हालांकि भाजपा ने दिल्ली पुलिस की मदद से इसकी स्क्रीनिंग को रोकने की खूब कोशिशें की और डॉक्यूमेंट्री को नहीं दिखाने दिया। यू-ट्यूबर ध्रुव राठी ने इस डॉक्यूमेंट्री को अपने यू-ट्यूब चैनल पर इसे जारी कर दिया है। इस डॉक्यूमेंट्री को यू-ट्यूब पर सार्वजनिक होने के बाद ''आप'' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, दिल्ली की सीएम आतिशी, सांसद संजय सिंह समेत अन्य नेताओं ने इसके लिंक youtu.be/LlTqvapKydk ?si'को अपने एक्स हैंडल पर साझा कर दिल्ली और देश के लोगों को देखने और ज्यादा से ज्यादा लोगों में शेयर करने की अपील की है।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि यह फ़ल्मि मेरे लिए बेहद भावुक है। यह हमारे पिछले दो साल के संघर्ष की कहानी है। देश में किसी और पार्टी ने ऐसी साज़शिों और पूरे सिस्टम के हमलों का सामना नहीं किया होगा। लेकिन मुश्किल वक्त ही दिखाता है कि हम असल में कौन हैं? ''आप इज अनब्रेकेबल।'' धन्यवाद ध्रुव, जब पूरा सिस्टम इसे रोकने की कोशिश कर रहा था, तब आपने

इस डॉक्यूमेंट्री को दुनिया के सामने लाने की हिम्मत दिखाई। ये फ़ल्मि पहली बार हमारा पक्ष बताती है। इसे ज़रूर देखें और सबके साथ शेयर भी करें।

''आप'' के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने एक्स पर कहा कि भाजपा की बदले की राजनीति का पर्दाफाश करने वाली डॉक्यूमेंट्री ''अनब्रेकेबल'' यू-ट्यूट पर अपलोड हो गई है। इससे पहले कि भाजपा अपनी सभी सरकारी एजेंसियों का जोर लगाकर इसको वैन कराए, इस लिंक पर क्लिक कर ''अनब्रेकेबल'' को देखिए और पूरा सच जानिए।

सीएम आतिशी ने एक्स पर कहा कि ''अनब्रेकेबल'' एक ऐसे संघर्ष की कहानी है, जहां आम लोगों की एक छोटी सी पार्टी ने दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी और तानाशाही सत्ता के आगे झुकने से साफ इन्कार कर दिया। यह उस अडिग संघर्ष की दास्तान है, जिसने न केवल तानाशाही सत्ता की चूलें हिला दीं, बल्कि देश की राजनीति की दिशा को भी बदल दिया। अब ''अनब्रेकबल'' जनता के बीच है। इसपर वैन लगने से पहले जरूर देखिए कि कैसे ''आप'' ने झूठ और षड्यंत्र के सामने कभी हार नहीं मानी।

संसद संजय सिंह ने एक्स पर कहा कि हर एक बात पर कहते हो तुम कि तू क्या है? मिर्ज़ा ग़ालिब साहब की लाइन मोदी जी पर फिट बैठती है। हम तो आपसे सिर्फ़ इतना कहना चाहते हैं मोदी जी कि हम "टूटेंगे नही" आप भी देखिए और अपने कार्यकर्ताओं को भी दिखाइए।

''आप'' के वरिष्ठ नेता जस्मीन शाह ने एक्स पर कहा कि भाजपा द्वारा प्रतिबंधित फिल्म रिलीज़ हो गई है। ध्रुव राठी द्वारा रिलीज़ की गई अनब्रेकेबल में ''आप'' की अदम्य साहस भावना को दर्शाया गया है, क्योंकि उसे अब तक किसी भी राजनीतिक दल पर किए गए सबसे क्रूर राजनीतिक प्रतिशोध का सामना करना पड़ा। इस क्लिप को देखकर दिल की धड़कन रुक जाती है।

कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर कहा कि सत्ता की ज़ुल्म बनाम आम आदमी की हिम्मत है अनब्रेकेबल।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक और मंत्री गोपाल राय ने एक्स पर कहा कि ''अनब्रेकेबल'' भारत के इतिहास के सबसे बड़े राजनीतिक षड्यंत्र की एक अद्भुत कहानी है। वो सच जिसे रोकने की भाजपा ने हर साजिश रची।

''आप'' की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने एक्स पर कहा कि खूंखार अपराधियों को भी दो हफ़्ते से ऊपर एकांत कारावास में नहीं रखा जाता। पर आम आदमी पार्टी के नेताओं को रखा गया। फ़रि भी नहीं टूटे।

उत्तर पूर्व दिल्ली के जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार ने किया सेल्फी पॉइंट का उद्घाटन, वोट प्रतिशत बढ़ाने की अपील

सुषमा रानी

नई दिल्ली। उत्तर पूर्व दिल्ली के जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार ने वोट प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से एक अनूठी पहल के तहत एक ₹सेल्फी पॉइंट₹ का उद्घाटन किया। इस सेल्फी पॉइंट का उद्देश्य मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करना और उन्हें वोट डालने के लिए प्रेरित करना है। अजय कुमार ने इस सेल्फी पॉइंट पर अपनी फोटो खिंचवाई और नागरिकों से अपील की कि वे आगामी चुनावों में जरूर वोट करें और लोकतंत्र की इस प्रक्रिया में भाग लें। यह सेल्फी पॉइंट उत्तर पूर्व दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित किए गए हैं, जहां लोग अपनी फोटो खींचकर उसे सोशल मीडिया पर साझा कर सकते हैं और दूसरों को मतदान के प्रति प्रेरित कर सकते हैं। इस पहल से न केवल मतदान के महत्व को उजागर किया जा रहा है, बल्कि यह एक मजेदार और प्रभावशाली तरीका है जिसके माध्यम से युवा और सोशल मीडिया उपयोगकर्ता मतदान के प्रति जागरूक हो सकते हैं। उत्तर पूर्व दिल्ली के विभिन्न इलाकों में इस तरह के सेल्फी पॉइंट स्थापित किए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक लोग अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक हो सकें और मतदान में भाग लें।

आम आदमी पार्टी पूरी तरह भ्रष्टाचार में डूबी हुई है : लाल सिंह आर्य

सुषमा रानी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य आज जंगपुरा विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी तरविंदर सिंह के चुनाव प्रचार की जनसभा में पहुंचे जिसमें अनुसूचित जाति दिल्ली प्रदेश के महामंत्री रूपेश मेहरा सहित जिले के तमाम पदाधिकारी बाहर से आए प्रवासी मंडल अध्यक्ष सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस मौके पर अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने कहा कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी पूरी तरह* *भ्रष्टाचार में लिप्त होकर दिल्ली वासियों के लिए आपदा बन गई है यह घोटाले बाज झूठी इतनी बड़ी पार्टी है कि दिल्ली की जनता बिजली पानी टूटी सदके लड़खड़ाति दिल्ली की अर्थव्यवस्था के चलते इस पार्टी ने शराब घोटाला एमडी घोटाला डीटीसी बस घोटाला जल बोर्ड घोटाला इतने* *घोटाले कर दिए कि उनका नाम गिनाते हुए पूरा दिन निकल जाएगा आज उनके मंत्री विधायक जमानतों पर भर हैं इस पार्टी का कोई भविष्य नहीं और ना ही उनके नेताओं का न जाने कभी है जेल चले जाएं इसकी कोई गारंटी नहीं है ऐसी घोटालेबाज और दिल्ली को आपदा में फसाने वाले उनके नेता सब के सब झूठे हैं फरेबी हैं इसे* *दिल्ली वासियों को आप मुक्ति दिलाने का समय आ गया है और भाजपा को लाने का समय आ गया है पूरी दिल्ली की जनता ने मन बना लिया है कि आपदा को भगाना है और भाजपा को लाना है।

पथिक लॉयर्स फॉर्म द्वारा तीस हजारी कोर्ट में वार्षिक अधिवक्ता मिलन समारोह का आयोजन

स्वतंत्र सिंह भुल्लर नई दिल्ली

नई दिल्ली। ख्याति प्राप्त अधिवक्ता इंदर सिंह बिधूड़ी की संस्था पथिक लॉयर्स फॉर्म के सौजन्य से लालचंद वत्स हाल तीस हजारी कोर्ट में वार्षिक अधिवक्ता मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया।इस अवसर पर वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी,एडिशनल एडवोकेट जनरल,बार काउंसिल के सदस्यों के अलावा अधिवक्ता दिवाकर बिधूड़ी,अधिवक्ता आशीष बिधूड़ी,अधिवक्ता आशीष तंवर, अधिवक्ता मोहित अवाना, अधिवक्ता राजेश रेक्सवाल, अधिवक्ता कुलदीप चौधरी, अधिवक्ता लोकेश डेढ़ा अधिवक्ता वीरेंद्र के सिंह,अधिवक्ता अंकुर पी.नागर,अधिवक्ता प्रदीप के. नागर के अलावा सैकड़ो की संख्या में अधिवक्ताओं ने इस कार्यक्रम में भाग लेकर इसे सफल बनाया। विशेष तौर से निम्न अधिवक्तागण भी मौजूद थे

वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक सिंह (उच्च न्यायालय मध्य प्रदेश) श्री अनिल कुमार प्रोफेसर (जेएनयू) राजपाल कसाना, सदस्य, बार काउंसिल ऑफ़ दिल्ली मुकेश बंसल, सुभाष तंवर (स्टैंडिंग काउंसिल दिल्ली हाई कोर्ट) नीरज चेची गुजर (एडिशनल एडवोकेट जनरल) राजस्थान हाई कोर्ट करनैल सिंह (भूतपूर्व अधक्ष साकेत कोर्ट) अनिल बसोया पूर्व अत्रिक्त सचिव साकेत कोर्ट सुधीर नागर एवम अमोद बिधूड़ी (एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड) सुप्रीम कोर्ट,ऑरेगनाइजिंग कमेटी के सदस्य अनिल बिधड़ी, विनीत डेढ़ा, सचिन चौधरी, राहुल चौधरी एवम हिमांशु खारी पथिक लॉयर्स फॉर्म के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता इंदर सिंह बिधूड़ी ने वरिष्ठ अधिवक्ता यूके चौधरी,वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक चौधरी,वरिष्ठ अधिवक्ता जतन सिंह के मनोनयन पर उन्हें फूल माला पहनकर उनका सम्मान किया।

अधिवक्ता हरिचन्द जाखड़ ने बताया कि एडवोकेट इंदर सिंह बिधूड़ी न सिर्फ अपनी कानूनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते हैं,बल्कि अपने समाज के प्रति भी वह अपनी जिम्मेवारियों का हमेशा निर्वाह करते आए हैं। महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद एवं पत्रकार विजय सिंह पथिक की जयंती एवं पुण्यतिथि पर भी वह कार्यक्रमों का आयोजन कर समाज में नई चेतना लाने का प्रयास करते रहे हैं। गुर्जर समाज का कोई व्यक्ति न्यायपालिका, व्यवस्थापिका, कार्यपालिका में अगर किसी उच्च पद पर आसीन होता है तो उसे सम्मानित कर युवा पीढ़ी को प्रेरित करने का भी सराहनीय प्रयास श्री विधूड़ी द्वारा किया जाता है। गुर्जर समाज का अगर कोई छात्र प्रतिष्ठित पद पर चयनित होता है तो उसे भी वह सम्मानित कर अन्य युवा छात्रों को प्रोत्साहित करने का काम करते हैं। यह इनकी खास विशेषता है कि ना सिर्फ वह अधिवक्ता की अपनी जिम्मेवारियों को निभाते हैं बल्कि समाज में जागृति,चेतना समाज के उत्थान के लिए भी लगातार प्रयासरत हैं।

'कमल' का बटन दबाते ही दिल्ली में मोहल्ला क्लिनिक बंद', केजरीवाल ने रैली में BJP पर बोला हमला

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने विश्वास नगर इलाके में रैली को संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान कहा- दिल्ली में 24 घंटे बिजली आती है बीजेपी की 20 राज्यों में सरकार है सभी में 10-10 घंटे के Power Cut लगते हैं। गलती से कमल का बटन दबा दिया तो दिल्ली में भी 10-10 घंटे के पॉवर कट लगने लगेंगे।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने विश्वास नगर इलाके में रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा, "भाजपा ने ऐलान किया है कि हमारी सरकार बनेगी तो मोहल्ला क्लीनिक बंद करा दिए जाएंगे... कमल का बटन न दबाना नहीं तो सभी मोहल्ला क्लीनिक बंद हो जाएंगे। केजरीवाल ने कहा, "सरकार बनने के बाद मैं आप सभी के बिजली और पानी के गलत बिल माफ करा दूंगा। हमने DTC बसों में महिलाओं के लिए यात्रा फ्री की है। 20 राज्यों में भाजपा की सरकार है और एक भी राज्य में बसें महिलाओं के लिए फ्री नहीं है। हम ऐसा सिस्टम बनाएंगे जिससे किराएदारों को भी फ्री बिजली की सुविधा मिल सके।" उन्होंने इस दौरान कहा- दिल्ली में 24 घंटे बिजली आती है, बीजेपी की 20 राज्यों में सरकार है, सभी में 10-10 घंटे के Power Cut लगते हैं। गलती से कमल का बटन दबा दिया तो दिल्ली में भी 10-10 घंटे के पॉवर कट लगने लगेंगे।

दिल्ली-एनसीआर में जल्द चलेंगी एयर टैक्सी, घंटों का सफर मिनटों में होगा पूरा, कितनी होगी स्पीड और किराया? यहां जानिए सबकुछ

दिल्ली-एनसीआर में Air Taxi आने वाले समय में परिवहन का नया जरिया बनने जा रही है। भारत में भी एयर टैक्सी की शुरुआत हो चुकी है। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में एयर टैक्सी के मॉडल व स्टेशन पेश किए गए। कुछ वर्षों में दिल्ली-NCR के लोग एक से दूसरे शहर में 15-20 मिनट में पहुंचे सकेंगे।

ग्रेटर नोएडा। आने वाले कुछ वर्षों में दिल्ली-एनसीआर सहित देशभर में परिवहन सेवा नए रूप में दिखेगी। सड़क पर टैक्सी की बजाय एयर टैक्सी (Air Taxi) से एक ही शहर में एक जगह से दूसरी जगह जाते लोग दिखेंगे।

इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में हो रहे अर्बन मोबिलिटी इंफ्रास्ट्रक्चर शो (यूएमआइएस) में एयर टैक्सी का भविष्य दिखाया गया। एयर टैक्सी, उसका संचालन, वर्टिपोर्ट (एयरटैक्सी का पोर्ट) आदि को लेकर कंपनियों ने अपने कॉन्सेप्ट पेश किया। इनमें से कुछ बड़ी संख्या में उत्पादन के लिए तैयार हैं, तो कुछ अगले वर्ष तक मूर्त रूप ले लेंगी।

15 से 20 मिनट में पहुंचे एक शहर से दूसरे शहर

अगले कुछ वर्षों में दिल्ली एनसीआर के लोग एक शहर से दूसरे शहर में महज 15 से 20 मिनट में पहुंच जाएंगे, जहां आज उन्हें डेढ़ से दो घंटे लगते हैं। अभी दो तरह की एयर टैक्सी के मॉडल पेश किए गए हैं। एक में पायलट सहित पांच लोग और दूसरी में पायलट सहित छह लोग बैठ सकेंगे।

550 किलोग्राम भार लेकर भर सकेगी उड़ान

एयर टैक्सी में पांच की सवारी, 150 की स्पीड सीहार्स एयर लिमिटेड ने एयर टैक्सी सीहार्स एच5 का कॉन्सेप्ट पेश किया। कंपनी के संस्थापक अनुराग गुप्ता ने बताया कि सीहार्स एच5 अगले वर्ष मार्च तक आसमान में उड़ता नजर आएगा।

ये टैक्सी हेलीकाप्टर की तरह वर्टिकल टेक ऑफ करेगी और उतरेगी भी। इसे यात्री वाहन, जायराइड्स, एयर कार्गो, एयर एंबुलेंस, खोजबीन और बचाव व कोस्ट गार्ड के तौर पर उपयोग में लाया जा सकेगा। इसमें एक पायलट और चार सवारी बैठ सकेंगी। एक बार चार्ज होने पर ये 450 किमी की दूरी तय कर सकेगा। 550 किलोग्राम भार को लेकर उड़ सकेगी।

10 मीटर की ऊंचाई पर उड़ने में सक्षम

अनुराग गुप्ता ने बताया कि यह विश्व का पहले वर्टिकल टेक आफ एंड लैंडिंग एयरक्राफ्ट (ईवीटीओएल) है जो 10 मीटर की ऊंचाई पर भी उड़ सकता है। इमरजेंसी में आठ सेकंड में लैंड कर सकता है। इसकी लैंडिंग व टेकआफ के लिए किसी रनवे, एयरपोर्ट, सीपोर्ट की जरूरत नहीं है।

एयरडोक वर्टिपोर्ट बनेगा स्टेशन, पांच रुपये प्रति किमी किराया

एयरपेस इंडस्ट्रीज ने एयरडाक द वर्टिपोर्ट के कॉन्सेप्ट को लॉन्च किया। कंपनी के उपाध्यक्ष कपिल जैन ने बताया कि एयर टैक्सी का संचालन आने वाले कुछ वर्षों में देश में तेजी से देखा जाएगा। इनके संचालन, चार्जिंग, हाइड्रोजन भरने, यात्रियों के बैठने आदि के लिए एयरडाक बनाए जाएंगे।

200 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार

कंपनी की ओर से ही देश के प्रमुख शहरों में एयरडाक (स्टेशन) बनाए जाएंगे।

इसके लिए करीब 20 एकड़ जमीन की जरूरत पड़ेगी। कंपनी की ओर से एयर टैक्सी का भी निर्माण भी अंतिम चरण में है जो 200 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से उड़ने के साथ ही छह लोगों को बैठा सकती है।

यह ग्रीन हाइड्रोजन और बैट्री दोनों से चलेंगी। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसका परीक्षण किया जा रहा है। पूरा स्टेशन सोलर सिस्टम युक्त होगा, जिससे की कार्बन उत्सर्जन शून्य रहे। महज पांच रुपये प्रति किलोमीटर किराये का खर्च आएगा। प्रत्येक स्टेशन पर करीब 10 एयर टैक्सी होगी। पायलट प्रोजेक्ट के सफल होने पर रूट निर्धारण के लिए नागरिक उड्डयन विभाग से अनुमति ली जाएगी।

मोर्टार हमले के साथ ही आग बुझाने व रसद पहुंचाने में ड्रोन लाजवाब

एक्सपो में मैजिकमायना कंपनी के सीएसआइआर नेशनल एयरोस्पेस लैबोरेटरीज के सहयोग से तीन ड्रोन को प्रदर्शित किया है। आठ ब्लेड वाला आक्टाकाप्टर भारी सामान को ले जाने में सक्षम है। इसके लिए दूरस्थ इलाकों और सेना के लिए रसद भेजा जा सकता है। करीब 500 किलो भार का सामान उठा सकता है।

इसकी अधिकतम स्पीड 45 किमी प्रतिघंटा है। म्यूनीट्रिक्स ड्रोन के जरिये मोर्टार शेल को भी फेंक सकेंगे। कंपनी के अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा एक अन्य ड्रोन आग बुझाने में उपयोग में लाया जा रहा है। इन तीनों ड्रोन का इस्तेमाल देश की सीमावर्ती क्षेत्र में हो रहा है।

हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी के चुनाव में तजिंद्रपाल सिंह बने सदस्य, गगनदीप कौर को हराया

गुरुग्राम। गुरुग्राम सहित वार्ड 39 के साथ लगते जिलों में संपन्न हुए हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य पद के लिए आज करवाए गए चुनाव में तजिंद्रपाल सिंह को विजेता घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी गगनदीप कौर को 538 मतों के अंतर से पराजित किया। तजिंद्रपाल सिंह को 1489, जबकि गगनदीप कौर को 951 मत प्राप्त हुए।

हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के वार्ड 39 में कुल 4447 मत थे, जिनमें से 2737 वोट डाले गए। मतदान प्रतिशत 61.5 रहा। इस चुनाव में तजिंद्रपाल सिंह, बीबी गगनदीप कौर व हरप्रीत सिंह सहित सदस्य पद के लिए तीन उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें तजिंद्रपाल सिंह को 1489, गगनदीप कौर को 951 और हरप्रीत सिंह को 289 वोट मिले हैं। नोटा के बटन पर 8 मत प्राप्त हुए।

वार्ड 39 के छह मतदान केंद्रों पर हुआ चुनाव

गुरुग्राम सेक्टर 14 स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय परिसर में बनाए गए दो पोलिंग सेंटरों पर 50.25 प्रतिशत मतदान हुआ। यहां कुल 2364 में से 1188 मतदाताओं ने ईवीएम मशीन का बटन दबाकर अपना वोट दिया। गर्लज कालेज के कैंपस में सुबह 8 बजे मतदान की प्रक्रिया आरंभ हुई। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रदेश भर में 40 सदस्यों में से एक सदस्य का चुनाव गुरुग्राम, रेवाड़ी, नारनौल, चरखी दादरी और झज्जर को मिला कर बनाए गए वार्ड 39 के 6 मतदान केंद्रों पर हुआ।

तीनों उम्मीदवारों ने कॉलेज में स्थापित किए थे बूथ

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अजय कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए इस चुनाव में जीएमसीबीएल के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी त्रिलोकचंद बतौर निर्वाचन अधिकारी और नायब तहसीलदार सुरेंद्र भारद्वाज सहायक निर्वाचन अधिकारी के तौर पर नियुक्त रहे। सिविल लाइन थाना प्रभारी आनंद कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल सुबह से शाम तक कॉलेज परिसर में तैनात रहा। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के वार्ड 39 से तीनों उम्मीदवारों ने कॉलेज प्रांगण में अपने बूथ स्थापित किए हुए थे।

मतदाता अपनी बारी का कर रहे थे इंतजार

गुरुग्राम में 2364 मतदाताओं के लिए मतदान के लिए बूथ नंबर 1 व 1-ए सहित दो पोलिंग सेंटर स्थापित किए गए। जिला प्रशासन की ओर से ड्यूटी मैजिस्ट्रेट के तौर पर बिजली वितरण निगम के एसडीओ सतीश चंद्र और पंचायती राज के एसडीओ निशांत कुमार को नियुक्त किया गया। मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। मतदाता दोनों बूथों पर कतार में खड़े अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे।

वरिष्ठ नागरिकों को सबसे पहले दिया गया मौका

वरिष्ठ नागरिकों को कतार में सबसे पहले मतदान के लिए स्थान दिया गया। वोटर लिस्ट में मतदाता का नाम व आईडी देखकर ही उन्हें वोट डालने दिया गया। तीनों उम्मीदवारों के पोलिंग एजेंट मतदान केंद्र में बैठकर फोटोयुक्त वोटर लिस्ट में मतदान कर चुके मतदाताओं के नाम के आगे निशान लगा रहे थे। इस चुनाव को लेकर सिख समुदाय में उत्साह का वातावरण दिखाई दिया।

जनहित में जारी, आग लगने पर क्या करें

परिवहन विशेष न्यूज

आग लगने पर क्या करें

1-आग या आपातकाल की घटना की सूचना तत्काल मेला कंट्रोल ICCC तथा क्षेत्र के पुलिस/फायर स्टेशनों को 112, 1920, 1090 एवं ICCC द्वारा निर्धारित नंबरों पर दें I

2-आग लगने पर आग का शोर मचाकर आसपास के टेंट को सूचित/सावधान करें1

3- आपातकालीन समय में अपने आप को शांत शांति रखते हुए ठंडे दिमाग से काम करते हुए निकटतम आग बुझाने वाली यंत्र का प्रयोग सुरक्षित दूरी से बिना अपने आप को खतरे में डालें आग बुझाने हेतु करें1

4-अपने निकटतम निकास मार्ग को हमेशा ध्यान रखें तथा आग लगने पर उनका प्रयोग करें1

5- सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली पर ध्यान रखें और चौकस रहे1

6- अपने अग्निशमन यंत्र को सही ढंग से पहचाने ताकि आग बुझाने के लिए उसका उपयोग उचित ढंग से किया जा सके1

7- आग बुझाने हेतु पंडाल के नजदीक पर्याप्त मात्रा में पानी तथा बालू भरकर रखें जिससे आग लगने पर पानी अथवा बालू का प्रयोग कर आग बुझाई जा सके1

8-आग लगे पंडाल टेंट में रहने वाले व्यक्तियों/बच्चों को शीघ्र सुरक्षित स्थान पर निकाल कर ले जाएं उसके उपरांत पंडाल की रस्सी/सुतली काटकर गिरा दें ताकि अग्नि प्रसार की संभावना को रोका जा सके रस्सी सुतली काटने से पूर्व या सुनिश्चित करने की पंडाल टेंट के अंदर कोई व्यक्ति छूटा तो नहीं है1

9-अग्निशमन यंत्र पानी बालू को जो भी समय पर उपलब्ध हो उसका उपयोग कर आग बुझाने का यथासंभव प्रयास करें1

10- गैस सिलेंडर में आग लगने की स्थिति में उसे जमीन पर गिरने के बजाय सीधा खड़ा रखते हुए बाहर निकलने का प्रयास करें साथ ही सिलेंडर की आग वाले हिस्से पर गीले कपड़े अथवा अग्निशमन यंत्र से आग बुझाने का प्रयास करें व हो रही गैस लीकेज को बंद करने हेतु प्रयास करें1

11-अग्निशमन तथा आपात सेवा के पहुंचने तक आग बुझाने का यथासंभव प्रयास करें व लोगों को बाहर निकलने में हर संभव मदत करे1

12- आपात सेवाओ की गाड़ी जब घंटा अथवा सायरन बजाते हुए आए तो आने के लिए रास्ता दें ताकि घटनास्थल पर पहुंचने में देर ना हो1

13-बीड़ी सिगरेट जली हुई माचिस आदि के टुकड़े बुझाकर ही फेके1

14-बिजली की व्यवस्था लाइसेंस धारी ठेकेदारों से ही संपादित करना सुनिश्चित करें 1

15-तारों के जोड़ परस्पर आपस में सही दिशा में जोड़ तथा पोर्सलिन कंडक्टर का ही प्रयोग करें1

16-मुख्य पैनल में एमसी एमसीवी/ईएलसीबी का प्रयोग करें1

17-रसोई घर टीनशेड में अस्थाई संरचना से उचित दूरी पर बनाएं1

क्या ना करें:-

1-टेंट में ज्वलनशील पदार्थों जैसे पेट्रोल,मिट्टी का तेल,डीजल,गैस या मोमबत्ती आदि का भंडारण ना करें1

2- टेंट में गैर मानक के एवं लीकेज वाले सिलेंडर का प्रयोग ना करें एवं गैस सिलेंडर को जमीन मैं ना ही दबाय1

3- टेंट बनाने में प्लास्टिक एवं सिंथेटिक कपड़ों का प्रयोग कदापि न करें1

4-पंडाल टेंट में खुली आग चूल्हा, हवन कुंड का प्रयोग ना करें1

5- पंडाल एवं टेंट में कटी-फटी विद्युत तारों का प्रयोग ना करें एवं हीटर तथा अन्य किसी ओवरलोड विद्युत उपकरण का प्रयोग ना करें1

6-टेंट में धूम्रपान न करें तथा बीड़ी, सिगरेट आदि जलाने के बाद माचिस की तीली को लापरवाही से उधर ना फेंकने से पहले यह सुनिश्चित कर ले की तीली सही रूप से बुझ गई है1

7-जलते हुए चिराग, स्टोव, गैस बत्ती में तेल ना डालें एवं स्टोर में पेट्रोल या अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ का प्रयोग ना करें1

8-तेज हवा के समय खुले में खाना ना पकाए1

9- दीपक मोमबत्ती या खुली जलती आग को लेकर इधर-उधर ना जाए अंगूठी या चूल्हे को सुलगता ना छोड़े1

10-सिंथेटिक फाइबर के बने कपड़े पहनकर हवन कुंड चूल्हे या आग के समीप ना बैठे ऐसे किसी स्थान पर न जाए जहां से आप आसानी से बाहर ना निकल सकें1

11- आपातकालीन मार्गों को कदापि बाधित न करें ल

12. दुर्घटना घटित होने पर वीडियो बनाने की बजाय लोगों की मदद करें।

भारतीय बज़ट सत्र 2025 में आयकर अधिनियम 1961 के स्थान पर नया आयकर विधेयक लाने की संभावना

भारतीय बज़ट 1 फ़रवरी 2025- फ्री घोषणाओं पर रोक से बजट की सार्थकता बढ़ेगी-इकोनामिक ग्रोथ को प्रोत्साहन देने पर फोकस ज़रूरी

बज़ट 2025 में आम नागरिकों को क़र में राहत के साथ विज़न 2047 के लिए इकोनामिक ग्रोथ को प्रोत्साहन देने बजट पर फोकस करने व डॉलर के मुकाबले रुपए को मजबूत करने की रणनीति हो

–एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विकस्तर पर एक ओर जहां भारतीय समय के अनुसार सोमवार 20 जनवरी 2025 को रात्रि 10:30 बजे अमेरिका के नवनर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण व घोषणाओं पर नज़रें अटकी हुई है, तो दूसरी ओर 1 फरवरी 2025 को पेश होने वाले भारतीय बजट 2025 पर भी लगी हुई है,ताकि इन्वेस्टर उद्योगपति व आम नागरिक उसके अनुसार अपना बजट भी बनाने की कोशिश करें।मीडिया सूत्रों के अनुसार बजट 2025 में वर्तमान आयकर अधिनियम 1961 के स्थान पर नया आयकर विधेयक लाने की सुबसुबाहट हो रही है, क्योंकि इसकी तैयारियां जोरों पर चल रही है, तो दूसरी ओर मेरा मानना है कि विज़न 2047 को देखते हुए बज़ट के इकोनामिक ग्रोथ को प्रोत्साहन देने वाली व कुछ ऐसी रणनीतिक फ्री घोषणाओं के लाभार्थियों व लाभ देने वाले इन दोनों को भारी भरकम टैक्स के दायरे में लाने की जरूरत है। इसके साथ ही आम व मध्यम वर्गीय नागरिकों व बुजुर्गों को टैक्स में राहत देने की स्कीमें लाएं तो सभी को पूर्ण रूप से खुश किया जा सकता है। चूँकि दिनांक 1 फरवरी 2025 को वित्त मंत्री रिकॉर्ड,लगातार आठवीं बार बजट पेश करेगी जिसकी तारीखें आ चुकी है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे भारतीय बजट 1 फरवरी 2025 फ्री घोषणाओं पर रोक से बजट की सार्थकता बढ़ेगी, बजट इकोनामिक ग्रोथ को प्रोत्साहन देने पर फोकस वाला हो।

साथियों बात अगर हम भारतीय बजट सत्र 2025 के तारीखों के ऐलान की करें तो,संसदीय कार्यमंत्री ने शुक्रवार को घोषणा की कि 2025 के लिए संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से 4 अप्रैल तक चलेगा। सत्र की शुरुआत 31 जनवरी को लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के संबोधन से होगी, जिसके बाद आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा।सत्र का पहला भाग 31 जनवरी से 13 फरवरी तक चलेगा, जिसमें नौ बैठकें होंगी। इस दौरान पीएम राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देंगे और वित्त मंत्री बजट पर चर्चा का जवाब देंगी। सत्र का पहला भाग 31 जनवरी से 13 फरवरी तक चलेगा,केंद्रीय बजट 2025 का शेड्यूल किस प्रकार है,31 जनवरी, 2025: राष्ट्रपति सुबह 11 बजे लोक सभा कक्ष में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे।1फरवरी, 2025: केंद्रीय बजट 2025 -26 लोकसभा में पेश किया जाएगा,13 फरवरी, 2025: बजट सत्र का पहला भाग स्थगित होगा।13 फरवरी से 10 मार्च 2025:बजट प्रस्तावों और विभिन्न मंत्रालयों की अनुदान मांगों की जांच के लिए संसद की बैठक स्थगित कर दी जाएगी।बजट प्रक्रिया को जारी रखने, अनुदानों की मांगों पर चर्चा करने और कार्यवाही पूरी करने के लिए सत्र 10 मार्च को फिर से शुरू होगा। पूरा बजट सत्र 4 अप्रैल, 2025 को समाप्त होगा, जिसमें कुल 27 बैठकें होंगी। भारत की माननीय राष्ट्रपति ने भारत सरकार की सिफारिश पर बजट सत्र 2025 के लिए संसद के दोनों सदनों को 31 जनवरी, 2025 से 4 अप्रैल, 2025 तक (संसदीय कार्य की अनिवार्यताओं के अधीन) बुलाने को मंजूरी दे दी है।

साथियों बात अगर हम बजट सत्र 2025 में एक नया आयकर विधेयक 2025 लाने की संभावना की करें तो सरकार संसद के आगामी बजट सत्र में एक नया आयकर विधेयक पेश कर सकती है, जिसका उद्देश्य मौजूदा आयकर कानून को सरल बनाना,उसे समझने योग्यबनाना और पन्नों की संख्या में लगभग 60 प्रतिशत की कमी करना है। दरअसल, इस समय जो इनकम टैक्स कानून है, वह थोड़ा जटिल है और उसके पन्नों की संख्या इतनी ज्यादा है कि उसे समझने और पढ़ने में किसी आम इंसान का दिमाग घूम जाए, सरकार इसी वजह से इनकम टैक्स कानून को सरल बनाने के लिए ये फैसला ले सकती है।बता दें,वित्त मंत्री ने जुलाई के बजट में छह महीने के भीतर छह दशक पुराने आयकर अधिनियम,1961 की व्यापक समीक्षा की घोषणा की थी।पीटीआई पर छपी एक खबर के अनुसार, वर्तमान में, कानून के मसौदे पर कानून मंत्रालय विचार कर रहा है और बजट सत्र के दूसरे भाग में इसे संसद में पेश किया जा सकता है।आयकर अधिनियम,1961 की व्यापक समीक्षा के लिए वित्त मंत्री द्वारा बजट घोषणा के बाद सीबीडीटी ने समीक्षा की देखरेख करने और अधिनियम को छोटा, स्पष्ट और समझने में आसान बनाने के लिए एक आंतरिक समिति का गठन किया था, इससे विवाद, मुकदमे बाजी कम होगी और करदाताओं को अधिक कर निश्चितता मिलेगी इसके अलावा,अधिनियम के अलग-अलग पहलुओं की समीक्षा के लिए 22 विशेष उप- समितियां भी बनाई गई हैं।

साथियों बात अगर हम विजन 2047 के लिए इकोनामिक ग्रोथ को प्रोत्साहन देने पर बजट को फोकस करने की करें तो, एक अर्थशास्त्री ने बताया यह रुपये में गिरावट से ज्यादा डॉलर की मजबूती है, डॉलर केमुकाबले सभी मुद्राएं कमजोर हो रही हैं, क्योंकि डॉलर बहुत मजबूत हो रहा है और यह काफी हद तक अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मजबूत प्रदर्शन और इस उम्मीद के कारण है कि डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाला नया प्रशासन अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कुछ करेगा। इसलिए रुपये की यह कमजोरी काफी हद तक डॉलर की मजबूती है और इसके चलते विदेशी संस्थागत निवेशक भी भारत से अपना निवेश निकाल रहे हैं। जब डॉलर की बहुत अधिक मांग होगी, तो रुपया कमजोर होगा। हमें यह तथ्य भी देखना चाहिए कि अन्य मुद्राएं भी कमजोर हो रही हैं। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि रुपया अब भी वास्तविक रूप से थोड़ा मजबूत है और इसका मूल्य कुछ अधिक है,रुपये को अधिक प्रतिस्पर्धी विनिमय दर पर रखना निर्यात की दृष्टि से अच्छा है। डॉलर के मुकाबले रुपया फिलहाल 86.60 के आसपास रहा है. 13 जनवरी को यह 86.70 प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर भी आ गया था।अलग-अलग राज्य सरकारों द्वारा जनता को मुफ्त में चीजें देने के बारे में कहा कि यह दीर्घावधि की बढ़ोतरी की दृष्टि से चिंता की बात है, क्योंकि जिन संसाधनों का इस्तेमाल विकास के लिए, इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के लिए हो सकता है, वे मुफ्त योजनाओं में खर्च हो रहे हैं।उन्होंने कहा कि यह कोई अच्छी चीज नहीं है और इसपर रोक लगनी चाहिएकोविड महामारी की वजह से भारतीय अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान हुआ, उसके बाद इसने एक मजबूत सुधार देखा,लेकिन पिछले कुछ साल से अर्थव्यवस्था कोरफ्तार देने वाली यह दबी मांग अब समाप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि अब भारतीय अर्थव्यवस्था ऐसे मोड़ पर है, जो प्री-कोविड समय में था, इसे अब सार्वजनिक खर्च के जरिये आगे बढ़ाने की जरूरत है। वित्तमंत्री ने अपने पिछले साल के बजट में कहा था कि सरकार 2024-25 के लिए पूंजीगत व्यय के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपये उपलब्ध कराएगी और इंफ्रास्ट्रक्चर में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए वीजीएफ शुरू करेगी।भारत की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) की सकल घरेलू उत्पाद की ग्रोथ रेट सात तिमाहियों के निचले स्तर 5.4 परसेंट पर पर आ गई है। इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च को बनाए रखना और इसे और आगे बढ़ाना भारत की लिए आर्थिक बढ़ोतरी की रफ्तार में कायम रखने में मदद करेगा। यह बजट ऐसे समय आ रहा है जबकि वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितताएं बढ़ चुकी हैं और घरेलू वृद्धि दर सुस्त पड़ी है।

साथियों बात अग़र हम बजट 2025 में कर दाताओं को कुछ राहतों की संभावना की करें तो, इस वर्ष भी इसकी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, इसपर गंभीरता से मैंनें विश्लेषण किया हूं और कुछ संभावनाओं का पैनल बनाया हूं (1) आयकर अधिनियम की धारा 80 सी जिसकी अभीछूट 1.50 लाख है उसे अब 2.0 लाख करने की संभावना (2) हेल्थ बीमा 80 डी में अभी हेल्थ इंश्योरेंस 25 हज़ार की छूट होती है व सीनियर सिटीजन को 50 हज़ार की छूट होती है जिसे बढ़ाकर अभी दुगना किया जा सकता है। (3) होम लोन पर अभी 2024 में ब्याज की टैक्स छूट है 2 लाखहै जिसे 3 लाख किए जाने की संभावना है। (4) सीनियर सिटीजन की आयकर टैक्स छूट सीमा धारा 80 टीटीबी धारा 80 डीडीबी 80 डी सहित पेंशन कटौती व आयकर स्लैब में वृद्धि मिलसकती है, चूँकि वैश्विक अनिश्चित के बीच विज़न 2047 के लिए विकास की गति को बनाए रखना बजट 2025-26 में एक चुनौती पुणे कार्य है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, केंद्रीय बजट 1 फरवरी 2025 में टैक्स सुधार कौशलता विकास कृषि उत्पादकता रोजगार सृजन व युवा गुणवत्ता सुधार सेक्टरों पर फोक़स संभावना।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन का इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारतीय बज़ट 1 फ़रवरी 2025-फ्री घोषणाओं पर रोक से बजट की सार्थकता बढ़ेगी- इकोनामिक ग्रोथ को प्रोत्साहन देने पर फोकस ज़रूरी।भारतीय बज़ट सत्र 2025 में आयकर अधिनियम 1961 के स्थान पर नया आयकर विधेयक लाने की संभावना।बज़ट 2025 में आम नागरिकों को क़र में राहत के साथ विज़न 2047 के लिए इकोनामिक ग्रोथ को प्रोत्साहन देने बजट पर फोकस करने व डॉलर के मुकाबले रुपए को मजबूत करने की रणनीति हो।

कारों वाले फीचर्स के साथ टीवीएस ने लॉन्च किया नया इलेक्ट्रिक कमर्शियल स्कूटर किंग ईवी मैक्स, जानें कितनी है कीमत

परिवहन विशेष न्यूज

टीवीएस किंग ईवी मैक्स स्कूटरभारतीय बाजार में TVS की ओर से दो पहिया वाहनों के साथ ही कमर्शियल वाहनों की बिक्री भी की जाती है। कंपनी की ओर से 20 जनवरी 2025 को नए कमर्शियल Electric Vehicle के तौर पर King EV Max को लॉन्च किया गया है। इसमें कितनी क्षमता की बैटरी को दिया गया है। कितनी कीमत पर इसे खरीदा जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख वाहन निर्माता के तौर पर TVS मोटर्स कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री करती है। कंपनी की ओर से जहां एक ओर दो पहिया वाहन सेगमेंट में कई बेहतरीन बाइक्स और स्कूटर को ऑफर किया जाता है। वहीं दूसरी ओर कंपनी की ओर से कमर्शियल वाहन सेगमेंट में भी वाहनों को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। 20 January 2025 को कंपनी ने कमर्शियल सेगमेंट में कमर्शियल तीन पहिया Electric Vehicle के तौर पर TVS King EV Max को लॉन्च किया है। इसकी कीमत क्या रखी गई है और किस तरह की खासियतों के साथ इसे लाया जाता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

TVS ने लॉन्च किया नया तीन पहिया स्कूटर King EV Max

टीवीएस मोटर्स की ओर से भारतीय बाजार में कमर्शियल सेगमेंट में नए तीन पहिया वाहन के तौर पर King EV Max को लॉन्च कर दिया गया है। कंपनी की ओर से इसमें दमदार बैटरी और रेंज को दिया गया है साथ ही कुछ बेहतरीन फीचर्स को भी दिया गया है।

क्या है खासियत

TVS की ओर से हाल में ही लॉन्च किए गए नए कमर्शियल इलेक्ट्रिक स्कूटर King EV Max को कई बेहतरीन फीचर्स के साथ लाया गया है। सेमी मोनोकॉक चेसिस को दिया गया है। जिसके साथ 185 एमएम की ग्राउंड क्लियरेंस दी गई है। स्कूटर को 500 एमएम पानी के बीच भी बिना किसी परेशानी चलाया जा सकता है। स्कूटर में कारों की तरह ही कनेक्टिड इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है, जिसमें ब्लूटूथ कनेक्टिवटी दी गई है। स्कूटर में टर्न बाय टर्न नेविगेशन, माइलेज साइन, इनकमिंग फोन नोटिफिकेशन, चार्जिंग स्टेशन लोकेटर, लाइव ट्रैकिंग के साथ ही सुरक्षा का भी काफी ध्यान रखा गया है। इसमें दिए गए ड्रम ब्रेक से स्कूटर को 200 मीटर में रोका जा सकता है। स्कूटर की स्टेबिलिटी को भी बेहतर किया गया है। बेहतर पावर और रोड ग्रिप को भी दिया गया है। एलईडी हेडलैंप, एलईडी डीआरएल को दिया गया है। हिल होल्ड असिस्ट, नए ग्रिल के साथ कॉपर फिनिश को दिया गया है।

कितनी दमदार बैटरी और मोटर

TVS King EV Max इलेक्ट्रिक स्कूटर में 9.2 kWh की क्षमता की बैटरी को दिया गया है। इसमें लगी मोटर से स्कूटर को 11 किलोवाट की पावर और 40 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। इसको 0-30 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चलाने में 3.7 सेकेंड का समय लगता है। 3.30 मिनट्स में 0-100 फीसदी तक चार्ज किया जा सकता है। इसकी रेंज 179 किलोमीटर की सर्टिफाइड रेंज दी गई है। ड्राइविंग के लिए तीन मोड्स दिए गए हैं जिसमें ईको, सिटी और पावर मोड हैं।

कितनी है कीमत

TVS King EV Max को भारत में 2.95 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर लॉन्च किया गया है। स्कूटर को तीन साल रोड साइड असिस्टेंस, छह साल या 1.5 लाख किलोमीटर की वारंटी के साथ ऑफर किया जा रहा है।

नई कावासाकी निंजा 500 भारत में हुई लॉन्च, नया पेंट स्कीम समेत मिले एडवांस फीचर्स

परिवहन विशेष न्यूज

कावासाकी निंजा 500 लॉन्च भारतीय बाजार में नई कावासाकी निंजा 500 को लॉन्च कर दिया गया है। इसे भारत में नए पेंट स्कीम के साथ लेकर आया गया है। इसमें किसी तरह का मैकेनिकल बदलाव नहीं किया गया है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 5.29 लाख रुपये रखी गई है जो पिछली से 5000 रुपये ज्यादा है। आइए जानते हैं कि नई Kawasaki Ninja 500 में क्या नया मिला है।

नई दिल्ली। कावासाकी निंजा 500 हमेशा से इस सेगमेंट में सबसे महंगी मोटरसाइकिलों में से एक रही है। 2025 मॉडल के साथ अब इसकी कीमत 5000 रुपये ज्यादा हो गई है। इसके 2025 कावासाकी निंजा 500 मॉडल को 5.29 लाख रुपये की एक्स-शोरूम कीमत में लॉन्च किया गया है। मोटरसाइकिल को नए पेंट स्कीम के साथ लेकर आया गया है। इसके मैकेनिकल में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं किया गया है।

डिजाइन

डिजाइन के मामले में नई Kawasaki Ninja 500 बाकी कावासाकी मोटरसाइकिल से कुछ अलग दिखाई देती है। यह एक स्पोशल सुपर-स्पोर्ट्स मोटरसाइकिल की तरह दिखाई देती है। इसमें पूरी तरह से नए एलईडी हेडलाइट और टेल लाइट दिए गए हैं, लेकिन इसमें हैलोजन इंडिकेटर का इस्तेमाल किया गया है।

इंजन

Kawasaki Ninja 500 में 451cc लिक्विड-कूल्ड, पैरेलल-ट्विन इंजन का इस्तेमाल किया गया है। इसमें लगा हुआ इंजन 45 PS की पावर और 42.6 Nm की टॉर्क जनरेट करता है। इसका इंजन एक सहज और रैखिक पावर डिलीवरी देता है। यह बंद हो चुके निंजा 400 जितना ही पावर देती है और करीब 5 Nm ज्यादा टॉर्क जनरेट करता है। जिसका सीधा मतलब है कि निंजा 500 बहुत ही आरामदायक स्थिति में चलती है।

सस्पेंशन

Ninja 500 में नॉन-एडजस्टेबल फ्रंट सस्पेंशन के साथ हाई टेंसिल स्टील फ्रेम दी गई है। मोटरसाइकिल की हैंडलिंग काफी आरामदायक है और यह कोनों में बेहतर तरीके से हैंडल होती है। इसका वजन 171 किलोग्राम है जो 451cc मोटरसाइकिल के लिए बहुत नही है।

एर्गोनॉमिक्स

एर्गोनॉमिक्स के मामले में Kawasaki Ninja 500 स्पोर्टी और आरामदायक राइडिंग पोजीशन के बीच एक बेहतरीन संतुलन देती है। इसमें हाई सेट क्लिप-ऑन और रियर-सेट फुटपेग दी गई है, जो निंजा 500 तो बहुत ही स्पोर्ट्स टूरिंग मोटरसाइकिल बनाते हैं।

फीचर्स

Kawasaki Ninja 500 फीचर्स के मामले में एडवांस सुविधाओं से लैस है। इसमें अपनी कीमत के हिसाब से सबसे बुनियादी मोटरसाइकिलों में से एक है। इसमें केवल स्विप और असिस्ट क्लच, डुअल चैनल ABS जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसमें नेविगेशन के बिना रंगीन LCD स्क्रीन दी गई है।

राइवल्स

भारतीय बाजार में Kawasaki Ninja 500 का मुकाबला अप्रिलिया RS 457 से देखने के लिए मिलेगा। यह भी कई बेहतरीन फीचर्स के साथ आती है। इसकी कीमत 4.20 लाख रुपये एक्स-शोरूम है।

ऑटो एक्सपो 2025 में हुई 124 गाड़ियां लॉन्च और पेश, जानिए किसने क्या दिखाया

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 के पहले दो दिनों में 90 से ज्यादा गाड़ियां लॉन्च की गई। इसमें सुपर बाइक, कार, बस और यहां तक कि एम्बुलेंस से लेकर कई एडवांस व्हीकल, कटिंग-एज मोबिलिटी सॉल्यूशन और लेटेस्ट कंपोनेंट को पेश किया गया। ऑटो एक्सपो 2025 में विनफास्ट ऑटो इंडिया से लेकर ZF ने अपने कई मॉडल को लॉन्च करने के साथ ही कई मॉडल को पेश किया।

1. Maruti Suzuki

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 के पहले दिन मारुति सुजुकी ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी e vitara को पेश किया। ई विटारा को लेवल 2 एडीएएस, सुजुकी कनेक्ट के साथ अगली पीढ़ी की कनेक्टिविटी जैसे फीचर्स से लैस किया गया है। इसके साथ ही, कंपनी ने अपने 7 कॉन्सेप्ट कार कार को भी पेश किया।

2. Suzuki Motorcycles

सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ऑटो एक्सपो के पहले दिन तीन नए प्रोडक्ट को पेश किया, जिसमें e-Access जो सुजुकी का पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर और बिल्कुल नया Access 125 और Gixxer SF 250 Flex Fuel जो भारत की पहली E85-compliant स्पोर्ट्स बाइक शामिल है।

3. Hero MotoCorp

ऑटो एक्सपो 2025 में हीरो मोटोकॉर्प ने कई नए मोटरसाइकिल को पेश किया, जिसमें 250cc की Xtreme 250R और Xpulse 210 के साथ अपने एडवेंचर लाइनअप को बढ़ाया। कंपनी ने स्कूटर सेगमेंट में Xoom 125 और Xoom 160 को पेश किया। इसके अलावा, हीरो ने अपनी पहली फ्लेक्स-फ्यूल मोटरसाइकिल, इथेनॉल-बेस्ड Hero HF Deluxe और VIDA V2 e-scooter को पेश किया।

4. BMW India

BMW इंडिया ने ऑटो एक्सपो में ऑल इलेक्ट्रिक BMW X1 Long Wheelbase को लॉन्च किया। इसकी कीमत 49 लाख रुपये है। इसमें लगा हुआ मोटर 204 hp की पावर और 250 Nm टॉर्क जनरेट करता है। यह सिंगल चार्ज में 531 km तक का रेंज देगी।

इसके साथ ही कंपनी ने 55.90 लाख रुपये की एक्स-शोरूम कीमत में MINI Cooper S John Cooper Works Pack को लॉन्च किया। इसके साथ ही कंपनी ने नई BMW X3 को भी लॉन्च किया, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 75.80 लाख रुपये से लेकर 77.80 लाख रुपये है।

इसके अलावा, BMW Motorrad India ने नई BMW S 1000 RR और BMW R 1300 GS Adventure को लॉन्च किया। S 1000 RR सुपरस्पोर्ट बाइक तो R 1300 GS एडवेंचर बाइक है। BMW S 1000 RR की कीमत 21.10 लाख रुपये तो R 1300 GS Adventure की कीमत 22.95 लाख रुपये हैं।

5. Mercedes-Benz

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में मर्सिडीज-बेंज ने अपनी शानदार लग्जरी EQS Maybach SUV 680 Night Series को लॉन्च किया। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 2.63 करोड़ रुपये है। वहीं, कंपनी ने Maybach GLS 600 को 3.71 करोड़ रुपये में लॉन्च किया।

6. Hyundai Motor

हुंडई मोटर इंडिया ने ऑटो एक्सपो में अपनी Hyundai CRETA Electric को लॉन्च किया। कंपनी इसे 17.99 लाख रुपकी की शुरुआती कीमत पर लेकर आई है।

हुंडई मोटर कंपनी ने एडवांस इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर और माइक्रो फोर-व्हीलर के 2 कॉन्सेप्ट मॉडल भी पेश किया। इसे कंपनी ने टीवीएस मोटर के साथ मिलकर बनाया है।

इनके साथ ही कंपनी भारत में Hyundai Starya और Ionic 9 को भी पेश किया। इन्हें जल्द ही भारत में लॉन्च किया जा सकता है।

7. MG Motors

MG मोटर्स ने MG Cyberster और MG M9 को भारत में पेश किया। इन दोनों को ही MG Select के तहत लग्जरी सेगमेंट में पेश किया गया है।

इसके साथ ही JSW MG Motor India ने MG Majestor को पेश किया। इनके साथ ही कंपनी ने IM5 सेडान, IM6 इलेक्ट्रिक SUV, MG HS PHEV और MG7 ट्रॉफी एडिशन भी पेश किया।

8. Tata Motors

टाटा मोटर्स ने ऑटो एक्सपो 2025 में ऑल-न्यू टाटा सिएरा को पेश किया। इसे फिर से कंपनी ने नए रंगरूप, डिजाइन और फीचर्स के साथ लेकर आई है। इसके साथ ही कंपनी ने Harrier EV, Safari और Avinya के भी पेश किया। इसके अलावा, कमर्शियल सेगमेंट में कई व्हीकल पेश किए, जिसमें इलेक्ट्रिक और ICE दोनों शामिल है।

9. Kia India

किआ इंडिया ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में नई Kia EV6 को पेश किया। इसे कई तरह के एडवांस फीचर्स से लैस किया गया है। इसकी बुकिंग शुरू कर दी गई है। वहीं, इसे मार्च में लॉन्च किया जा सकता है।

10. Porsche India

पोर्श इंडिया ने दो ग्राउंडब्रेकिंग बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स बिल्कुल नई Macan SUV और अपडेटेड Taycan sports saloon को लॉन्च किया। Macan की एक्स-शोरूम कीमत 1.21 करोड़ से लेकर 1.69 करोड़ रुपये तक है। वहीं, Taycan की कीमत 1.89 करोड़ रुपये से लेकर 2.52 करोड़ रुपये के बीच है।

11. Skoda Auto India

स्कोडा ऑटो इंडिया ने ऑटो एक्सपो 2025 में अपने आठ ICE और EV मॉडल को पेश किया। जिसमें Skoda Kylaq, Skoda Kylaq (Accessorised), Skoda Kushaq Monte Carlo, बिल्कुल नई Skoda Kodiaq, बिल्कुल नई Skoda Superb, Skoda Octavia vRS फेसलिफ्ट, Skoda Elroq, ओर Skoda Vision 7S कॉन्सेप्ट पेश किया।

12. VinFast

ऑटो एक्सपो के दूसरे दिन विनफास्ट ऑटो इंडिया ने भारतीय बाजार में अपने दो वाहनों के साथ अपनी एंट्री मारी। कंपनी ने ऑल-इलेक्ट्रिक प्रीमियम एसयूवी VF 7 और VF 6 के पेश किया। इसके साथ ही कंपनी ने अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटर, VF3 और कॉन्सेप्ट इलेक्ट्रिक पिकअप ट्रक को पेश किया।

13. BYD India

BYD इंडिया ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में BYD SEALION 7 प्योर परफॉर्मेंस eSUV को पेश किया। इसके साथ ही कंपनी ने BYD SEALION 6, DM-i तकनीक के साथ BYD सुपर प्लग-इन हाइब्रिड EV और शानदार Yangwang U8 को भी पेश किया।

14. Vayve Mobility

वायवे मोबिलिटी ने ऑटो एक्सपो 2025 में भारत की पहली सोलर इलेक्ट्रिक कार Eva को पेश किया। इसे तीन अलग-अलग ऑप्शन के साथ लेकर आया गया है, जो 9 किलोवाट-घंटे (Whr), 12 kWhr और 18 kWhr है। कंपनी ने इसे 3.25 लाख रुपये और 5.99 लाख रुपये के बीच लेकर आई है।

15. Sarla Aviation

India's first flying taxi Shunya

सरला एविएशन ने ऑटो एक्सपो 2025 में अपना पहले उत्पादन और भारत की पहली उड़ने वाली टैक्सी Shunya को पेश किया। इसमें 6 यात्री और एक पायलट की जगह है। इसे साल 2028 तक भारत में लॉन्च किया जा सकता है।

16. Greaves Cotton Limited

ग्रीव्स कॉटन लिमिटेड ने रेस और एग्जीक्यूटिव एडिशन समेत Ampere Nexus के प्रीमियम वेरिएंट को पेश किया। कंपनी ने ऑटो एक्सपो में Xyber' e-motorcycle को भी पेश किया, जो सिंगल चार्ज में 200 किमी तक का रेंज देगी।

17. VE Commercial Vehicles

वीई कमर्शियल व्हीकल्स ने 2-3.5T स्मॉल कमर्शियल व्हीकल (SCV) सेगमेंट में एंट्री मारी है। कंपनी ने Eicher Pro X Range को ऑटो एक्सपो में पेश किया। इसे लॉजिस्टिक्स लीडर्स के साथ मिलकर बनाया गया है। यह एक इलेक्ट्रिक-फर्स्ट रेंज मिड और लास्ट-माइल लॉजिस्टिक्स है।

18. Eka Mobility

कंपनी ने ऑटो एक्सपो 2025 में अब तक की सबसे बड़ी रेंज को पेश किया। इसमें इलेक्ट्रिक बसों, ट्रकों और छोटे कमर्शियल वाहनों (SCV) में 11 से अधिक अलग-अलग प्लेटफॉर्म शामिल है। कंपनी की तरफ से बस पोर्टफोलियो में EKA COACH, EKA 12M, EKA 9M, EKA LF (लो फ्लोर) और EKA 9M को पेश किया गया। इलेक्ट्रिक ट्रक सेगमेंट में EKA 55T और EKA 7T और EKA 3.5T, 2.5T, 1.5T, EKA 3W CARGO, EKA 6S और EKA 3S को उनके SCV रेंज के तहत पेश किया गया।

19. JBM Electric Vehicles

JBM इलेक्ट्रिक व्हीकल्स ने ऑटो एक्सपो 2025 में 4 बिल्कुल नई इलेक्ट्रिक बसों को पेश किया। इसमें लग्जरी कोच और मेडिकल मोबाइल यूनिट से लेकर इलेक्ट्रिक टरमैक कोच तक शामिल है। इसमें गैलेक्सी; इलेक्ट्रिक लग्जरी कोच, एक्सप्रेस; एक इंटरसिटी बस, ई-मेडीलाइफ; लो फ्लोर इलेक्ट्रिक मेडिकल मोबाइल यूनिट और ई-स्काईलाइफ; 9-मीटर इलेक्ट्रिक टरमैक कोच शामिल है।

20. Montra Electric

कंपनी की तरफ से 'EVIATOR' (e SCV) और सुपर कार्गो (e 3-व्हीलर) को पेश किया गया।

21. Pinnacle Industries

पिनेकल इंडस्ट्रीज ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में अपनी नई जनरेशन की एम्बुलेंस को पेश किया, जो AD-Gen Ultra, AD-Gen Ambulance, और Neonatal Ambulance है।

22. Numeros Motors

न्यूमेरॉस मोटर्स ने ई-स्कूटर Diplos Max को लॉन्च किया। कंपनी ने इसे 1,09,999 रुपये की शुरुआती कीमत में लॉन्च किया है। इसमें पीएम ई-ड्राइव स्कीम को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही कंपनी ने भारत का पहला बाइक-स्कूटर क्रॉसओवर भी पेश किया।

23. SML Isuzu

एसएमएल इसुजु ने ऑटो एक्सपो 2025 में अपने 4 मॉडल को लॉन्च किया, जो AASAI MX, Premium Hiroi Bus, ATS-125 Multi stretcher ambulance और Samrat XT Plus Tipper है।

24. Cummins Group

ऑटो एक्सपो 2025 में अपनी नए जनरेशनकी HELM (उच्च दक्षता, कम उत्सर्जन, कई ईंधन) इंजन प्लेटफॉर्म को पेश किया। इसमें L10 इंजन के साथ-साथ टाइप IV ऑन-व्हीकल स्टोरेज वेसल्स और अभिनव B6.7N प्राकृतिक गैस इंजन के साथ एक उन्नत हाइड्रोजन ईंधन वितरण प्रणाली (FDS) को शामिल किया गया है।

25. Godawari Electric Motors

Godawari Electric Motors

गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल शो 2025 में प्रोडक्शन पोर्टफोलियो में नए मॉडल को पेश किया। कंपनी ने एब्लू फियो जेड, एब्लू फियो डीएक्स का अनावरण किया और एब्लू रोजी ईसीओ को लॉन्च किया। एब्लू रोजी ईसीओ की कीमत 2,95,999 रुपये है।

26. Motovolt Mobility

ऑटो एक्सपो 2025 में मोटोवोल्ट मोबिलिटी ने इलेक्ट्रिक वाहनों को पेश किया। कंपनी ने भारत की पहली डिजिटल पेडल मोटरबाइक और एचयूएम एनवाईसी Hyper One, मल्टी-यूटिलिटी स्पीड पेडलेक को पेश किया।

26. Olectra GreenTech

ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड ने 12-मीटर ब्लेड बैटरी प्लेटफ़ॉर्म, 9-मीटर सिटी बस, 12-मीटर कोच बस और ब्लेड बैटरी चेसिस को पेश किया।

27. Omega

ओमेगा सेकी प्राइवेट लिमिटेड ने भारत मोबिलिटी 2025 में M1KA 1.0 इलेक्ट्रिक ट्रक लॉन्च किया। इसकी कीमत 6.99 लाख रुपये है। इसके साथ ही कंपनी ने M1KA 3.0 को पेश किया।

28. ICON

ICON ऑटोक्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड ने तीन अत्याधुनिक ऑटोमोटिव सॉल्यूशन को पेश किया, जो TruckMaster ट्रकों और बसों के लिए एक उन्नत व्हील अलाइनमेंट सिस्टम, SX 119 प्रो डुओ LNL, बेहतरीन टायर चेंजर और कारों के लिए एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (ADAS) है।

29. Supreme

सुप्रीम ने उन्नत ऑटोमोटिव ऑडियो उत्पाद पेश किए, जिनमें मोरेल सुप्रीमो स्पेशल एडिशन, एक फ्लैगशिप स्पीकर सिस्टम जिसमें हार्मोनिक डिस्टॉर्शन को कम करने के लिए अंडरहंग वॉयस कॉइल और कॉपर स्लीव्स हैं, मोरेल न्यू एक्टिव DSP इंटीग्रेशन सॉल्यूशन, एक कॉम्पैक्ट एम्पलीफायर जो OEM सिस्टम के साथ सहज एकीकरण सुनिश्चित करता है और हाई-फिडेलिटी ऑडियो सेटअप के लिए ऑनक्यो रेंज ऑफ़ वायरिंग एक्सेसरीज शामिल है।

30. ASK Automotive

ASK ऑटोमोटिव ने AISIN ASK उत्पाद रेंज के लॉन्च सहित अत्याधुनिक उत्पादों और तकनीकी प्रगति की एक श्रृंखला का प्रदर्शन किया। ASK ऑटोमोटिव लिमिटेड के एक संयुक्त उद्यम AISIN ASK इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने स्वतंत्र आफ्टरमार्केट क्षेत्र के लिए अभिनव यात्री कार उत्पाद पेश किए, जो भारत, नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में 4-व्हीलर यात्री कार बाजार में ASK ऑटोमोटिव की शुरुआत को चिह्नित करता है।

31. ZF

ZF ने अपने अगली जनरेशन की डिजिटल फ्लीट मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म, SCALAR को भारत में लॉन्च करने की घोषणा की है। भारत में पहली बार अपने X-by-Wire का भी प्रदर्शन किया, जिससे वाहन को बेहतर तरीके से कस्टमाइज़ किया जा सकेगा और सुरक्षा सुविधाएँ बढ़ाई जा सकेंगी।

ऑटो एक्सपो 2025 में होंडा ने शोकेस किए इलेक्ट्रिक स्कूटर होंडा एक्टिवा ई और क्यूसी1, जानें कितनी है रेंज और कीमत

परिवहन विशेष न्यूज

जापानी दो पहिया वाहन निर्माता Honda की ओर से भारतीय बाजार में दो नए Electric Scooters को पेश किया गया था। जिनको औपचारिक तौर पर Auto Expo 2025 में लॉन्च कर दिया गया है। कंपनी की ओर से इनको एक्सपो में भी शोकेस किया गया है। दोनों स्कूटर्स में किस तरह के फीचर्स और रेंज को दिया जाता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली में 17 से 22 जनवरी 2025 के बीच Bharat Mobility 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत हो रहे Auto Expo 2025 में कई बेहतरीन वाहनों को पेश और लॉन्च किया जा रहा है। Honda मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया की ओर से इस दौरान अपने Electric Scooters के तौर पर पेश किए गए Honda Activa E और Honda QC1 की कीमतों का एलान कर दिया गया है। कंपनी की ओर से इसमें किस तरह के फीचर्स को दिया गया है। कितनी रेंज के साथ इसे लाया गया है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Auto Expo 2025 में हुई कीमतों की घोषणा

Honda Motorcycle और Scooter India (HMSI) की ओर से Auto Expo 2025 के दौरान नवंबर 2024 में पेश किए गए Honda Activa E और QC 1 Electric Scooters की कीमतों की घोषणा कर दी गई है। कंपनी की ओर से इनको कई बेहतरीन फीचर्स के साथ लाया गया है।

Honda Activa E Features and Range

होंडा एक्टिवा इलेक्ट्रिक में कंपनी की ओर से कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया गया है। इसमें 1.5kW की क्षमता की दो बैटरी को दिया गया है। जिससे इसे 80 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चलाया जा सकता है। जिससे Honda Activa E को 102 किलोमीटर की रेंज मिलती है। Honda Activa E को 0-60 किलोमीटर की स्पीड हासिल करने में 7.3 सेकेंड का समय लगता है। इसमें राइडिंग के लिए ईकॉन, स्टैंडर्ड और स्पोर्ट मोड्स को दिया गया है। इसमें लगी हुई बैटरी 6 kW की पीक पावर और 22 Nm का टॉर्क जनरेट करती है। ACTIVA e में तीन राइडिंग मोड हैं, जो Econ, Standard और Sport है। इसमें कंपनी की ओर से सात इंच स्क्रीन, होंडा रोड सिंग ड्यूो एप को दिया है जिससे ओटीए अपडेट, कॉल, सर्विस के लिए उपयोग किया जा सकेगा। इसके अलावा इसमें बड़ी सीट, स्मार्ट की, यूएसबी सी और हुक, स्मार्ट कनेक्टिवटी, इनबिल्ट जीपीएरस, डे और नाइट मोड, नेविगेशन, जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

Honda QC1 Features and Range

Honda QC1 को 1.5 KWh की क्षमता का फिक्स बैटरी के साथ लाया गया है। इसको फुल चार्ज के बाद 80 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है। स्कूटर को 330 वॉट के ऑफ बोर्ड चार्जर से घर पर चार घंटे में 0-80 फीसदी और छह घंटे में 100 फीसदी चार्ज किया जा सकता है। इसकी अधिकतम पावर रेटिंग 1.8 kW और अधिकतम टॉर्क 77 Nm है। इसमें पांच इंच की स्क्रीन को दिया गया है। इसके अलावा इसमें 26 लीटर की क्षमता का अंडर सीट स्टोरेज को दिया गया है। इसे पर्ल सेरेनिटी ब्लू, पर्ल मिस्टी व्हाइट, मैट फॉगी सिल्वर मेटैलिक, पर्ल इग्नियस ब्लैक और पर्ल शैलो ब्लू कलर ऑप्शन में लाया गया है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में क्लासी रियर-व्यू मिरर, स्टाइलिश 12-इंच फ्रंट एलॉय व्हील दिए गए हैं।

Honda Activa E Price

होंडा की ओर से एक्टिवा के इलेक्ट्रिक वर्जन की एक्स शोरूम कीमत को 1.51 लाख रुपये रखी गई है। यह कीमत इसके Road Sync Duo वेरिएंट की है। इसके अलावा इसके सामान्य वेरिएंट को 1.17 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर खरीदा जा सकता है। यह कीमतें बेंगलुरू शहर की हैं।

Honda QC 1 Price

होंडा के फिक्स्ड बैटरी वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर Honda QC1 की एक्स शोरूम कीमत 90 हजार रुपये रखी गई है।

वारंटी और सर्विस

कंपनी की ओर से दोनों ही Electric Scooters पर तीन साल की वारंटी को दिया जा रहा है। इसके साथ ही केयर पैकेज के तहत पहले साल में तीन फ्री सर्विस और एक साल की रोड साइड असिस्टेंस को भी दिया जाएगा। वहीं Honda Care Plus Package में 9900 रुपये देने पर चार साल की अतिरिक्त एएमसी, दो साल की अतिरिक्त वारंटी और चार साल की अतिरिक्त रोड साइड असिस्टेंस को भी दिया जाएगा।

विजय गर्ग

चॉकबोर्ड से चैटबॉट तक: शिक्षा प्रौद्योगिकी का विकास

शिक्षा प्रौद्योगिकी की यात्रा सीखने की प्रक्रियाओं को नया करने और बेहतर बनाने की मानवता की निरंतर इच्छा को दर्शाती है। चॉकबोर्ड जैसे सरल टूल से लेकर अत्याधुनिक एआई-संचालित चैटबॉट तक, परिवर्तन उल्लेखनीय रहा है। इस विकास का एक सिंहावलोकन यहां दिया गया है:

1. पारंपरिक उपकरणों का युग (19वीं - 20वीं सदी की शुरुआत)

प्रमुख प्रौद्योगिकियाँ:

चॉकबोर्ड (1801): पाठों के लिए दृश्य सहायता प्रदान करके समूह शिक्षण में क्रांति ला दी।

मुद्रित पाठ्यपुस्तकें: मानकीकृत पाठ्यक्रम और सुसंगत जानकारी तक पहुंच प्रदान की गई।

प्रभावः इन उपकरणों ने शिक्षकों को बड़े समूहों के साथ ज्ञान साझा करने में सक्षम बनाकर संरचित, औपचारिक शिक्षा की नींव रखी।

2. एनालॉग इनोवेशन का युग (20वीं सदी के मध्य)

प्रमुख प्रौद्योगिकियाँ:

ओवरहेड प्रोजेक्टर (1930): स्लाइड और एनोटेशन के साथ गतिशील प्रस्तुतियों की अनुमति।

रेडियो और टेलीविजन: शैक्षिक प्रोग्रामिंग दूरस्थ शिक्षार्थियों तक पहुंची।

टाइपराइटर: लेखन और दस्तावेज़ीकरण कौशल विकसित करने में सहायता।

प्रभावः शिक्षा का कक्षाओं से परे विस्तार हुआ, रेडियो और टेलीविजन प्रसारण के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा को सक्षम बनाया गया।

3. डिजिटल क्रांति (20वीं सदी के अंत में)

प्रमुख प्रौद्योगिकियाँ:

पर्सनल कंप्यूटर (1980): शैक्षिक सॉफ्टवेयर के माध्यम से इंटरैक्टिव शिक्षण की शुरुआत की गई।

इंटरनेट (1990): वैश्विक ज्ञान और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों तक पहुंच प्रदान की।

इंटरएक्टिव व्हाइटबोर्ड्स (1991): चॉकबोर्ड की कार्यक्षमता को डिजिटल टूल के साथ संयोजित किया गया।

प्रभावः सीखना अधिक आकर्षक और सुलभ हो गया है, जिससे स्व-गति वाली शिक्षा को बढ़ावा मिला है।

4. मोबाइल और क्लाउड युग (2000 - 2010)

प्रमुख प्रौद्योगिकियाँ:

लैपटॉप और टैबलेट: सीखने को पोर्टेबल और लचीला बनाया गया।

शिक्षण प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस): केंद्रीकृत शैक्षिक सामग्री और मूल्यांकन।

एमओओसी (विशाल मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम): दुनिया भर में लाखों लोगों के लिए लोकतांत्रिक शिक्षा।

क्लाउड कंप्यूटिंग: शैक्षिक सामग्रियों का वास्तविक समय सहयोग और भंडारण सक्षम।

प्रभावः शिक्षा वैयक्तिकृत, सहयोगात्मक और चलते-फिरते अनुभवों की ओर स्थानांतरित हो गई है।

5. एआई और चैटबॉट युग (2020 - वर्तमान)

प्रमुख प्रौद्योगिकियाँ:

एआई-संचालित चैटबॉट: तत्काल प्रतिक्रिया, वैयक्तिकृत ट्यूशन और 24/7 सहायता प्रदान करें।

आभासी और संवर्धित वास्तविकता (वीआर/एआर): सीखने का गहन वातावरण बनाएं।

गेमिफिकेशन: सीखने को अधिक आकर्षक बनाने के लिए गेम मैकेनिक्स का उपयोग करता है।

डेटा एनालिटिक्स: विद्यार्थियों की प्रगति को ट्रैक करता है और उसके अनुसार पाठ तैयार करता है।

प्रभावः एआई और चैटबॉट अनुकूली, कुशल और अत्यधिक व्यक्तिगत शिक्षण अनुभव प्रदान करके शिक्षा में क्रांति ला रहे हैं। चैटजीपीटी जैसे उपकरण पहुंच को बढ़ाते हैं और समस्या-समाधान में रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं।

निष्कर्ष

चॉकबोर्ड से लेकर चैटबॉट तक, शिक्षा प्रौद्योगिकी ने लगातार सीखने को अधिक प्रभावी और समावेशी बनाने का लक्ष्य रखा है। जैसा कि हम आगे देखते हैं, एआई, वीआर और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों का एकीकरण शिक्षा के लिए और भी अधिक नवीन और सुलभ भविष्य को आकार देने का वादा करता है।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

तारों की धूल से बना है हमारा शरीर!

विजय गर्ग

जब हम अपने अस्तित्व पर विचार करते हैं, तो शायद ही कभी इस बात का अहसास होता है कि हमारी कहानी ब्रह्मांड के गहरे रहस्यों और तारों की प्राचीन प्रक्रियाओं से जुड़ी हुई है। एक हालिया अध्ययन ने इस अनोखी यात्रा पर प्रकाश डाला है, जिससे यह साबित होता है कि इंसानी शरीर में मौजूद तत्व जैसे कार्बन और आक्सीजन कभी गहरे अंतरिक्ष में तारों के बीच तैरते थे। यह अध्ययन वाशिंगटन विवि की शोधकर्ता समांथा गार्जा और उनकी टीम द्वारा किया गया है। उनके मुताबिक सुदूर अतीत में कार्बन एक विशाल 'गैलेक्टिक रीसाइक्लिंग सिस्टम' का हिस्सा था, जो तारे बनाने वाली ब्रह्मांडीय फैक्ट्री को चलाता रहा। इस शोध ने यह भी स्पष्ट किया कि हमारी आकाशगंगा दुग्धमेखला (मिल्की (a) आज भी नई तारों की रचना कर रही है। इसका मतलब है कि हमारे आसपास विद्यमान प्रत्येक कार्बन और आक्सीजन अणु ने इस अंतरगैलेक्टिक यात्रा को कम से कम एक बार जरूर पूरा किया है।

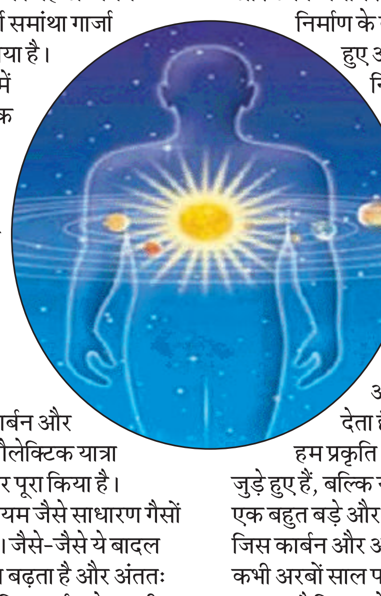

तारे हाइड्रोजन और हीलियम जैसे साधारण गैसों के विशाल बादलों से बनते हैं। जैसे-जैसे ये बादल सघन होते हैं, उनका तापमान बढ़ता है और अंततः एक तारे का जन्म होता है। लेकिन कई तारे अपनी यात्रा के अंत में सुपरनोवा में बदल जाते हैं। सुपरनोवा एक शक्तिशाली विस्फोट होता है जो तारे की बाहरी परतों को ब्रह्मांड में फैला देता है। यही वह प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से कार्बन, आक्सीजन और लोहे जैसे तत्वों का निर्माण होता है। ये तत्व ब्रह्मांड में बिखर जाते हैं और नए तारों, ग्रहों और जीवन निर्माण का आधार बनते हैं।

हमारा शरीर लगभग 96 प्रतिशत कार्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन और आक्सीजन जैसे तत्वों से बना है। ये सभी तत्व किसी न किसी तारे की रासायनिक प्रक्रियाओं का परिणाम हैं। जब सुपरनोवा विस्फोट के बाद तत्व ब्रह्मांड में फैलते हैं, तो वे ग्रहों और उनके पर्यावरण का हिस्सा बन जाते हैं। पृथ्वी के निर्माण के दौरान, ये तत्व हमारे ग्रह पर जमा हुए और जीवन के निर्माण में भूमिका निभाई। मानव शरीर में हर कोशिका और अणु इस प्रक्रिया की गवाही देता है। 'द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स' में प्रकाशित यह अध्ययन यह समझने में मदद करेगा कि ब्रह्मांडीय प्रक्रियाएं परस्पर कितनी जुड़ी हुई हैं।

जब हम यह जान जाते हैं कि हमारा शरीर तारों की धूल से बना है, तो यह हमें अपने अस्तित्व का एक नया दृष्टिकोण देता है। यह केवल यह नहीं दिखाता कि हम प्रकृति और ब्रह्मांड से कितने गहराई से जुड़े हुए हैं, बल्कि यह भी बताता है कि हमारा जीवन एक बहुत बड़े और प्राचीन चक्र का हिस्सा है। हम जिस कार्बन और आक्सीजन का उपयोग करते हैं, वह कभी अरबों साल पहले तारों का हिस्सा था। इसका मतलब है कि हमारे भीतर ब्रह्मांड का एक अंश बसा हुआ है। यह विचार हमें ब्रह्मांड के प्रति कृतज्ञता से भर देता है।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

मेरी समझ में ब्रह्मचर्य

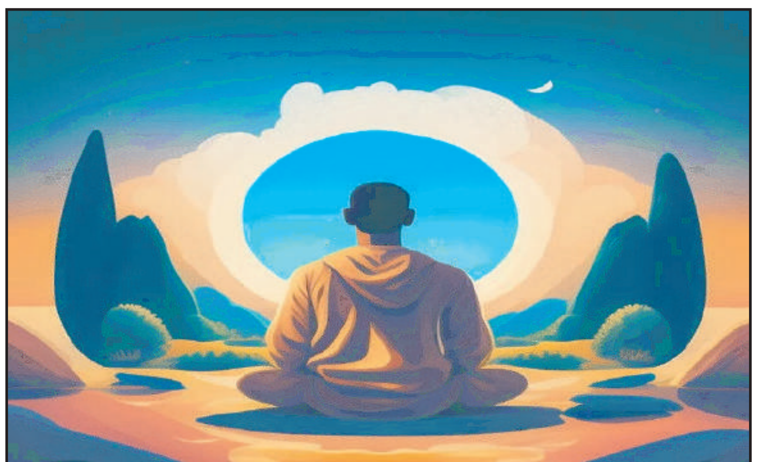

ब्रह्मचर्य स्वयं में विशाल अर्थ को संजोए हुए है इसका अर्थ मात्र वीर्य रक्षण ही नहीं लेना चाहिए, यदि आप वीर्य रक्षण कर रहे हैं तो यह भी अनुशीलन करते रहें की वीर्य रक्षा हो रही है या नहीं यदि नहीं हो रही तो कहीं न कहीं ब्रह्मचर्य को समझने में भूल की है। ब्रह्मचर्य अर्थात बड़ा आचरण, ईश्वर के द्वारा निर्दिष्ट आचरण, श्रेष्ठ आचरण, ब्रह्म आदि ऋषियों का आचरण। जब आप देखेंगे तो पायेंगे की ईश्वर के द्वारा निर्दिष्ट आचरण को ब्रह्मचर्य कहा गया है ईश्वर की आज्ञा के अनुसार आचरण

1. ब्रह्म मुहूर्त में जागना
2. प्राकृतिक तरीके से शौच जाना
3. प्राकृतिक तरीके से दांत साफ करना
4. व्यायाम/प्राणायम से शरीर को स्वस्थ रखना
5. शुद्ध सात्विक भोजन से शरीर के विकारों को दूर करना
6. सत्य बोलना
7. कम वस्तुओं का संग्रह करना
8. किसी को कष्ट न देना
9. सद्ग्रंथों को पढ़ना
10. सात्विक भजन सुनना

उपरोक्त नियमों को अपनाने के पश्चात जब व्यक्ति ब्रह्मचारी बन जाता है तब महर्षि पतंजलि कहते हैं। ब्रह्मचर्य प्रतिष्ठायां वीर्यलाभः अर्थात जब व्यक्ति ब्रह्मचर्य में प्रतिष्ठित हो जाता है तब उसे स्वतः ही वीर्य लाभ प्राप्त हो जाता है। उपरोक्त कर्मों को न करने वाला सात जन्मों में वीर्य नहीं संरक्षित कर सकता। अतः यदि ब्रह्मचर्य का पालन करना है तो पूर्णता करें अन्यथा मात्र वीर्य रक्षण करके स्वयं को ब्रह्मचारी न कहें।

आफत बनती जंगल की आग

विजय गर्ग

अमेरिका अब तक की सबसे भीषण आग से झुलस रहा है। इसके प्रांत कैलिफोर्निया के बड़े इलाके में जंगल धधक उठे हैं। दो दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। हजारों घर राख हो गए हैं। बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हो चुके हैं हजारों एकड़ क्षेत्र बर्बाद हो गया है। यह आग असाधारण इसलिए भी कही गई। क्योंकि आम तौर पर जनवरी में वहां जंगल की आग का कोई मौसम नहीं होता। दावा किया गया कि जलवायु परिवर्तन, ऊंचे तापमान, शुष्क मौसम और सूखे ने अचानक ऐसे हालात पैदा कर दिए कि भड़की चिंगारियों ने तेज हवाओं के संग खौफनाक रूप धर लिया और बड़े इलाके को इस तरह तबाह कर दिया, मानो वहां कोई बड़ा बम गिरा दिया गया हो।

पहली बार ऐसा लगा कि दुनिया का सबसे ताकतवर मुल्क, कैलिफोर्निया के लास एंजिलिस इलाके में बेहद तेजी से फैली आग के आगे निरुपाय हो गया। इस आग से निपटने की नीतियों को लेकर वहां राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। जहां तक पर्यावरणीय और वैज्ञानिक कारणों की बात है, तो अमेरिका के 'नेशनल ओसियानिक एंड एटमास्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन' (नोआ) का कहना है कि पिछले दो दशकों में पश्चिमी अमेरिका में जलवायु परिवर्तन के कारकों की अनदेखी ने जो हालात पैदा किए हैं, वे इस आग के लिए मुख्यतः जिम्मेदार हैं। आमतौर पर वहां मई जून से लेकर अक्तूबर के बीच जंगल की आग लगने की कुछ घटनाएं हर साल होती रही हैं, लेकिन इधर लगने लगा है कि इस आग की समयावधि का दायरा बढ़ गया है। इस बार सबसे पहले जंगल की आग कैलिफोर्निया के पैलिसेड्स इलाके में भड़की आसमानी बिजली या किसी इंसान की करतूत से छोटे स्तर पर जंगल में लगी आग वहां बहने वाली तेज हवाओं के कारण इस कदर बेकाबू हो गई कि एक बड़ा इलाका देखते-देखते राख हो गया, जहां हालीवुड की अनेक हस्तियों के आलीशान घर थे।

लास एंजिलिस के ईटन नामक उत्तरी हिस्से में लगी आग आल्टाडेना जैसे शहरों में फैल गई। कहने को तो यह सिर्फ जंगल की आग है, लेकिन जिन कारणों से अमेरिका बुरी तरह झुलसा है, उससे पूरी दुनिया में यह चिंता फैल रही है कि ऐसा तो कहीं भी और कभी भी हो सकता है। जलवायु परिवर्तन, गर्म और शुष्क मौसम और सूखे की स्थितियों में अमेरिका के इस इलाके में यह आग तब लगी, जब इसके लगने की कोई आशंका नहीं थी। यानी जिस मौसम में इन इलाकों के जंगल करीबन हर वर्ष या दूसरे वर्ष दहकते थे, वह मौसम अभी वहां आया ही नहीं था। इसलिए बेमौसम लगी जंगल की आग ने ऐसा तांडव मचा दिया कि महाशक्ति अमेरिका की सांसें भी फूल गई।

वन क्षेत्रों में आग लगने के सबसे अहम कारणों में सूखे का मौसम और तेज हवाओं के साथ आकाशीय बिजली गिरने को गिना जाता है, लेकिन लास एंजिलिस में फैली आग के पीछे इंसानी हाथ हो सकता है, ऐसा एक दावा कैलिफोर्निया की दमकल सेवा के प्रमुख डेविड एक्यूना ने किया। उन्होंने कहा कि इस इलाके में 95 फीसद आग इंसान ही लगाते आए हैं और हो सकता है कि इस बार भी ऐसा हुआ हो। मौसम विशेषज्ञों ने पश्चिमी अमेरिकी जंगलों में आग के खतरे और इसकी प्रमुख वजह के रूप में जलवायु परिवर्तन को चिह्नित किया है। जलवायु संकट से तापमान बढ़ा है, लंबे समय तक सूखे और शुष्क मौसम की स्थितियां बनी हैं, जिनसे अब पूरे वर्ष आग लगने और उसके फैल जाने की आशंका पैदा हो गई है। इसमें सितंबर के अंत से मई तक बीच-बीच में सौ मील या उससे ज्यादा रफ्तार से चलने वाली 'सेंटा एना' हवाओं ने आग में घी का काम किया है। कैलिफोर्निया के पहाड़ों से समुद्र की तरफ बहने वाली ये हवाएं जब जंगल की आग के साथ बहती हैं, तो त्रासदी कुछ उसी तरह बढ़ती है, जैसी इस बार बढ़ी है।

आमतौर पर जिन इलाकों में बारिश होती है, वहां अनुकूल वातावरण मिलने से पेड़-पौधे और जंगली इलाके में झाड़ियों की भरमार हो जाती है। गर्मियों में झाड़ियां और घास फूस सूख कर आग लगने का माहौल तैयार कर देते हैं। प्राकृतिक रूप से जंगलों में लगने वाली आग से वहां के पेड़-पौधों को निपटने का तरीका मालूम है। कहीं पेड़ों की मोटी छाल बचाव का काम करती हैं, तो कहीं आग लगने के बाद भी जंगल को फिर से फलने-फूलने आता है। अफ्रीका के सवाना जैसे घास के मैदानों में बार-बार आग लगती रहती है, लेकिन घास-फूस जल्दी जलने से आग का असर जमीन के अंदर, जड़ों तक नहीं पहुंचता। यही वजह है कि आग खत्म होते ही मैदान फिर से हरे हो जाते हैं। अगर घास-फूस में आग नहीं लगेगी, तो इसके विशाल ढेर आगे चल कर बारूद का काम करते हैं।

हमारे देश के उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के जंगलों की आग के पीछे भी कुछ ऐसे ही कारण हैं। यहां के जंगलों में चीड़ की बहुतायत है। जब चीड़ की पत्तियों के ढेर ज्यादा लग जाते हैं, तो जंगलों में जरा-सी चिंगारी विशाल रूप ले लेती है। उत्तराखंड के जंगलों में लगी के पीछे यही तथ्य बताया जाता है कि वहां हर साल करोड़ों टन चीड़ की सूखी पत्तियां जमा हो जाती हैं। सूखे मौसम में चीड़ की पत्तियों के ढेर किसी कारण आग पकड़ते हैं, तो यह प्रायः अनियंत्रित हो जाती है।

जंगल की आग बुझाने के तीन तरीके विशेषज्ञ सुझाते हैं। पहला, मशीनों जंगलों की नियमित सफाई हो। सूखी पत्तियों और झाड़ियों को समय रहते हटाया जाए, लेकिन यह बेहद महंगा विकल्प है। दूसरा विकल्प यह सुझाया जाता है कि मानव आबादी के नजदीकी जंगलों में नियंत्रित ढंग से आग लगाई जाए, ताकि गर्म मौसम में वहां खुद कोई आग न भड़के। अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका समेत कई देशों में यही किया जा रहा है, लेकिन इसके लिए भी काफी संसाधन चाहिए। तीसरा है कि पर्वतीय इलाकों में पलायन रोक कर जंगलों पर आश्रित व्यवस्था को बढ़ावा दिया जाए। इससे जंगलों की साफ-सफाई होगी और आग खतरे भी कम होंगे। अमेरिका के जिस इलाके में इस बार आग फैली है, अमीरों ने वहां की प्राकृतिक सुंदरता पर रीझ कर अपने आलीशान घर बनाए हैं। मगर इन लोगों की कोई भूमिका जंगलों की साफ-सफाई में रहती होगी, इसकी कोई सूचना नहीं है।

जहां तक हमारे देश की बात है, यहां नीति निर्माताओं और योजनाकारों ने जंगलों की आग की गंभीरता को ठीक से समझा नहीं है। इसलिए कहना मुश्किल है कि जंगल की आग को भड़कने से रोकने से संबंधित कोई भी तरीका उन्हें रास आएगा। ऐसे में इकलौता तरीका यही है कि सूचना मिलते ही विशालकाय बाल्टियों से लैस हेलिकाप्टर पानी के साथ दहकते जंगलों की तरफ रवाना किए जाएं। गांव, प्रशासन और सुरक्षा बल ऐसे नाजुक मौकों पर सजग रहें, लेकिन ये तरीके एक हद तक ही कारगर रहते हैं। अमेरिका में रोके नहीं रुक रही आग ने यह साबित कर दिया है।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

कामयाबी की कसौटी

विजय गर्ग

छोटी-छोटी सफलता के लम्हे भले ही क्षणिक हों, पर उनको एक लड़ी में पिरो दिया जाए तो कुछ अनोखा ही घटने लगता है। मन को असीम आनंद प्राप्त होता है। मसलन, बुखार होने पर भी खुद अपनी सही से देखभाल कर लेना। अपने लिए चाय खुद बनाना, किसी पंछी के लिए जूते के डिब्बे से घोंसला तैयार करना। यह ऐसी सुदर्शन और उपयोगी छोटी-छोटी बातें हैं कि आज विकसित देशों में अवसाद से उबरने के लिए कार्यशालाओं में इन तकनीकों का प्रयोग कर सकारात्मक रूप से सफलता पा रहे हैं। दरअसल, छोटी-छोटी सफलता से मिलने वाला संतोष एक ऐसी अनमोल भावना है, जिसे हम भीतर से महसूस करते हैं। इनकी याद भी रोमांचित कर देती है। दस मिनट में एक किलो मटर छील देना या एक दिन बाहर से बोतलबंद पानी न पीकर हैंडपंप या चापाकल तलाश करना भले ही औरों की नजर में बेहद सामान्य बात हो, मगर हमारे अनुभव के हिसाब से वह बेहद सुकूनदायक होती है। खुद लगाए गमले में फूल खिल जाए और वहां तितली भी आ जाए। यह एक ऐसी सफलता है, जिसे जागरूक लोग नजरअंदाज नहीं करते, बल्कि इस खुशी की दवा को तन-मन से ग्रहण कर खुद को मानसिक रूप से सेहतमंद रखते हैं।

कुछ लोग पैसा, नाम और सम्मान को महत्त्व देते हैं। ये जीवन में सुविधा और आडंबरी चमक-दमक लाने में सहयोग करते हैं। लेकिन इस क्रम में लोग अपनी सरलता को दरकिनार कर रहे हैं। चकाचौंध भरी सफलता बहुत सारे लोगों के दिल के समुद्री ज्वार की तरह ठाठें मारने लगती है। एक युग ऐसा भी था कि मनुष्य अपने मानव समाज के लिए पूजा के फूल की तरह भेंट चढ़ाने में खुद को संपूर्ण मानता था। अब तमाशा यह है कि भ्रष्टतम होने के लिए लोग चांदी का जूता खुशी-खुशी खा लेते हैं कि इससे सफलता का वरण हो सकेगा। फिर झूठी सफलता की बेहोशी के आलम में डूबे रहते हैं। कुछ लोग इन चीजों को ही असली सफलता नहीं मानते हैं। वे पंछियों को पिंजरे से आजाद कराना, झील के आसपास गंदगी न रहने देना, बगीचे के पौधों को सूखने से बचाना आदि में आनंद पा लेते हैं। इसके विपरीत कुछ लोग खूब दौलत एक 'करने को जीवन की सफलता मानते हैं। नाम, दाम और सम्मान को ही सफलता का पर्याय मान बैठते हैं। वे अपने रास्ते में आने वाली छोटी-छोटी सफलताओं को महत्त्व नहीं देते। मिसाल के तौर पर, किसी गरीब को तन भर कपड़ा, किसी का चुपचाप इलाज कराना, किसी से बहस न करके उसको विजेता बना देना या फिर अपना समय देकर किसी का अकेलापन भर देना उसको जताए बगैर। वे ऐसी बातों से जानबूझकर अपनी नजर फेर लेते हैं। हालांकि उनकी दिनचर्या भी आगे जाकर रंग दिखाने लगती है। कठोर बनकर सोने के सिक्के जमा करने का और खुद को कामयाब कहने का उनका यह नशा उनके सिर पर चढ़ने लगता है। धन की भारी झोली एक दिन उनके कपाल पर ही फट पड़ती है। उस समय उनकी पीड़ा बढ़ जाती है, जब मंहगा पलंग, कीमती भोजन, उच्च और खर्चीला जीवन-स्तर उनको मुहब्बत और आत्मिक सुख नहीं दे पाते हैं। फिर ऐसा दौर भी आता है कि ऐसे लोग जल्दी ही तनाव में घिरने लगते हैं। कुंठा की एक छोटी-सी चिंगारी भी महाविस्फोट कर सकती है। वे संभल नहीं पाते। निराशा उनको चिंदी-चिंदी करके बिखेर देती है। उनके मस्तिष्क का संयोजन ही कुछ ऐसा होता है।

आज विश्व स्तर पर जीवन परंपरा को सुधारने की कवायद चल रही है। हमको गिलास आधा भरा दिखाई देता है या आधा खाली, आज एक सफल जीवन इसी फलसफे के इर्द-गिर्द घूम रहा है। हमें धन दौलत के ढेर में केवल जिंदा नहीं रहना है, जीवन को जीना भी है। इसलिए भौतिकवाद की तरफ कम झुककर समाज, कुदरत और दूसरों की खुशी से मन ही मन लगाव रखना भी एक सफल जीवन का संकेत माना जा रहा है। दुनियाभर में अब कुछ दौलतमंद भी न केवल आत्महत्या कर रहे हैं, बल्कि उनके विक्षिप्त होने के मामले भी लगातार बढ़ रहे हैं। उनको ऐसा लगने लगा है कि कीमती से कीमती जीवन को तो जी लिया। अब शायद उनकी जिंदगी का कोई मकसद नहीं बचा। अगर कभी सीखा होता तो शायद वे जान लेते कि बाहर धूप में भूखे-प्यासे पंछी जरा-सा दाना- पानी पाकर उनको जीवन शक्ति देने वाले हैं। उनके मानसिक आवेग को किसी हद तक पाटने कोई आए भी तो कौन? देर-सवेर दौलत का कटु यथार्थ कंटक-सा चुभने लगता है। उनकी सफलता फिर उन पर ही उल्टा तीर लगाने लगती है।

कोई छोटा-सा काम करके सफल होने में वह ताकत होती है कि आनंद उस समय अपनी संपूर्ण हार्दिकता में होता है। पूरी कायनात पीठ थपथपाकर शाबाशी दे रही होती है। कुछ दार्शनिक ऐसा भी कहते हैं। कि ऊर्जावान रहना ही मानव होने की एक शर्त है। इस संसार के बेहद निराले रंग- रूप हैं, मगर यह उनका ही माना जाता है जो आशावादी हैं और जरा-सी प्यारी बात को भी दिल से महसूस करते हैं। किसी बुजुर्ग या असहाय सहयात्री को अपनी सुकून भरी सीट देकर खुद खड़े होकर यात्रा पूरी करते हुए लोग मन ही मन आनंद के पंख लगाकर उड़ रहे होते हैं। ऐसा करके वे अपने भीतर एक उत्पादक और सकारात्मक ऊर्जा को पनपने का अवसर देते हैं।

नशामुक्ति के रास्ते स्वस्थ भारत

विजय गर्ग

भारत विश्व की सबसे प्राचीन और समृद्ध संस्कृतियों में से है, लेकिन आज यह अनेक सामाजिक समस्याओं से जूझ रहा है। इनमें से एक समस्या नशे की बढ़ती लत है, जिसने न केवल समाज की जड़ों को कमजोर किया है, बल्कि नई पीढ़ी के भविष्य को भी अंधकारमय बना दिया है। युवा किसी भी राष्ट्र की रीढ़ होते हैं। उनकी ऊर्जा किसी भी देश की प्रगति और विकास की दिशा तय करती है। भारत विश्व का सबसे युवा देश है। यहां 65 फीसद से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है, लेकिन दुखद है कि देश आज नशे की समस्या समस्या से जूझ रहा है। नशा एक ऐसी बुराई है जो युवा वर्ग की क्षमता, नैतिकता और उनके उज्जवल भविष्य को निगल रही है। यह समस्या केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं, बल्कि इसका प्रभाव समाज और राष्ट्र के विकास पर भी पड़ता है। आजकल युवाओं में नशे की लत तेजी से बढ़ रही है। शराब, तंबाकू, गांजा, अफीम और नशीली दवाइयों के अलावा, आधुनिक समय में कोकीन, हेरोइन और 'सिंथेटिक ड्रग्स' का प्रचलन भी खूब बढ़ा है।

नशा एक ऐसी समस्या है, जो किसी भी व्यक्ति के जीवन को खोखला कर देता है। इसका असर नशा करने वाले व्यक्ति तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि नशे की लत का दायरा बहुत व्यापक होता है जो परिवार, समाज और यहां तक कि पूरे राष्ट्र को अपनी चपेट में ले लेता है। नशा करने वाला शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर कमजोर होने लगता है। लगातार नशा करने से हृदय रोग, फेफड़ों समस्या और लीवर खराब होने के साथ कैंसर और अन्य घातक बीमारियां हो सकती हैं। इसके अलावा व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है, जिससे वह वह दूसरी बीमारियों का भी शिकार बनता जाता है। यह नशा ही है जो तनाव, अवसाद, भूलने की बीमारी और आत्महत्या की प्रवृत्ति को जन्म देता है। व्यक्ति निर्णय लेने की क्षमता तक खो देता है, जिससे उसकी रोजमर्रा की जिंदगी पर गहरा असर पड़ता है। नशे की लत व्यक्ति के आचरण को बदल देती है। वह चिड़चिड़ा और असंवेदनशील हो जाता है। यह बदलाव उसकी हा है। सामाजिक प्रतिष्ठा और रिश्तों को प्रभावित करता है।

नशे पर होने वाला खर्च परिवार की आर्थिक स्थिति को कमजोर कर देता है। सीमित संसाधनों के बावजूद नशे की लत पूरा करने के लिए परिवार के अन्य सदस्यों की जरूरतों की अनदेखी की जाती है। नशा करने वाले व्यक्ति का स्वभाव आक्रामक हो जाता है, जिससे घरेलू हिंसा की घटनाएं बढ़ती हैं। महिलाएं और बच्चे इसके प्रमुख रूप से शिकार होते हैं। नशे की लत में डूबे पिता के बच्चे शिक्षा में पिछड़ने लगते हैं, क्योंकि घर के नकारात्मक माहौल के कारण उनका मानसिक और भावनात्मक विकास बाधित होता है कई बार बच्चे भी नशे की ओर आकर्षित हो जाते हैं। समाज एकजुटता और सामंजस्य से चलता है, लेकिन नशे की समस्या इसे गंभीर रूप से प्रभावित करती है। नशा करने वाला व्यक्ति अपनी लत पूरी करने के लिए गलत काम करने लगता है। इसके अलावा नशे की तस्करी और वितरण से जुड़े गिरोह समाज में असुरक्षा फैलाते हैं। शराब या अन्य मादक पदार्थों के नशे में वाहन चलाने से सड़क दुर्घटनाएं भी बढ़ती हैं। युवा पीढ़ी गलत आदतों को अपनाने लगती है, जिससे समाज का भविष्य खतरे में पड़ जाता है। नशा न केवल उनकी शिक्षा और करिअर को बाधित करता है, बल्कि उनके सपनों और तमाम संभावनाओं को भी नष्ट कर देता है। नशा करने के पीछे कई कारण हैं। तनाव, अवसाद, अकेलापन और असफलता के कारण लोग नशे की ओर आकर्षित होते हैं। दूसरी और रिश्तों से जुड़ी समस्याओं और बेरोजगारी के कारण भी युवा तनाव में आने से नशे का सहारा लेते हैं। कभ-कभी दोस्तों के प्रभाव में आकर भी नशा करने लगते हैं।

नशे की समस्या राष्ट्र की प्रगति और विकास को भी बाधित करती है। युवा पीढ़ी नशे के कारण कमजोर हो जाती है। इससे देश की उत्पादकता विकासशील क्षमता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके कारण होने वाले अपराध और दुर्घटनाएं भी देश की अर्थव्यवस्था पर भार डालती हैं। क पदार्थों की मादक तस्करी अक्सर अक्सर आतंकवादी गतिविधियों को फंड करने का जरिया बनती है। इससे देश की आंतरिक सुरक्षा को भी खतरा होता है। नशे की लत से उपजी समस्या केवल एक पीढ़ी तक सीमित नहीं रहती, बल्कि यह अगली पीढ़ी को भी प्रभावित करती है। गर्भवती महिलाओं द्वारा नशा करने से नवजात बच्चों पर इसका सीधा प्रभाव पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में शारीरिक विकृतियां और मानसिक समस्याएं आम हैं। इसका समाधान केवल कानून बना कर या सजा देकर संभव नहीं है। इसके लिए समाज को एकजुट होकर काम करना होगा। हर व्यक्ति को समझना होगा कि नशा एक धीमा जहर है, जो न केवल उसे बल्कि उसके आसपास के हर इंसान को प्रभावित करता है। जब तक हम इसके दुष्परिणामों को समझ कर इसे जड़ इसे मिटाने का प्रयास नहीं करेंगे, तब तक एक स्वस्थ और समृद्ध भारत का सपना अधूरा रहेगा।

भारत को नशामुक्त बनाना केवल सरकार की ही नहीं, हर नागरिक की जिम्मेदारी है। लोगों को नशा मुक्त बनाने के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण कदम उठाना जरूरी है। स्कूलों और कालेजों में नशे के दुष्प्रभावों पर आधारित विशेष कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। सोशल मीडिया, टीवी और अन्य माध्यमों से युवाओं को जागरूक किया जाना चाहिए। युवाओं को यह समझाया जाए कि नशा एक झूठा सहारा है और यह उनके जीवन को बर्बाद कर सकता है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। युवाओं के लिए नशे की चीजें सुलभ न हों, इसके लिए पुलिस और प्रशासन को सतर्क रहना चाहिए। माफिया और अवैध नशीले पदार्थों के नेटवर्क को खत्म करना आवश्यक है। नशे के शिकार लोगों के के लिए अधिक पुनर्वास केंद्र खोले जाएं। प्रशिक्षित मनोचिकित्सकों और काउंसलरों की नियुक्ति हो। परिवारों को चाहिए कि वे बच्चों के साथ संवाद बढ़ाएं और उनकी समस्याओं को समझें। बच्चों को सकारात्मक माहौल दें, ताकि वे किसी भी तनाव या दबाव में न आएं। नशा करने वालों को नकारने के बजाय उन्हें सुधारने की कोशिश करनी चाहिए। युवाओं को खेल, संगीत, कला और अन्य रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित किया। जाए।

नशा केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे देश को कमजोर करता है। अगर भारत को विश्वगुरु बनने की दिशा में बढ़ना है, तो नशे जैसी बुराई ई को खत्म करना आवश्यक है। यह तभी संभव है जब हम सब मिल कर प्रयास करें। नशामुक्त भारत का सपना तभी साकार होगा, जब हर नागरिक न केवल स्वयं नशे से दूर रहे, बल्कि दूसरों को इसके दुष्परिणामों से अवगत कराए। युवाओं को नशे के चंगुल से बाहर निकालना बेहद जरूरी यह केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक कदम है। युवाओं को नशे से मुक्त करना सिर्फ एक समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि यह एक स्वस्थ, समृद्ध और खुशहाल भारत के निर्माण का आधार है। नशामुक्त युवा ही सशक्त भारत का निर्माण कर सकता है।

क्या ग्रामीण भारत की विकास गाथा का लाभ उठाने का यह सही समय है?

परिवहन विशेष न्यूज

पिछले दो दशकों में ग्रामीण प्रति व्यक्ति आय 9% की प्रभावशाली चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) से बढ़ी है जबकि शहरी क्षेत्रों की वृद्धि दर 7.6% रही है। पिछले दो दशकों में ग्रामीण प्रति व्यक्ति आय 9% की प्रभावशाली चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) से बढ़ी है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में स्थिरता के कारण ग्रामीण भारत निवेश के लिए एक आकर्षक क्षेत्र बन गया है।

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024 तक, ग्रामीण भारत की प्रति व्यक्ति आय 2,058 डॉलर तक पहुंच गई, जो एक बड़ी उपलब्धि है। यह उपलब्धि शहरी भारत ने वित्त वर्ष 2012 में हासिल की थी। यह आंकड़ा बताता है कि ग्रामीण भारत का आर्थिक विस्तार हो रहा है, जिसका भारत की GDP पर भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा।

पिछले दो दशकों में, ग्रामीण प्रति व्यक्ति आय 9% की प्रभावशाली चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) से बढ़ी है, जबकि शहरी क्षेत्रों की वृद्धि दर 7.6% रही है। इस बदलाव को दर्शाते हुए, खाद्य पदार्थों पर ग्रामीण खर्च, जो 1990 में कुल मासिक खपत का 59% था, वित्त वर्ष 2023 में घटकर 46.4% रह गया है। यह गैर-आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं पर खर्च के क्रमिक विविधीकरण (gradual diversification) को दर्शाता है।

ग्रामीण भारत की आर्थिक प्रगति के पीछे सरकारी पहलकदमियां हैं, जो ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू की गई हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (MGNREGS) जैसे कार्यक्रम ग्रामीण परिवारों के वयस्क सदस्यों को 100 दिनों का रोजगार प्रदान करते हैं।

इससे सड़कों के माध्यम से देश के गांवों को जोड़ा जा रहा है। लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे सब्सिडी हस्तांतरण संभव हो रहा है, जिससे बचत बढ़ रही है और महंगे अनौपचारिक लोन पर निर्भरता कम हो रही है। इन प्रयासों के तहत, राज्य सरकारों ने सामूहिक रूप से ₹3.1 ट्रिलियन सालाना (भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 1.1%) मूल्य के वेलफेयर और सब्सिडी कार्यक्रम शुरू किए हैं।

प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि, साइक्लिकल डिमांड में सुधार, और बाहरी चुनौतियों के बावजूद ग्रामीण अर्थव्यवस्था में स्थिरता के कारण ग्रामीण भारत निवेश के लिए एक आकर्षक क्षेत्र बन गया है। वर्षों के ठहराव के बाद, ग्रामीण मजदूरी में वृद्धि ने इसे और गति दी है। जलाशयों में पर्याप्त जल स्तर, सरकारी रोजगार योजनाओं से बढ़ती श्रम मांग, और गैर-कृषि क्षेत्रों में बढ़ती भागीदारी से मजदूरी में सकारात्मक वृद्धि हो रही है।

हाल ही में, अग्रणी कंज्यूमर स्टेपल कंपनियों के बयानों से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की संभावनाओं को बल मिला है। ये कंपनियां ग्रामीण बाजारों में मजबूत मांग की उम्मीद कर रही हैं। ग्रामीण भारत में हो रहा परिवर्तन न केवल क्षेत्रीय विकास को दर्शाता है, बल्कि एक व्यापक आर्थिक बदलाव को भी दिखाता है, जो उपभोग पैटर्न, निवेश के अवसरों, और देश के विकास की दिशा को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है।

Accelerate Finserv प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर और सीईओ विपिन बहल का कहना है कि ICICI Prudential Rural Opportunities Fund एक ऐसा फंड है, जिसके माध्यम से निवेशक ग्रामीण भारत के विकास में अपना योगदान दे सकते हैं। ICICI Prudential Mutual Fund द्वारा लॉन्च की गई यह ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम ग्रामीण भारत के विकास को आगे बढ़ाने वाले और उससे लाभ उठाने वाले सेक्टर्स/कंपनियों पर केंद्रित है। न्यू फंड ऑफर (NFO) 9 जनवरी से 23 जनवरी, 2025 तक खुला है।

गोल्फ कोर्स, रियल एस्टेट, मीडिया बिजनेस... आखिर कितने रईस हैं ट्रंप?

नई दिल्ली। डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बन गए हैं। पहले कार्यकाल के बाद हुए चुनाव में हारने के बाद ट्रंप की सत्ता में वापसी किसी करिश्मे से कम नहीं है। ट्रंप चुनावी मैदान में उतरने से पहले बड़े कारोबारी थे। उनका बिजनेस रियल एस्टेट से लेकर मीडिया टेक्नोलॉजी तक फैला हुआ है। आइए जानते हैं कि ट्रंप के पास कुल कितनी संपत्ति है।

डोनाल्ड ट्रंप के पास कितनी दौलत

डोनाल्ड ट्रंप ने 2016 में पहली बार राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी का घोषणा की थी। उस वक्त ट्रंप की संपत्ति 4.5 अरब डॉलर थी। हालांकि, राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप की दौलत घट गई थी। यह 2020 में 4.5 अरब डॉलर से घटकर 2.1 अरब डॉलर पर आई। हालांकि, राष्ट्रपति पद का कार्यकाल खत्म होने के बाद ट्रंप की संपत्ति में फिर से बढ़ोतरी दर्ज की गई।

ट्रंप की नेटवर्थ 2022 में 3 और नवंबर 2024 तक 7 अरब डॉलर के पार पहुंच गई है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक, नवंबर 2024 में ट्रंप की नेटवर्थ 7.7 अरब डॉलर थी। इसका मतलब है कि करीब 64,855 करोड़ रुपये।

ट्रंप के प्रमुख बिजनेस क्या हैं?

डोनाल्ड ट्रंप की नेटवर्थ में सबसे बड़ा हिस्सा ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप का है। उनके पास कई गोल्फ क्लब, रिसॉर्ट्स और बंगले भी हैं। ट्रंप को रियल एस्टेट कारोबार विरासत में मिला है। उनके पिता फ्रेड ट्रंप न्यूयॉर्क के सबसे सफल रियल एस्टेट कारोबारियों में गिने जाते थे।

डोनाल्ड ट्रंप ने 1971 में अपने पिता का बिजनेस संभाला और उसे तेजी से आगे बढ़ाया। उन्होंने तमाम लग्जरी बिल्डिंग बनवाईं। इनमें ट्रंप पैलेस, ट्रंप वर्ल्ड टावर, ट्रंप इंटरनेशल होटल एंड रिसॉर्ट शामिल हैं।

ट्रंप का भारत में निवेश कितना है?

डोनाल्ड ट्रंप के भारत में भी कई बड़े प्रोजेक्ट हैं। यहां दो ट्रंप टावर तैयार हो चुके हैं। एक पुणे और दूसरा मुंबई में। वहीं, गुरुग्राम और कोलकाता में दो नए ट्रंप टावर बन रहे हैं। अभी भारत में कम से कम चार और ट्रंप टावर बनाने का प्लान है। इससे भारत ट्रंप ब्रांड के लिए सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय बाजार में से एक बन जाएगा।

ट्रंप के पास है महल जैसा मेंशन

Donald Trump के पास कई लग्जरी प्रॉपर्टीज हैं। वह 1 करोड़ डॉलर कीमत के खूबसूरत मेंशन के मालिक हैं। वह पहले कार्यकाल के बाद हुए चुनाव में हार गए थे। तब वह व्हाइट हाउस को छोड़ने के बाद इसी मेंशन में रहते हैं। यह मेंशन 1927 में बना था। इसे ट्रंप ने 1985 में खरीदा था।

यह मेंशन 20 एकड़ के दायरे में फैला है। इसमें 58 बेडरूम, 33 बाथरूम, 12 फायरप्लेस, एक स्पा, स्विमिंग पूल, टेनिस कोर्ट और गोल्फ कोर्स है। ट्रंप के पास न्यूयॉर्क, मैनहट्टन समेत सेंट मार्टिन, वर्जीनिया में भी आलीशान घर हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में विकास के अवसर क्या हैं, और निवेशक किस तरह से उठा सकते हैं फायदा

tपरिवहन विशेष न्यूज

बेहतर कनेक्टिविटी उच्च शिक्षा तक पहुंच और कृषि पर कम निर्भरता ग्रामीण भारत के आर्थिक परिदृश्य को बदल रही है। देश की 64% आबादी गांवों में रहती है और सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में 44% का योगदान देती है। यह असंतुलन धीरे-धीरे कम हो रहा है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में निवेश अगले दो दशकों में भारत की विकास गाथा को आकार देगा और निवेशकों के लिए आकर्षक अवसर भी प्रदान करेगा।

नई दिल्ली। भारत बदलाव के मुहाने पर खड़ा है, और आर्थिक विकास की अगली लहर गांवों से शुरू होने वाली है, जिसे महात्मा गांधी ने भारत की आत्मा माना था। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार के प्रभावशाली कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार करेंगे और उनके जीवन की गुणवत्ता बढ़ाएंगे। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में निवेश अगले दो दशकों में भारत की विकास गाथा को आकार देगा और निवेशकों के लिए एक आकर्षक अवसर भी प्रदान करेगा।

ग्रोथ फाउंडेशन

देश की 64% आबादी गांवों में रहती है और सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में 44% का योगदान देती है। यह असंतुलन धीरे-धीरे कम हो रहा है, जिसका श्रेय सरकार के ठोस प्रयासों को जाता है। इन प्रयासों में सन 2000 से अब तक 7.2 लाख किलोमीटर ग्रामीण सड़कें बनाना, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2.1 करोड़ घर बनाना, 100% ग्रामीण विद्युतीकरण और 73% साक्षरता दर शामिल हैं।

बेहतर कनेक्टिविटी, उच्च शिक्षा तक पहुंच, और कृषि पर कम निर्भरता ग्रामीण भारत के आर्थिक परिदृश्य को बदल रही है। ग्रामीण क्षेत्र के सकल मूल्य वर्धित (Gross Value Added - GVA) में कृषि का योगदान वित्त वर्ष 1994 में 56% से घटकर वित्त वर्ष 2022 में 40% हो गया है। वहीं, गैर-कृषि गतिविधियों जैसे मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस और कंस्ट्रक्शन का योगदान इसी अवधि में 44% से बढ़कर 60% हो गया है। यह बदलाव कृषि से धीरे-धीरे दूरी का संकेत देता है, जो वर्तमान में 41.5% आबादी को रोजगार देने के बावजूद राष्ट्रीय GDP का केवल 16% हिस्सा है।

अगली लहर: मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर

ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक पुनरुत्थान के पीछे अवसरों की व्यापक श्रृंखला है। ट्रैक्टर और उपभोक्ता वस्तुओं जैसे पारंपरिक ग्रामीण-केंद्रित उद्योगों के विपरीत, यह लहर बैंकिंग, पैसेंजर कारों और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स जैसे क्षेत्रों तक फैल रही है। ग्रामीण भारत तेजी से आर्थिक विकास का इंजन बन रहा है और देश की विकास गाथा को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है। ग्रामीण औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई सरकारी कार्यक्रम सतत विकास का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। यह बदलाव भारत के लिए नए अवसर खोलता है, खासकर उन ग्रामीण क्षेत्रों में जहां प्रमुख सेक्टर्स की पहुंच अभी भी सीमित है।

निवेश का अवसर

ग्रामीण विकास के अवसर का लाभ उठाने वाले इच्छुक निवेशक ICICI Prudential Rural Opportunities Fund पर विचार कर सकते हैं। यह ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम उन सेक्टर्स और कंपनियों में निवेश करती है, जो ग्रामीण भारत के विकास को प्रोत्साहित कर रहे हैं और उससे लाभान्वित हो रहे हैं। न्यू फंड ऑफर (NFO) 9 जनवरी से 23 जनवरी, 2025 तक उपलब्ध है।

बजट में सीमा शुल्क स्लैब को 40 से घटाकर पांच करने का सुझाव, जानें क्या होगा इसका असर

परिवहन विशेष न्यूज

जीटीआरआई ने देश के औसत सीमा शुल्क को लगभग 10 प्रतिशत तक कम करने का सुझाव देते हुए कहा कि इस मकसद को किसी बड़े राजस्व नुकसान के बगैर भी हासिल किया जा सकता है। फिलहाल 85 प्रतिशत शुल्क राजस्व केवल 10 प्रतिशत आयात शुल्क श्रेणियों से आता है जबकि 60 प्रतिशत शुल्क श्रेणियों का राजस्व में तीन प्रतिशत से भी कम अंशदान है।

नई दिल्ली। आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने सोमवार को कहा कि आगामी बजट में सरकार को सीमा शुल्क स्लैब को 40 से घटाकर पांच करके शुल्क संरचना आसान बनाना चाहिए। साथ ही यह सुनश्चित करना चाहिए के आयात बिलों में कटौती, मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात को बढ़ाने के लिए कच्चे माल पर कम कर लगाया जाए।

जीटीआरआई ने एक रिपोर्ट में भारत के सीमा शुल्क ढांचे को परिष्कृत करने, अंतरराष्ट्रीय जांच से बचने और शुल्क को राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप रखने के लिए शुल्क नीतियों की अंतर-मंत्रालयी समीक्षा की मांग की।

जीटीआरआई ने देश के औसत सीमा शुल्क को लगभग 10 प्रतिशत तक कम करने का सुझाव देते हुए कहा कि इस मकसद को किसी बड़े राजस्व नुकसान के बगैर भी हासिल किया जा सकता है। फिलहाल 85 प्रतिशत शुल्क राजस्व केवल 10 प्रतिशत आयात शुल्क श्रेणियों से आता है, जबकि 60 प्रतिशत शुल्क श्रेणियों का राजस्व में तीन प्रतिशत से भी कम अंशदान है।

सीमा शुल्क से कितनी होती है कमाई?

रिपोर्ट के मुताबिक, सीमा शुल्क की भारत के सकल कर राजस्व में हिस्सेदारी घटकर सिर्फ 6.4 प्रतिशत रह गई है जबकि कारपोरेट कर (26.8 प्रतिशत), आयकर (29.7 प्रतिशत) और जीएसटी (27.8 प्रतिशत) इससे काफी आगे हैं।

रिपोर्ट कहती है, 'सीमा शुल्क के स्लैब को 40 से घटाकर पांच पर लाना, अधिकतम शुल्क को 50 प्रतिशत पर सीमित करना और यह सुनिश्चित करना कि कच्चे माल पर तैयार माल की तुलना में कम कर लगाया जाए, आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देगा, आयात निर्भरता को कम करेगा और निर्यात बढ़ाने में मदद करेगा।'

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ सकती है टैरिफ वॉर

इस बीच वैश्विक स्तर पर टैरिफ वॉर गहराने की आशंका है। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। इसे लेकर कनाडा भी जवाबी टैरिफ की तैयारी कर रहा है। इस बीच, कनाडा के कार्यवाहक प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने रविवार को कहा कि कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने के बारे में ट्रंप की टिप्पणी ने अमेरिकी उपभोक्ताओं को भारी टैरिफ से होने वाले नुकसान से ध्यान भटका दिया है।

ट्रूडो ने एमएसएनबीसी को दिए साक्षात्कार में कहा कि कोई भी अमेरिकी कनाडा से आने वाली बिजली या तेल और गैस के लिए 25 प्रतिशत अधिक भुगतान नहीं करना चाहेगा। मुझे लगता है कि लोगों को इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

शेयर बाजार में हाहाकार! चार दिन में निवेशकों के 24.69 लाख करोड़ रुपये डूबे, रुपया भी बेहाल

नई दिल्ली। इक्विटी मार्केट में पिछले 4 कारोबारी सत्रों की गिरावट से निवेशकों का भारी नुकसान हुआ है। उनके करीब 24.69 लाख करोड़ रुपये डूब गए। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और विदेशी फंड की निरंतर निकासी से सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार गिरावट आ रही है।

वहीं, अमेरिका में मजबूत रोजगार आंकड़ों ने आग में घी डालने का काम किया, क्योंकि इससे ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम हो गई। वहीं, रुपये में भी लगभग दो साल में सबसे बड़ी एक दिन की गिरावट आई। इससे भी निवेशकों का हौसला पस्त हो गया।

चार सत्र में 2.39 फीसदी गिरा सेंसेक्स

पिछले चार कारोबारी सत्रों में बीएसई सेंसेक्स 1,869.1 अंक या 2.39 प्रतिशत गिरा है। शुक्रवार को लगातार चौथे सत्र में गिरावट के साथ, 30 शेयरों वाला बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 1,048.90 अंक या 1.36 प्रतिशत गिरकर अंत में 76,330.01 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान यह 1,129.19 अंक या 1.45 प्रतिशत गिरकर 76,249.72 पर आ गया।

बीएसई में सूचीबद्ध फर्मों का बाजार पूंजीकरण चार दिनों में 24,69,243.3 करोड़ रुपये घटकर 4,17,05,906.74 करोड़ रुपये (4.82 ट्रिलियन डॉलर) रह गया। सोमवार को शेयरों में तेज गिरावट के साथ ही बीएसई में सूचीबद्ध फर्मों का बाजार पूंजीकरण 5 ट्रिलियन डॉलर के स्तर से नीचे चला गया। अकेले सोमवार को निवेशकों की संपत्ति में 12.61 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई।

क्या है एक्सपर्ट की राय

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड में रिसर्च और वेल्थ मैनेजमेंट के हेड सिद्धार्थ खेमका का कहना है, 'इस महीने विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली 20,000 करोड़ रुपये को पार कर गई। इससे बाजार में नेगेटिव सेंटिमेंट को बढ़ावा मिला। अमेरिकी गैर-कृषि पेरोल आंकड़ों के अपेक्षा से अधिक मजबूत होने के कारण भारतीय रुपया सत्र के दौरान डॉलर के मुकाबले नए निचले स्तर पर पहुंच गया। इसने सेंटिमेंट को और भी कमजोर कर दिया।'

खेमका कहना है कि अमेरिकी प्रतिबंध बढ़ने से बीच तेल की कीमतें तीन महीने से अधिक समय में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह रूस से क्रूड ऑयल सप्लाई बाधित होना है। इसने वैश्विक अनिश्चितता को बढ़ा दिया है।

किस शेयर का कैसा रहा प्रदर्शन

अगर 30 शेयरों वाले ब्लू-चिप पैक की बात करें, तो जोमैटो में 6.50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट और सन फार्मा को भी काफी नुकसान हुआ। इसके उलट एक्सिस बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर और इंडसइंड बैंक में तेजी देखने को मिली।

हालांकि, सबसे अधिक मार मिड कैप और स्मॉल कैप शेयरों पर पड़ी। इनमें से अधिक स्टॉक 4 से 5 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। एक्सपर्ट का मानना है कि कच्चे तेल का दाम बढ़ने से मुद्रास्फीति में भी उछाल आएगा। इससे बाजार का सेंटिमेंट और भी खराब होने की आशंका है।

रुपये में दो साल की सबसे बड़ी गिरावट

अमेरिकी मुद्रा में मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच रुपया सोमवार को डॉलर के मुकाबले दो साल में एक दिन की सबसे बड़ी 58 पैसे की गिरावट के साथ 86.62 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले छह फरवरी, 2023 को रुपये में 68 पैसे की बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.12 के भाव पर खुला और कारोबार के दौरान एक बार 86.11 पर पहुंचा। हालांकि अधिकांश समय यह नकारात्मक दायरे में ही रहा। पिछले दो सप्ताह में रुपये में अमूमन गिरावट का ही रुख रहा है। रुपया 30 दिसंबर को 85.52 के स्तर पर बंद होने के बाद से पिछले दो सप्ताह में एक रुपये से अधिक की बड़ी गिरावट देख चुका है।

जल्द करें ये काम, वरना नहीं मिलेगा पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त का लाभ

अब तक पीएम किसान योजना की 18 किस्तों के माध्यम से देश के करोड़ों किसानों के खाते में आर्थिक मदद भेजी जा चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल 5 अक्टूबर को महाराष्ट्र में पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 18वीं किस्त जारी की थी। आइए जानते हैं कि पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त कब जारी होगी और इसका लाभ उठाने के लिए आपको क्या करना होगा।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त जल्द जारी करने वाली है। इस योजना के तहत पात्र किसानों को साल में 6 हजार रुपये की आर्थिक मदद मिलती है। यह आर्थिक मदद तीन किस्तों में मिलती है। हर किस्त में सरकार 2-2 हजार रुपये सीधे किसानों के खाते में ट्रांसफर करती है।

अब तक 18 किस्तों के माध्यम से देश के करोड़ों किसानों के खाते में आर्थिक मदद भेजी जा चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल 5 अक्टूबर को महाराष्ट्र में पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 18वीं किस्त जारी की थी। आइए जानते हैं कि पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त कब जारी होगी और इसका लाभ उठाने के लिए आपको क्या करना होगा।

पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त कब जारी होगी?

केंद्र सरकार हर चार महीने में पीएम किसान योजना की किस्त जारी करती थी। पिछली किस्त अक्टूबर 2024 में आई थी। इस हिसाब से योजना की अगली किस्त फरवरी में जारी की जा सकती है। हालांकि, इसे लेकर अभी तक सरकार की ओर से कोई आधिकारिक एलान नहीं हुआ है।

किन किसानों को नहीं मिलेगा पीएम किसान योजना का लाभ

पीएम किसान योजना का लाभ उठाने के लिए ई-केवाईसी और भूलेखों यानी जमीन के मालिकाना हक का सत्यापन कराना जरूरी है। जिन किसानों ने वेरिफिकेशन नहीं कराया है, उन्हें योजना का लाभ नहीं मिलेगा। सरकारी अधिकारी लगातार किसानों को जागरूक कर रहे हैं कि वे योजना का लाभ उठाने के लिए जल्द से जल्द ई-केवाईसी और भूलेखों का वेरिफिकेशन करा लें। योजना का लाभ लेने के लिए किसान के बैंक अकाउंट का आधार से लिंक होना भी जरूरी है।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लाभ क्या हैं?

- पीएम किसान योजना के तहत किसानों को सालाना 6,000 रुपये की सहायता मिलती है। इससे उन्हें अपनी खेती से जुड़ी अपनी जरूरतें पूरी करने में मदद मिलती है।
- इस योजना का मुख्य उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों को लाभ पहुंचाना है, जिनके पास कम जमीन है और वे आर्थिक रूप से कमजोर हैं।
- पीएम किसान योजना में कोई बिचौलिया नहीं है। इसमें रकम सीधे लाभार्थी के खाते में भेजी जाती है। इससे भ्रष्टाचार की गुंजाइश कम हो जाती है।
- किसानों के लिए इस योजना में रजिस्ट्रेशन प्रोसेस काफी बेहद सरल है। इसे ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से किया जा सकता है।

लाइवस्टॉक एक्सचेंज प्लेटफॉर्म के माध्यम से "विकसित भारत आंदोलन" को मिलेगा और अधिक बल

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। नेशनल कोऑपरेटिव यूनियन ऑफ इंडिया (एनसीयूआई) ने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी), केपीएमजी, डीसीएक्स और कार्ड (सीएआरडी – एनसीयूआई की पशुधन प्रबंधन इकाई) के साथ मिलकर देश में एक अभिनव लाइवस्टॉक एक्सचेंज प्लेटफॉर्म विकसित करने के लिए विचार-विमर्श किया। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "विकसित भारत" के विज़न को साकार करने के उद्देश्य से की जा रही है, जिसमें पशुधन क्षेत्र को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाना मुख्य फोकस है।

प्रमुख बिंदु:

डिजिटल नवाचार द्वारा पशुधन व्यापार में पारदर्शिता और कुशलता

लाइवस्टॉक एक्सचेंज प्लेटफॉर्म से पशुओं की ऑनलाइन नीलामी, वैज्ञानिक ग्रेडिंग एवं स्वास्थ्य जांच आसान होगी।

पारदर्शी मूल्य निर्धारण से डेयरी एवं पशुधन पालकों को सीधा लाभ मिलेगा और बिचौलियों की भूमिका कम होगी।

सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सशक्तीकरण

एनसीयूआई के अध्यक्ष श्री दिलीप एन. सांघानी ने इस पहल को "सहकारी क्रांति की अगली कड़ी" बताया।

उन्होंने कहा कि इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से पशुपालकों को अधिकतम सहयोग, उचित मूल्य, और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं वैश्विक विशेषज्ञता का समावेश

एनडीडीबी के वरिष्ठ महाप्रबंधक डॉ. आर.ओ. गुप्ता ने बताया कि जीव-वैज्ञानिक प्रजनन तकनीक, टीकाकरण और स्वास्थ्य मानकों के माध्यम से पशुपालन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया जाएगा।

केपीएमजी के प्रतिनिधि भरावी मिश्रा ने डेटा-संचालित नीति-निर्माण और टेक्नोलॉजी एडॉप्शन पर ज़ोर दिया, जिससे अंतरराष्ट्रीय मानकों का समावेश हो सकेगा।

तकनीकी आधारभूत ढाँचे का विस्तार

डीसीएक्स (DCX) के सीईओ स्टीफन ने कहा कि उनकी कंपनी द्वारा तैयार किए गए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का उद्देश्य दूरदराज़ के क्षेत्रों तक आसानी से पहुँच बनाना है।

ऑनलाइन पोर्टल, मोबाइल एप, रियल-टाइम मॉनिटरिंग और तेज़ भुगतान प्रक्रियाओं जैसी सुविधाएँ जोड़ने पर कार्य प्रगति पर है।

पशु कल्याण और सामाजिक-आर्थिक लाभ पर ज़ोर

कार्ड (CARD) की ट्रस्टी त्रिप्ती खन्ना ने बताया कि पशुओं के स्वास्थ्य, कल्याण, और मानकीकृत लॉजिस्टिक्स पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

यह पहल ग्रामीण भारत में आजीविका के अतिरिक्त साधन बढ़ाने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजबूत करेगी।

संभावित प्रभाव:

ग्रामीण आय में वृद्धि: पशुओं के उचित मूल्यांकन और सुरक्षित भुगतान व्यवस्था के कारण पशुपालकों की आय में संभवतः उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी।

सहकारी आंदोलन को प्रोत्साहन: संगठित और पारदर्शी व्यापारिक मॉडल से सहकारी संस्थाओं में विश्वास बढ़ेगा, सदस्यता का विस्तार होगा।

उन्नत प्रजनन एवं स्वास्थ्य मानक: वैक्सीनेशन, टीकाकरण व आधुनिक प्रजनन तकनीकों से पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार होगा, उत्पादन क्षमता बढ़ेगी।

डिजिटल समावेशन: इंटरनेट एवं मोबाइल एप्स के माध्यम से गाँवों में तकनीकी जागरूकता व सशक्तीकरण को बढ़ावा मिलेगा।

उद्धरण:

श्री दिलीप एन. सांघानी, अध्यक्ष, एनसीयूआई:

"प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप, हम पशुधन व्यापार को बदलने और सहकारी क्षेत्र में एक नई क्रांति लाने की दिशा में तत्पर हैं।"

डॉ. आर.ओ. गुप्ता, वरिष्ठ महाप्रबंधक, एनडीडीबी:

"पशुधन की वैज्ञानिक ग्रेडिंग, स्वास्थ्य मानकों की निगरानी और आधुनिक प्रजनन तकनीकें इस प्लेटफॉर्म को देशभर के डेयरी किसानों के लिए आदर्श बनाएँगी।"

भरावी मिश्रा, केपीएमजी:

"डाटा-आधारित अंतर्दृष्टि और अंतरराष्ट्रीय तकनीक के उपयोग से हम इस साझेदारी में एक निर्णायक भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हैं।"

स्टीफन, सीईओ, डीसीएक्स:

"हमने एक सशक्त डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित किया है, जो दूरदराज़ क्षेत्रों में भी अपनाना आसान होगा। हमारा लक्ष्य ग्रामीण समुदायों को अत्याधुनिक लेकिन सुलभ तकनीक प्रदान करना है।"

त्रिप्ती खन्ना, ट्रस्टी, कार्ड:

"ग्रामीण भारत के विकास में पशुधन एक्सचेंज प्लेटफॉर्म एक महत्वपूर्ण साधन साबित होगा। उचित मूल्य, उच्च गुणवत्ता वाले मानकों और पशु कल्याण पर हमारा विशेष ध्यान है।"

पुरी कनास में अस्पष्टीकृत दस्त: दया नदी के पानी का उपयोग न करने की सलाह दी गई क्योंकि यह जहरीला है

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर : पुरी जिले के कनास में अस्पष्टीकृत दस्त। फिलहाल इस घटना में 3 से 4 लोगों की मौत हो गई है, जबकि ग्रामीणों को रात में घंटियां बजाकर चेतावनी दी गई है। दया नदी खतरनाक है क्योंकि इसका पानी जहरीला है। इसलिए घंटी बजाकर चेतावनी दी गई है कि इस पानी का उपयोग न करें। दयानदी नदी के निचले इलाकों, जगुलाइपदर और गादीशागोडा के नए गांव में डायरिया का प्रकोप व्याप्त है ।पिछले दो दिनों से दयानदी के ऊपरी क्षेत्र में डोकांडा पंचायत स्थित नुआदोकांडा गांव में डायरिया से पीड़ित लोगों की संख्या में वृद्धि हो रही है। अभी तक 15 से अधिक लोग डायरिया से पीड़ित हैं और उनका भुवनेश्वर और पुरी में इलाज चल रहा है।

तेलंगाना हैदराबाद : अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना सचिव सोहन सीरवी बताया कि आज श्री राम जन्मभूमि के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट महामन्त्री आदरणीय चम्पत राय जी से शिष्टाचार मुलाकात हुई सरल साधारण स्वभाव के धनी है आपने अपना संपूर्ण जीवन का योगदान राम जन्मभूमि में दिया है इसके लिए सभी सनातनी प्रेमी आपका सदैव ऋणी रहेंगे संपत राय जी का उपकार हम सभी रहेगा आपका नाम इस युग में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा आपसे हमें यह प्रेरणा मिलती है कि धन हो ना हो परंतु लक्ष्य पाने के लिए आज इंसान के अंदर दृढ़ संकल्प होना चाहिए और आप हमारे हमेशा आदर्श वह प्रेरणा स्रोत रहेंगे। विश्व हिन्दू परिषद अयोध्या प्रकल्प के सह प्रभारी कारसेवक पुरम गोशाला के प्रभारी उमेश पोरवाल भी तन मन धन से गायों की सेवा कर रहे हैं हम सब आपके आभारी हैं ईश्वर आप पर सदैव कृपा बनाए रखेंगे आपसे मिलकर हम धन्य हो गए 144 साल बाद में आए प्रयागराज में महाकुंभ के त्रिवेणी संगम घाट पर अमृतस्नान किया संत महात्माओं व विदेशी संतों के भी दर्शन किए आज यह महसूस हुआ सनातन धर्म वसुदेव कुटुंबकम सं गच्छध्वं, सं वदध्वं सर्वे भवंतु सुखिनं विश्व कल्याण व सभी धर्म का सम्मान करना सीखाता है। सचिव (T S)

नंदनकानन में टॉय ट्रेन रोकी गई

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर : यह घटना रविवार दोपहर नंदनकानन चिड़ियाघर में घटी। 57 पर्यटकों को लेकर जा रही यह ट्रेन दोपहर करीब 2:30 बजे जंगल के बीच में रुकी। एक गंभीर स्थिति तब उत्पन्न हो गई जब पीछे की दो बोगियां इंजन से अलग हो गईं। पर्यटक डरे हुए थे क्योंकि वे गंगा के बीच में फंस गए थे ।सूचना मिलने पर, नंदनकानन के अधिकारियों ने फंसे हुए पर्यटक को बचाने और उसे जंगल में सुरक्षित वापस लाने के लिए यथाशीघ्र अपना वाहन भेजा। उन्हें टिकट की कीमत भी वापस कर दी गई।

गौरतलब है कि इस आधुनिक बैटरी चालित टॉय ट्रेन को 8 नवंबर, 2021 को नंदनकानन में लॉन्च किया गया था। इंजन में आग लगने के कारण यह प्रणाली मात्र आठ दिन के संचालन के बाद ही बंद हो गयी। कुछ दिनों बाद इसकी मरम्मत की गई और इसे पुनः चालू कर दिया गया। लेकिन उसके बाद, यह स्थिति लगातार बदतर होती गई। अपनी शुरुआत के बाद से ही यह ट्रेन लगातार खराबी के कारण पर्यटकों का विश्वास खोती जा रही है। इसलिए आज की घटना की जांच की जाएगी। उप निदेशक सनत कुमार नारायण ने बताया कि इस स्थिति के कारणों की जांच की जाएगी तथा आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

अब न रही सुरक्षित अस्थियां…?

अब तो न रही सुरक्षित अस्थियां,
शराबी, बोतल और अगरबत्तियॉं।
हो रहे मुक्तिधाम भी अब शिकार,
लो पनपा अमानवीय कृत्य विकार।
शराबी अस्थियां भी रहे है डकार,
बचाओ इन्हें करो कोई चमत्कार।

अब तो न रही सुरक्षित अस्थियां,
शराबी, बोतल और अगरबत्तियॉं।
अब हम कहाँ करें अंतिम संस्कार,
यहाँ नहीं सुरक्षित हुआ व्यभिचार।
पुलिस व प्रशासन कर रहा विचार,
अस्थियों की करें रक्षा बढ़ाएं प्यार।

अब तो न रही सुरक्षित अस्थियां,
शराबी, बोतल और अगरबत्तियॉं।
अस्थियों बिन कैसे हो रस्म अदा,
शराबी तो हो गए उस पर फिदा।
आमजन मुक्तिधाम में यदा-कदा,
कर्मियों अस्थियां मिले करो वादा।
(सन्दर्भ : कोटा में मुक्तिधाम से अस्थियां चोरी)

संजय एम तराणेकर

डॉक्टर और कंपनियों का कपट जाल : दवाओं की कीमत में उछाल

प्रियंका सौरभ

देश में दवाओं की क़ीमत सरकार नहीं बल्कि डॉक्टर ख़ुद तय कर रहे हैं। डॉक्टर अपने मुताबिक ब्रांड बनवाते हैं। क़ीमत फिक्स करते हैं। 38 रुपए की दवा की एमआरपी 1200 रुपए कर दी जा रही है। यह महज़ एक एग्जाम्पल है, ऐसा तमाम दवाओं में किया जा रहा है। एक्सपर्ट मानते हैं, 20 साल में 40 हज़ार करोड़ से दवा का कारोबार 2 लाख करोड़ के पास पहुँच गया है। इसका बड़ा कारण वह एमआरपी में बड़े खेल को मानते हैं। 2005 से 2009 तक 50 प्रतिशत एमआरपी पर दवाएँ बिक रही थी। अगर 1200 रुपए की एमआरपी है तो डीलर को 600 रुपए में दी जाती थी। अब डॉक्टर अपने हिसाब से ही एमआरपी तय करवा रहे हैं। जबकि नियमों के अनुसार डॉक्टर दवाओं के रेट तय नहीं करते। दवाओं के रेट, दवा बनाने वाली कंपनियाँ तय करती हैं। दवाओं के रेट तय करने में कई कारक शामिल होते हैं। दवाओं पर व्यापारियों को अच्छा मुनाफ़ा होता है।

ब्रांडेड दवाओं पर रिटेलर ज़्यादा से ज़्यादा 20-25 प्रतिशत तक की छूट देते हैं। जेनेरिक दवाओं पर 50-70 प्रतिशत तक की छूट मिलती है। जेनेरिक दवाएँ सस्ती होती हैं क्योंकि उन्हें महंगी जांचों से नहीं गुज़रना पड़ता। दवा खरीदते समय, दवा के रैपर पर क्यूआर कोड होना चाहिए. दवा के रैपर पर क्यूआर कोड से दवा का नाम, ब्रैंड का नाम, मैन्युफ़ैक्चरर की जानकारी, मैन्युफ़ैक्चरिंग की तारीख और एक्सपायरी की तारीख मिलती है। दवाओं या उनके अवयवों के बारे में जानकारी के लिए, डॉक्टर या फ़ार्मासिस्ट से पूछा जा सकता है। मगर जो दवाएँ सरकार के कंट्रोल से बाहर, उनमें मनमानी दवा की क्वालिटी और एमआरपी की निगरानी के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइस अथॉरिटी काम करती है। सरकार ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर के माध्यम से दवा की एमआरपी पर नियंत्रण रखती है। आवश्यक और जीवन रक्षक दवाओं के लिए अधिकतम मूल्य निर्धारित करने के साथ डीपीसीओ की जिम्मेदारी मरीजों के लिए दवाएँ सस्ती और सुलभ कराने की भी है।

सरकार जिन दवा को डीपीसीओ के अंडर में लाती है, उनकी एमआरपी तो कंट्रोल में होती है, लेकिन सैकड़ों फॉर्मूले की दवाएँ आज भी सरकार के कंट्रोल से बाहर हैं, जिसकी एमआर पी में मनमानी चल रही है। दवाओं की कीमतों में इजाफे को लेकर सरकार की गाइडलाइन है कि एक साल में 10 प्रतिशत ही

एमआरपी बढ़ाई जा सकती है। लेकिन कंपनियाँ प्रोडक्ट्स का नाम बदलकर हर साल डॉक्टरों की डिमांड वाली एमआरपी बना रही हैं। कंपनियाँ अलग डिवीजन और ब्रांड बदलकर एमआरपी अपने हिसाब से फिक्स कर देती हैं।

फार्मा फैक्ट्रियों से ही देश में दवाएँ सप्लाई की जाती हैं। कंपनियों और डॉक्टरों के इस खेल में कंपनियाँ अपने मुनाफे के लिए नियमों को ताक पर रखकर डॉक्टरों के हिसाब से न सिर्फ़ दवाएँ बनाने को तैयार हो जाती है, बल्कि मनमानी क़ीमत भी तय कर देती है। यही नहीं इन कंपनियों से मोबाइल पर ही डील हो जाती है। तभी तो देश भर में डॉक्टर और हॉस्पिटल ख़ुद अपनी दवाएँ बनवा ही रहे हैं और मनमाफिक मूल्य पर बेच रहे है। डॉक्टर और हॉस्पिटल तो ख़ुद अपनी दवाएँ बनवा रहे हैं और माइक्रो पायलट का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे ही एक्सपायरी निर्धारित होती है। अगर दवा में माइक्रो पायलट की क्वालिटी थोड़ी डाउन कर दी जाए तो मार्जिन बढ़ जाएगा, लेकिन एक्सपायरी का समय कम हो जाएगा। इसके पीछे कारण यह कि मटेरियल और एक्सपायरी को लेकर सरकार की कोई गाइडलाइन नहीं है। एक्सपायरी की डेट भी कंपनियाँ तय करती हैं। सरकार के कंट्रोल में जो दवाएँ हैं, इसे लेकर थोड़ी सख्ती है। बाक़ी मेडिसिन पर कोई ख़ास निगरानी नहीं है।

ये एक गंभीर विषय है कि दवा का निर्माण, आयात या बिक्री करने वाली कंपनियाँ ही दवा की कीमतें निर्धारित करती हैं।

नियमों में कहा गया है कि केवल प्रिसक्रिप्शन वाली दवा और ओवर-द-काउंटर दवा के प्रकार जो केवल फ़ार्मेसियों में बेचे जा सकते हैं, उन्हें सभी फ़ार्मेसियों में बिल्कुल एक ही क़ीमत पर बेचा जाना चाहिए। इसलिए, की दवाओं की कीमतें फ़ार्मेसियों के बीच उतार-चढ़ाव नहीं करती हैं, जिसका अर्थ है कि इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि आप अपना प्रिसक्रिप्शन भरने के लिए किस फ़ार्मेसी को चुनते हैं। यही नहीं दवा बनाने वाली कंपनियों पर ये नियम सख्ती से लागू किये जाए कि वह हर साल्ट का मूल्य भारत सरकार के नियमानुसार एक जैसा निर्धारित करे चाहे ब्रांड कोई भी हो। मूल्य ब्रांड पर न होकर साल्ट पर हो ताकि डॉक्टरों और कंपनियों के काले धंधे पर लगाम लगे और मरीज को 300 रूपये का इंजेक्शन बारह हज़ार में न खरीदना पड़े।

हर्बल दवाइयों और ओवर-द-काउंटर दवाइयों के प्रकार जो फ़ार्मेसी के अलावा अन्य दुकानों, जैसे सुपरमार्केट और कियोस्क में बेची जा सकती हैं, उनकी की कीमतों में बदलाव की अनुमति सरकार से हो। ये कीमतें पूरी तरह से स्टोर द्वारा निर्धारित की जाती हैं, इसलिए आपको एक स्टोर से दूसरे स्टोर में कीमतों में अंतर का अनुभव होता है।

टीम वी केयर ट्रस्ट द्वारा भामाशाह पार्क में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वाह करते हुए टीम वी केयर ट्रस्ट पंजीकृत द्वारा भामाशाह पार्क दक्षिणपुरी में चौथा सामूहिक विवाह कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में सुल्तान ऑफ ओमान के कमिश्नर के. एस राणा, भारत सरकार के प्राइवेट सेक्रेटरी अनूप सिंह, साकेत बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव एडवोकेट धीर सिंह कसाना, साकेत बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट करनैल सिंह के अलावा संस्था के सदस्य गौरव प्रधान, रविंद्र कुमार, अमित डेढ़ा, महावीर बंसल, शिव गौरी सेवा मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास शर्मा के अलावा भारी संख्या में लोगों ने उपस्थित होकर वर वधु को

आशीर्वाद दिया तथा इस सामूहिक विवाह समारोह को सफल बनाया। टीम वी केयर ट्रस्ट गरीब कन्याओं की शादी कराकर न सिर्फ अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वाह कर रही है, बल्कि समाज को एक प्रेरणा भी प्रदान कर रही है। टीम वी केयर ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष गुप्ता ने बताया कि यह संस्था आगे भी गरीब कन्याओं की सामूहिक विवाह के कार्यक्रम का आयोजन करती रहेगी। यह पुण्य का काम है तथा इस संस्था से जुड़े सभी लोग पूरा सहयोग करते हैं। उन्होंने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया जिन लोगों ने इस शादी को संपन्न कराने में तन मन धन से अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई।

प्राचीन पंचकोसी परिक्रमा के पहले दिन संतों व भक्तों का सैलाब उमडा : श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज

परिवहन विशेष न्यूज

प्रयागराजः ऐतिहासिक संगम नगरी में प्राचीन पंचकोसी परिक्रमा सोमवार से शुरू हो गई। परिक्रमा में पहले दिन संतों व भक्तों का ऐसा सैलाब उमडा कि चारों तरफ भक्ति व श्रद्धा की बौछारे पडने लगीं। पंचकोसी परिक्रमा का शुभारंभ जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि महाराज ने जगद्गुरु शंकराचार्य सुमेरूमठ काशी स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती महाराज, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी महाराज, जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय सभापति श्रीमहंत प्रेम गिरि महाराज, श्री दूधेश्वर पीठाधीश्वर व श्री पंच दशनाम जूना अखाडा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज, मेला प्रभारी

श्रीमहंत मोहन भारती महाराज, श्रीमहंत महेश पुरी महााज, श्रीमहंत शैलेंद्र गिरि महाराज, मेला अधिकारी चंडिका प्रसाद, दयाराम, मुनी लाल पांडे व श्री पंच दशनाम जूना अखाडे के हजारों संतों की मौजूदगी में किया। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने बताया कि पंचकोसी परिक्रमा का बहुत अधिक महत्व है। यह परिक्रमा जहां एक और धर्म व आध्यात्म की अखंड ज्योत प्रज्जवलित करती है, वहीं सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति व गुरूकुल शिक्षा पद्धति को पुर्नस्थापित करने का कार्य भी करती है। वर्ष 2019 के कुंभ में 550 वर्ष के बाद श्रीमहंत हरि गिरि महाराज व उन्होंने मेला प्रशासन तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के सहयोग से इस पंचकोसी परिक्रमा को पुनः शुरू कराया था। इस वर्ष यह छठी पंचकोसी परिक्रमा है। 5 दिन तक चलने वाली इस परिक्रमा में चारों दिशाओं में स्थापित वेणी माधव मंदिरों के साथ ही अन्य प्राचीन और पौराणिक महत्व वाले मंदिरों में जाकर दर्शन-पूजन किया जाएगा। प्रयागराज की पंचकोसी परिक्रमा का सोमवार को संगम स्नान व पूजन के साथ शुभारम्भ किया गया। इसके बाद अक्षय वट और सरस्वती कूप का दर्शन-पूजन, लेटे हुए हनुमान जी के दर्शन.पूजन, दत्तात्रेय मंदिर का दर्शन-पूजन, राम मंदिर का दर्शन पूजन, ललिता देवी कल्याणी देवी स्थित सिद्ध मठ में दर्शन.पूजन, यमुना घाट व राम घाट का दर्शन-पूजन किया गया। यमुनापार के बरखंडी महादेव के दर्शन-पूजन के साथ पहले दिन की परिक्रमा ने विश्राम लिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023